# 3-1रत का राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 44] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 8, 1973 (अपहायण 17, 1895) No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 8, 1973 (AGRHAYANA 17, 1895)

#### माग Ш—खण्ड 1

# (PART III-SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

# वित्त मंत्रालय (अर्थ विभाग)

नासिक रोड, दिनांक 6 मितम्बर, 1973

सं० 3771/ए०--डा० (श्रीमती) अनुपमा चद्रकात आयलगांवकर जिनकी मूल नियुक्ति अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभृति मुद्रणालय, अस्पताल, नामिक रोड, में 20-11-69 से तदर्थ रूप में पहली बार तीन महीने के लिए हुई थी और बाद में अधिसूचना सं० 2377/ए, दिनारः 27-8-73 के अनुसार दिनाक 30-9-7; तक के लिये मेवा जारी रखी गई, आगे इसी तरह 31-12-73 तक काम बन्ति। रहेगी अथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (केन्द्रीय स्वास्थ नेवा के अन्तर्गन्) मघ लोक - दा आयोग द्वारा नियमित निवित्त से कर दी जाये।

दिनाक 19 नवम्बर, 1973

सं० 4227/ए०--श्री दामोदर विट्ठल हरकरे, स्थाये: म व्य लेखाकार, चलार्थ पत्र मुद्रणालय नासिक रोड को भारत 1-356GI/73

प्रतिभूति मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राजपन्नित पद) लेखा प्रधिकारों के पद पर तदर्थ रूप में, तीन मास के लिये 19 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है प्रथवा तब तक नियन्त्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए।

विनांक 20 नवम्बर, 1973

सं० 4240/ए—श्री एम० एम० पाल, सुरक्षा ाधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक पथ जो ग्रारम्भ में तदर्थ रूप में एक वर्ष के लिये 1 जनवरी, 1972 से नियुक्त किये गये थे, (देखिये, दि० 1 जनवरी, 1972 की प्रधित्चना सं० 3787/ए) ग्रागे भी 31-12-73 तक उन्ही शालीं पर यथावत कार्य करते रहेगे, श्रथवा तबतक जबतक नियमित रूप में इसके पहले उक्त पद की पूर्वि न हो जाये।

वि० ज० जोणी, महा प्रचन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

# श्रम और पुनर्वास संज्ञालय (श्रम एवं रोजगार विभाग)

शिमला-171004, दिनाक 1973

स० 23/3/73-सी० पी० श्राई०--प्रक्तूबर, 1973 में श्रौद्योगिक श्रीसको न प्रखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकाक (श्राधार 1960-100) रितम्बर, स्तर से छ श्रक बढकर 254 (दो सौ चौवन) रहा । श्रक्तूबर, 1973 माह का 1949 श्राधार वर्ष पर सनुमानित स्वकाक 309 (तीन सौ नौ) श्राता है।

> के० के० भाटिया, निदेशक।

# श्रम एवं नियोजन संव्रालय कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनाक 19 ग्रक्तूबर, 1973

स० गी० 8(11) 67-कोथला म्वान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली, 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी) मे दिये गये ग्रधिकारो का प्रयोग करते हुए कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष की सलाहकार समिति एतद्बारा पेंचवेली क्षेत्र, (कोयला खान प्राधिकार लिमिटेड) िछिन्दवाड़ा केनिकट परासिया, मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय प्रधान प्रबन्धक श्री महीप सिह एव नागपूर के क्षेत्रीय प्रधान प्रबन्धक, श्री ए० बी० साह द्वार प्रबन्ध निदेशन कोयला खान प्राधिकार लि०,पश्चिमी नागपूर, को श्री जी० श्रीनिवास, मुख्य खान ग्राभियन्ता, दादाभाई न्यू चिरीकि के गेशरी हिल कोलियरी एव श्री डी० डी० **दिद्दी**, मसर्म फ्रोरियन्ट कोल कम्पनी के स्थान पर मध्य प्रदेप, रापाराष्ट्र, एव राज थात कोयला क्षेत्र उप-समिति के सदस्य के प्रप में मनोगीत राजी है, जिसका गठन प्रधिसूचना स॰ पी॰ 8(11)67, दिनाक 12-1-73 में हुआ था तथा क्थित अधिस्चना में निम्नलिखित सशोधन करती है --

- (i) ''कम संख्या 5--श्री जी० श्री निवास मुख्य खान ग्रिभ-यन्ता, दादाभाई, न्यृ चिरीमिरी पोनरी हिल कोलियरी वे स्थान (कम संख्या 5) पर श्री महीप सिंह, क्षेत्रीय प्रधान प्रवश्यक, पेचवेली क्षेत्र, कीयला खान प्राधिकार लि० परासिया का नाम प्रतिस्थाति किया जाय।"
- (॥) ऋम सख्या 6—श्री डी० डी० दिद्दी, प्रधान प्रबन्धक, सेमर्स ग्रॉरियन्ट कोत कम्पनी लि०, नागपुर के स्थान (ऋम सख्या 6) पर श्री ए० बी० साह, क्षेत्रीय प्रधान प्रबन्धक, कोयला खान प्राधिकार लि० पश्चिमी मण्टल, नागपुर का प्रतिस्थापित किया ।

ग्रार० पी० सिन्हा, कोयला खान वत्याण श्रायुक्त धनबाद ।

# सूबना ओर प्रवारण अंशलय भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

पूना-4, दिनाक 14 नवम्बर, 1973

स० (19011/2/73)-ईंग्रस०टी०—श्री प्र० वि० दिवासर को भारतीय फिल्म और टेलीवियन सस्थान में करा निर्देशन शिक्षक के पद पर क० 350-25-500-30-59० द० रो०-30-800 के वतनमास में दिनाद 15-10-7 (अपराह्म) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

> दे० ना० दीक्षित, निदेशक।

## (आकाशवाणी महानिदेशक)

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर, 1973

स० ए.०-30044/1/73-एस०-छ - - महानिदेशक, आकाश-वाणी एतद्-द्वारा श्री जे०४ के० दोषी, श्रीतृगण, अनुसधान प्रधिकारी, श्राकाशवाणी जयपुर को 3 जुलाई, 1972 से, उसी पद परस्थायीवन् पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनाक 13 नवम्बर, 1973

स० 6(53)/63-एस०-एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जे० पी० शर्मा, प्रसारण निष्पादक, श्राकाश-वाणी, विदेश सेवा प्रभाग, नई दिल्ली को उ श्रक्तूबर, 1973 से अग्रेतर श्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० 6(63)/63-एम-एक---महानिदेशक, आशाणवाणी, एतद्द्वारा श्री च०प्रसाद राव प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विजयवाडा, को 23 अक्तूबर, 1973 से अग्रेनर आदेशो तक, आकाशवाणी, विशाखापटनम मे, तवर्ष आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

## दिशक 15 नजम्बर, 1973

म० 12/1(1)/73-सतर्कना—महानिदेशक, प्राकाशवाणी, उत्तर प्रदेश कृष्ण विज्ञान सम्थान (यू०पी० इन्स्टीच्यूट ग्राफ एग्रीकल्वरल साइन्सज), कानपुर के कुक्कुट-पालन निरीक्षक (पाल्टी इन्सपेक्टर), श्री वी० एस० श्रीवास्तव, को 17 श्रक्तूबर, 1973 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, श्राक्षाशवाणी, उप्यपुर से, कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर ग्रस्थार्य। पद क्षमता में नियुक्त करने हैं।

शान्तिलाल, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक ।

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कार्यालय कानप्र

कानपुर, दिनाक 26 नवम्बर 1973

निर्देश स० 91 अर्जन मेरठ/73/716--यत:, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसाकि सूची भेहे कस्बामेरठ पर०, तह० जिला मेरठ में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ गहर मे भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री ब्रह्मसिह, हरनरायनसिह व हरी নিह ठा० वालेसिह निवाही मु० ब्रह्मपूरी मेरठ (अन्तरक)
- 2 शकुन्तला दवी पत्नी श्री राजकुमार निवासी शीश महल, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर विसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरणः— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों ता, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

18 बिस्वा पक्का भूमि का खसरा न० 1069 एम० 12 बिस्वा 1069 एम० 6 बिस्वा, कस्बा मेरठ, पर० तह० द जिला मेरठ में स्थित है का आधा भाग।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, महायकभायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कानपुर।

तारीख: 26-11-1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज कामिलय कानपुर दिनांक 19 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ३० (अर्जन) कानपुर-73-74 -- यतः मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये मे अधिक है और जिसकी सं जैस। कि सूची में है जो, गांव परगना और तहसील हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) आधीन 27-7-1973 को पूर्वोक्त के दुश्यमान से कम प्रतिफल बाजार मृत्य विलेख के अनुसार अन्तरित लिए रजिस्दीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:—

श्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री सोवरन सिह पुत्र श्री बहादुर सिंह देहली रोड़, कस्बा हापुड़ मेरठ ।

(अन्तरक)

 श्री भ्यान सिंह पुत्र श्री जस्सा सिंह, रघुवीर गंज कस्य हापुड़ जिला भेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:-
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं . अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि खाना न० 128,33 बीघा 5 बिस्बा और 2 बिस्वानी (1/3 भाग) और खाता न० 142, 15 बिस्बा, और 3 बिस्वानी स्थित गांब पटना परगना और तहसील हापुड़, जिला मेरठ।

वाई० खोखर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-11-1973

अभायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज कार्यालय हैदराबाद

कानपुर दिनाक 26 नवम्बर 1973

निर्देश स० 1 (अर्जन रेज) (3395) /मेरठ/73-74 ---वाई० खोखर ग्रधिनियम 1961 श्रायकर (1961 मा 43) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास धरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी स जैसा कि सूची में है जो कस्वापरगना तहसील व जिला मेरठ में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ( रजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ शहर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह वि**ख्वा**स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति था उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायक्षर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्णाने के लिए सुकर बनाना, ।

भौर यतः घायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रब धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायक्षर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधोन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- श्री ब्रहमा थिह हरनरायण सिंह व हरी सिंह पुत्र ठा० वाले सिंह निवासी-ब्रह्मपुरी, मेरठ। (अन्तरक)
- श्री मुसददी लाल पुत्र श्री राम प्रसाद जि॰ रानी खुर्द परगना तहसील व जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विश्ली व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रिक्षसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपो, यवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदा भा, जो श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि 18 बीघा पक्का भूमिधारी न० खसरा 1069, 12 विस्वा का प्लाट न० 1069 ए० गौर 6 बिस्वा का प्लाट न० 1069 कस्बा मेरठ में स्थित परगना तहसील एव जिला मेरठ

> वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कानपुर

तारीख: 26-11-1973

मोहर '

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनाक 27 नवम्बर, 1973

निर्देश स० । (अर्जन) मेरट/4074/73-74--यत: मुझे वाई खोखर आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार पूरिप,  $25,000/\sim$  रुपये से अधिक है और जिस तो म० जैसा कि सूची में है जो गाव स्लाभाबाट छितैरा पर० पह० जिला मरठ से ास्यत है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ गहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अपधीन 13-7-1973 को पूर्वीक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिल्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के तिए गुकर बनाना,

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये है।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण मे, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

 श्री डा० ईम्बर सिंह पुत्र ची० प्यारे लाल निवासी बेगम अन रीड शहर मेरठ।

(अन्तरक)

2 श्री चौ० शिव सिह पुत्र चौ० अमर सिए ग्राम सृथिरिया तहसील माठ, जि० मेरठ।
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य, ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्तद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए आधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दोऔर पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि भूमिधारी खाता न० 10 खसरा न० 315/3 ग्राम
7 बीघा 5 विस्वा पुस्ता का 1/2 भाग गौर खसरा न० 315/2 मे
1/4 भाग माप 3 विस्वा 5 विस्वासी पुख्ता और ट्यूबर्वन मे 1/2
भाग जिममे बिजली 10 हासपावर का कनक्शन न०। एक आहता
जिसमें दो मंजिल दो कमरे एक स्टोर और एक टिन शेड ग्राम
स्लामाबाद छिलेरा परगना तहसील और जि० मेरट में स्थित है।

(वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज कानपुर

तारीख: 27-11-1973

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/6076--यत. मुझे, मी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 50 से अधिक है जिसकी सं० एम०-173 है जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच तय पाया गण ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनासा; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन किसी या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाष्योय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) य धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना,

अत अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् —

- मैं० डी० एल० एफ० धुनाइटिड लि०
   40-एफ०, कनाट पलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री जे० के० चौधरी 'आशियाना, 357 नेपियर टक्रन, जबलपुर (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणे के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्थन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेतो, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिपने ऐसा आक्षेप किया है तथा मम्मत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मृतवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार शेगा।

स्पष्टीकरण: -- ६समे प्रयुवत शब्दो और पदों का, जो आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का एक टुकड़ा जिसकी ग० 203 ब्लाक न० म० क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश  $\Pi$ , नई दिल्ली के गाव बहारपुर में स्थित है।

च० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅंज 2, दिल्ला, नई दिल्ली-1

तारीखः : 6 दिसम्बर, 1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज मद्रास

तिरुनेल्वेली, दिनौंक 22 नवम्बर, 1973

निदेश XIX/1(II)/3/73-74——यतः, स० मुझे, के बी राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26,9-ध के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और है, जो श्रीपूरम कालनि, तिरुनेल्वली जिसकी सं० गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०आर०-II तिरुनेल्येली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून, 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल कि लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या किसी अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अत्र, धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की घारा 269-धू की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

- (1) श्रीमती पिचछम्माल, गोपालकृषणन मुरुगानन्दन, धनलक्ष्मी, गोमती (अन्तरक)
  - (2) नेरुलै सा० मिल्स (अन्तरिती)

को यह मूचना जारो कर के पूर्वोक्त सम्मिन के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रांत आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदब्रारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रित इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए परीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सर्वे म० 567/3, टी॰एम॰वाईं 10, ब्ताक 18, टो॰एस॰ सं॰ 1362/3 बी॰ में तिरुनेल्वली गॉब में 48 सेटस (20681 एक फी॰) का खाली भूमि।

> के० वी० राजन. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 1सद्राम

तारीख:22-11-1973 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृ्थर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवस्बर 1973

निर्देश सं० XXI/13/4/73-74----यतः, भुक्षे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. विश्वारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० .......है, जो केतण्डपट्टी गांव, वानियंबाड़ी तालुक, नार्त आर्काट डिस्ट्क्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, वानियंबाड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० के० दुरैस्वामी (अन्तरक) 2—356 G.I./73 (2) तिरुप्पति कोआपरेटिव शुगर मिल्स (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मन्त्रों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

केतण्डपट्टी गाँव, वानियंबाड़ी तालुक में निम्नलिखित खाली भूमि ।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख: 22 नवम्बर, 1973।

मो्र;

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1973

निर्देश सं० XIX/७/ 1/७ 3-७ 4----- यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 514/2ए०, 514/1बी०2, 514/2बी०1, 514/1वी०1, 514/1बी०3, 514/1सी०, 514/1ए० है, जो कृष्णापुरम गांव में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कडयनल्ल्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनेको कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/मा
- (ख) ऐसी फिसी म्राय या फिसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रतः श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर, ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयति :—

(1) श्री जी० रामकृष्णय्यर (2) जी० पिच्छुमणि अय्यर, (3) जी नटराजन, (4) जी रामैया (अन्तरक)

(2) श्री एस० आरुमुगम करुप्पैय कोनार, मुब्बम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन क लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सर्वे सं० 514/2ए०, 514/1बी०2, 514/2बी०1, 514/1बी०1, 514/1वी०3, 514/1सी०, 514/1ए० में कृष्णापुरम गाँव मे 8 एकर्स 16 संटम का खाली भूमि।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 22 नवम्बर 1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

दिनाक 22 नवम्बर, 1973

निर्दश ग० XII/23/5/73-71--- यत , मुझे, के० वी० राजन आयकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सर्वे स० 363 है, जो विजपरागव मुदलियार चन्तिरम गाँव में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-! पुदुकोई मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-73 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने को कारण है कि यथ।पूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुमरण म, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियो अर्थात :---

- (1) श्री मेजर एम० तियागराज (अन्तरक)
- (2) आर० वी० नर्रासहन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, हो.--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे न्यंक्ति को, जिसन ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

सर्वे स॰ 363 विजयरागव मुदलियार गाँव मे 7 50 एकर्स का खाली भूमि।

के० बी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख 22-11-1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मधास, दिनौंक 22 नवम्बर 1973

निर्देश सं० XII/23/4/73-74—यतः, मुझे के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है, जो वी० एम० चत्तिरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-र पुदुक्कोट्टे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत:, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा

- (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---
- (1) श्री एस० सी० ए० रजाक (अन्तरक)

(2) श्री आदम साहिब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्ब्रारा कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को थी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सर्वे सं० 151 से 159 तक—री सर्वे सं० 28 में 2 एकर्स 32 1/2 सेंटस और री सर्वे सं० 27/2 में 4 एकर्स 25 सेंटस का ख़ाली भूमि है जो वी० एम० चित्तरम में स्थित है।

> (के० वी० राजन) सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक: 22 नवम्बर 1973

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -

र्के भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय अर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनाँक 28 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 736/73-74—यतः, मुझे ए० रागविन्द्र राव **भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के** मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 62 भी० मौब्रेस रोड, आलवार पेट, मद्रास-18 है, जो . . . . . . . . . . . में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. एस० जयम वासुदेवन,
  - 2. वी० बदबनाबन;
  - 3. बी० राजसुन्द्रम,

- 4. आर० ललिता;
- 5. बी० श्रीनिवासन
- वी० पार्तसारित:
- 7. वी० रामस्वामि और
- 8. वी० चीत्रा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मुरुगेस नायकर और टी० गोविन्दस्वामि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास, 18, आलवारपेट में 7 ग्रडण्डस और 556 स्कुयर फीट का भूमि और इस में एक माकान

> ए० रामवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 28-11-1973

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०....

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के स्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 28 नवम्बर, 1973

निर्देश स० 2008/73-74 ---यतः, मुझे ए० राविन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 राव का 43) की धारा 269-घ के अधीन सज्ञम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपय से श्रधिक है मृत्य और जिसकी - डोर सं० 27/417 - मेट्ट्पालम रोड, कोयम्बट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रुपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर मे भारतीय रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है स्त्रौर यह कि ध्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन प्रा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यत: श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाष्ट्री शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः ग्रव, धारा 269-घ के ग्रनुसरण में, मैं, ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—

- (1) श्री राजगोपाल, कोयम्बटुर (अन्तरक) 🕚
- (2) श्री ए० के० गोविन्दसामि चेट्टियार, क्षागयम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो तो:——

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसं व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है। ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कीयम्बटूर मेट्टुपालयम रोड, डोर स० 27/417 में 5500 स्कुयर फीट का भूमि और इसमे एक मकान में 1/3 भाग ।

सक्षम प्राधिकारी ए० रागवेन्द्र राव (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 28 नवम्बर, 1973

जीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० 2009/73:---यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु०से अधिक है और जिसकी सं० डोर गं० 27/417, मेंट्ट्गालयम रोड कोयम्बट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्री/श्रीमती/क्रमारी तगवेल्, कोश्रम्बट्र (अन्तरक्ष)
- (2) श्री ए० के० गोविन्तमामि चेट्टियार, कागयम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोयम्बटूर, मेट्टुपालयम रोड, डोर सं० 27/417 में 5500 स्कृयर फीट का भूमि और इस में एक मकान में 1/3 भाग ।

ए० रागवेन्द्रराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 🕆 28 नवम्बर, 1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर, 1973

निदेश सं० 2010/73-74---यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 27/417, में ट्रपालयम रोड, कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जून, 1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

कौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (!) श्री/श्रीमती/कुमारी चीन्न कृडन मोयर, कोयग्बट्र। (अन्तरक)
- (2) श्री ए० के० गोविन्दसामि चोट्टियार, कांगयम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मान्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

कोयम्बदूर, मेट्टुपालयम रोड, डोर सं० 27/417 में 5500 स्कुयर, फीट का भूमि और इसमें एक मकान में 1/3 भाग।

ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28 नवम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० रुस्०

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज II, मद्राय

मद्रास, दिनाक 28 नवम्बर 1973

निदेश स० 2055/73-74:---यत:, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिसकी सं० 28/18 ए०. भाइयकारूलु रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बट्र में स्थित है. (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 अगस्त, 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप भे कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:---

अत:, अत्र, घ्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) थी/श्रीमती/कुमारी ई० पुरुशातमन, कोयम्बट्र (अन्तरक)
- (2) श्री/श्रीमती/कुमारी डाक्टर बी० के० भासकारन नायर और कमलम भासकरन नायर, ओडनचन्नम । (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थानर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेमों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निमत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेम किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एसद्क्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बट्र, आर० एस० पुरम, भाइयक्क व्लु रोड, में डोर सं० 28/18 ए० में 8520 स्कृयर फीट का भूमि और इसमें एक मकान।

> ए० रागवेन्द्र राव, सक्षम **नाविका**री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28 नवम्बर, 1973

श्राय**कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-थ (1) **के भधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-I विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/एस० आर०-1/जून, 11 /259(11)/73-74/5894:—-यतः मुझे डी०जी०लाल झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है जिसकी सं० 2270 (1/2) वार्ड नं० 7 है, जो मोहल्ला रोडग्रान, गली मीर मदारी, अहाता हुजु लाल कुआं दिल्ली में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 जून, 1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रमाट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हाजी मुह्म्मद अतीक सुपुत्र हाजी मुह्म्मद अली अल्ला, रजिहदुष आम मुख्तयार श्रीमती रफीफ्उन निसा परनी हांजी अल्ला, 1300 हवेली हिमाउदीन हैदन, वल्लीमारान, दिल्ली (अन्तरका)

- 2. श्रीमती (1) फिरवास बेगम परनी श्री कियामुद्दीने (2) कामर जहां पुत्ती श्री कियामुद्दीने (3) श्री कृषाउद्दीन पुत्र श्री कियामुद्दीन (एथं (4)श्री सिराजउद्दीन पुत्र श्री कियामुद्दीन, 5929 बल्लीमारान, दिल्ली (अन्तरिसी)
- 3. श्री (1) मुहम्मद यासीम (2) किशन जन्द (3) अब्दुल हत्ताक (4) हकीम नजीर अहादमद (5) अब्दुल रहमान खान (6) मुहम्मद इशाक (7) अब्दुल रशीद (8) श्री आरशाद अहमद सभी 2270 विश्वं नं० 7 गली अमीर मदारी अहता हजां, मुहल्ला रोडग्रान, लाल कुआ, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतपृद्धारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूजना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूजना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पब्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 2270 (1/2) वार्ड नं० 7 क्षेत्रफल 211/2/9 वर्ग गज जो कि मुहल्ला रोड़ग्राम गली मीर मदारी, अहाता हुणुं, लाल कुका, दिल्ली में स्थित है स्था जिसकी मीमाए निम्मलिखित है :---

पूर्व : दूसरों की जायबाद पश्चिम :--गली मीर मधारी उत्तर : दूसरों की जायबाद दक्षिण :---मक्शन नं० 2306

> (डी० वी० लाल) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज----1 , दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख** 27 नवम्बर, 1973 मोहर:

श्रायकर **प्रधिनियम 1961** (1961 का 43) की धारा 269**व**(1) के श्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली । दिनाँक, 27 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयु० 1/एस० आर-1/जून-1/237 (132)/73-74/5814—यत:, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० नं० 35 बी० मार्ग नं० 77 (भाग 911.11 वर्गगण) है, जो पंजाबी बाग, विल्ली में हिश्यत है (और इससे उपाबद अमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिह्नद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कार देने के अन्तरक के दागित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकार बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाही कुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न की उपनारा (1) के अधीन निम्निनित व्यक्तिको अर्वात् :---

- 1 श्री रोशन लाल गुप्ता सुपुन्न श्री बली राम निवासी जलन्धर शहर । (अन्सरफ)
- 2. श्री पी० एस० सुपुत्र स्वं० श्री मिलिक जन्द धई 7/4 विजय मगर, उबल स्टोरी, क्याटर्रज, दिल्ली-9 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्हारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गन्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्घ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट का भाग जिसका क्षेत्रफल 911.11 वर्ग गज है और जिसका नं 35 बी मार्ग नं 77 पंजाबी बाग नामक कालोनी में स्थित है जो गाँव बरसाईदारापुर, दिल्ली का क्षेत्र है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित है :---

उत्तर सर्विस लैन पूर्व प्लाट नं० 35 वी का शेष भाग दक्षिण मार्गे नं० 77 पश्चिम प्लाट नं० 37

> डी० बी० लाल? सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1/, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीख**: 27 नवम्बर, 1973

## प्रसप आई०टी० एन० एस०---

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ-(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/,दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली । दिनाँक, 27 नवम्बर 1973

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/एस० आर-1/जून-1/236 ( 131)/73-74/5894-यतः,मुझे,डी०बी०लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० प्लाट नं० 35 मार्ग नं० 77 (भाग 1311-11 वर्ग गज) है, जो पंजाबी धाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1973 को पूर्वोक्स संम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्सरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा वा जाना चाहिए था,। छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपश्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—

- श्री रोशन लाल गृप्ता सुपुत श्री वली राम निवासी जालन्धर शहर (अन्तरक)
- श्रीमती डा० राजरानी अग्रवाल पुत्री स्वे श्री भगवान दास
   यह प्राना रोड़, दिल्ची-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विधा गंधा है।

## अनुसूची

प्लाट का भाग जिसका क्षेत्रफल 1311.11 वर्ग गज है और जिसका नं 35 की मार्ग नं 77 पंजाबी बाग, नामक कालोनी में स्थित है जो गाँव वस्साईदारापुर का क्षेत्र है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित है :--

उत्तर सर्विस लैंन पूर्व प्लाट ने० 35 ए दक्षिण मार्ग ने० 77 पश्चिम प्लाट ने० 35 बी का शेष भाग

> डी० बी० लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीख 27 नवम्बर 197**3 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

का कार्यक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 60/61, एरडवना, कर्वे रोड़, पूना-411004 पना-411004, दिनौक, 30 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी-ओ/एस/जूम/73/सोलापुर/83/73-74---यतः, मृत्ते, जी-कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 277/1 अ 1/1 है, जो उत्तर सोलापूर तहसील सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15/6/73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, **भिम्निमिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप** से कंशित मही किया गया है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम करदेने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर मतः, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रव धारा 269-घ के भनुसरण में , मैं, भायकर भिधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. श्री हमसंता भागण्या असाडे बूत्तर सवर बझार सोलापूर (अम्सरक)
- 2. (अ) श्री भीमाणकर धर्मपाल भोगडे 446 उत्तर कसबा पेठ सोलापूर
- (ब) श्री साहेबलाल पापामिया काझी 162/11 रेलवे लाइन्स सोलापुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धन्नधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धन्नधि, जो भी धन्नधि बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों कें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसद्हारा यह श्रीधस्थित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, पवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा ग्रागे यह श्रिधसूचित किया आता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त मध्यों धीर पदों का, जो ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

उत्तर सोलापूर सहसील में सोलापूर खुली जगह स० अ० 277/1 अ० 1/1 क्षेत्र 4470 स्वके मिटर्स फी होल्ड ।

> जी**० कृष्णन,** स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-11-1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हुबली का कार्यालय
मेत्राणी बिल्डिंग विद्या नगर हुबली-580021
इबली, दिनांक 29 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 43/73-74/एच ए० सी० क्यू०--यतः, मुझे, आर० पार्थसारयी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से प्रधिक है और जिसकी संव सीव टीव एसव सं० 2986, वार्ड नं० 1 है, जो हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में 12-6-1973 के विन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अग्निक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि∽ नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री गौरीशंकर राममोहन कोप्पीकर, रिसर्च आफीसर, अग्निकलचरल् आफीस, केर/आफ श्री शरद कुलकर्णी, अनंत आटो डीलजस, जलगांव (महाराष्ट्रा)
- (2) कुमार राजेन्द्र गौरीशंकर कोप्पीकर, अल्पबयी संरक्षण-दार और पिता, श्री गौरीशंकर राममोहन कोप्पीकर, रिसर्च आफीसर अग्निकलचरल् आफीस, कोर आफ श्री शरद कुलकर्णी, अनंत आटो डीलज्स, जलगांव (महाराष्ट्रा) (अन्तरक)
- 2. (1) श्री ज्याला कुमार पद्मनाभय्या जवली, पार्टनर-मेसर्स न्यू मैसूर स्टोर्स हुबली ।
- (2) श्री निर्मल कुमार पद्मनाभय्या जबली, पार्टेनर-मेसर्म स्यू मैसूर स्टोर्स, हुबली ।

- (3) श्री डी० एस० कांनराजय्या, पार्टमर मेसर्स डी० एस० कांनराजय्या एंड कंपनी, पो० बां० नं० 22, मंडीपैठ, तुमक्रूर,।
- (4) श्री जी० एन० पद्मनाभय्या, पार्टनर-मेसर्स डी० ऐँस० कांनराजय्या एण्ड कंपनी, पो० बा० नं० 22, मंडीपेठ, सुमकूर।
  - (1) कुमार विनय ज्वालाकुमार जवली (अन्तरिती)
  - (2) कुँमार अनिल ज्वालाकुमार जवली (3) कुँमार सुहास ज्वालाकुमार जवली
- (3) कुमार सुहास ज्वालाकुमार जवली अल्पवयी संरक्षणवार और माता श्रीमती शकुंतला जे० जवली, क्लब रोड हुबली ।
  - (4) कुमार सुनील निर्मल कुमार जवली
- (5) कुमार अजीत निर्मेलकुमार जयली अल्पवमी संरक्षणदार और माता श्रीमती मलिनी एन० जबली, क्लव रोड़, हुबली ।

(6) श्री एम० पी० सन्मतीकुमार, पार्टनर-मेसर्स डी० एस० कानराजय्या एण्ड कंपनी, पी० बा० नं० 22, मंडीपेठ, तुमकुर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अस्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्व्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

हुबली शहर वार्ड नं 1, सी० टी० एस० नं 0 2986 में 1176 चंदर यार्ड मापन का प्लाट में बीच के हिस्से में एक मकान और खाली जगह—मापन-पू०-प०-587' और उ० द०-65' सीमाएं इस प्रकार हैं:---

पूर्वे में—: के० सी० सी० बैंक पश्चिम में—: श्री कृष्ण मंदिर,

उत्तर में——: यह आस्ती जो पहले श्री विश्वनाथ आर० कोप्पीकर के माल्की में था और अब श्री जे० पी० जवली इत्यादियों के मार्ल्की में है।

विक्षण में : यह आस्ती जो पहले श्रीमती कंचन के माल्की में था और अब श्री जे० पी० जवली इत्यादियों के माल्की म है।

आर० पायसारथी, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

तारीखः 29-11-73 अर्जन रजेहुवसी ।

¥आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त ) निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली।
तारीख नवम्बर, 1973

निर्वोग सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/एम० आर०2/3/32 (25)/73-73/5931---यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 126 है, जो राजौरी गार्डन नई विरुली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 23-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार म्ल्य से कम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती ( "न-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकंस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिस किए गए हैं। अतः सम, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री ओम प्रकास पुत्र श्री हरि चन्य निवासी (न्अन्तरक) मकाम नं० 5620 बसन्त रोड पहाड्गांक नई विल्ली।

श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री सौदागर सिंह निवासी (अन्तरिती) जे० 11/129 राजौरी गार्डन, नर्ष विल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,तो ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस्त्र से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनु सूच

फी होल्ड प्लाट नं ० 126 राजौरी गार्डन नई विल्ली जिसका क्षेत्रफल 363, 1/2 वर्ग गज है तथा जो निम्नलिखित प्रकार से विराहुआ है।

उत्तर: जयदाद नं० बब्ल्यू० जैंड 93ए दक्षिण: मकान प्लाट नं० 125 पर पूर्व: सङ्क 30 फुट चौड़ी गश्चिम: दूसरों की सम्पत्ति

> डी०बी० ला, सक्षम प्राधिकारी

संस्वयक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण** 

तारीख: 30 नवम्बर, 1973 अर्जन रेंज--1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

#### त्ररूप बाई० टी० एक० एस०--

भार अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, दिस्सी-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, मई दिल्ली।

तारीख

1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनपु०/एस० आर०/जुलाई/ 301 (31)/73-74/5931:---यतः, मुझे डी० वी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पाब जिसका उपवत बाजार मूल्य 25,000/-ए० से अधिक है और जिसको सं० (आधार भाग) 715, 716, व 718 है, जो जामा मस्जिव चायड़। बाजार दिल्ल. में स्थित है (और इससे उप बढ़ अनुसूच में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-मियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने के लिये सुकर बनामा;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अय, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तिमों अर्थात् :--- ाः श्री रवीन्द्र कपूर युद्ध श्री नोबिन्द संस्थ (अन्सरक) कपूर 14/51 सुभाष नगर नई विल्ली (अन्तरक) श्री सोहम्मद हुसैन पुत्र श्री अली हसन बी०-8

निजामुद्दीन पश्चिम नई विरुली ।

3. श्री मोहम्मद मिया 715, 716 व 718 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये एसद्-द्वारा कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेमों, बिद कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्वान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्वकर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो आयकार अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगी, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

आधार भाग तीन मंजिला जयवावा नं० 715, 716 तथा 718 जामा सस्जिव चावड़ी बाजार, विक्ली जोकि 218 वर्ग गज भूमि पर बली है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरी हुई है:

पूर्व : पक्तिक क्षेत्र क्षताङ्गी साजाण पश्चिम : जनकार्य र्ग० 714

उ**त्तर: पटिलक रोड चावड़ी बा**जार

दक्षिण: जयदाद नं० 719

ৱী**৽ শ্ৰী০ লা**ল

तारीख: 30 नवस्थर, 1973 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

मोहर: अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

्रीमकर अधिनियम, 1961 (1961 का<sup>3</sup>43) की धारा 269-घ (1) किं्अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 30 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यु०/एस० आर० 4/जून/25) (3)/73-74/5931—यतः, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है **कि स्थावर** सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 324 है, जो करायल नगर शाहबरा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 2-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का 16) के अधीन बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण 🕏 लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (भा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीम कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने वा उसके क्याने के लिए सुकर बनामा, और/या
- (च) ऐसी, किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्बाबाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिक्षितिस किए गए हैं। 4-356GI/73

अत : अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा |(1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- श्री लेखराम व हत्स राज पुत्रगणा श्री रव्यबीर निवासी गांव करावल नगर शाहदरा, दिल्ली। (अम्लरक)
- 2. श्री हुक्म चन्द गोयल पुत्र श्री गोकुल अन्द जे० ए०/55 डी०डी० ए० फ्लेटस अशोको विहार, वजीरपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति की अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्हारा यह अधितूषित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आहोपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आहोप किया है सथा सम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्दारा आगे यह अधिसूचिस किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीम सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होना।

स्वध्योक्षरण :---इसमें प्रयुक्त लग्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के बध्यान 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि **भ**सरा नं ० 324 जिसका क्षेत्रफल 1008 वर्ग गज **है तथा** गाव करावल नगर शाहदरा, दिल्ली में स्थित है।

> डी० मी० लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज----1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30 नवम्बर 1973



269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 30 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस०आर०-1/जुलाई/  $300(36\pi)/5931$ —यतः, मुझे डी० बी० लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० (आधा भाग) 715, 716 व 718 है, जो जामा मस्जिद चावड़ी बाजार दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीइल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुधरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह वि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच तय पाया गया ऐपे अन्तरण के निए प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

्अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

1. श्रीमती शाम कुमारी कपूर विधवा (अन्तरक) श्री गोविन्द सरूप कपूर 14/51, सुभाष नगर, नई दिस्ली। 2. श्री मोहम्मद हुसैन पुल श्री अली हसन बी०-8, निजामुद्दीन पश्चिम, नई बिल्ली।

(अन्तरिती)

3. श्री मौहम्मद मियां 715, 716 व 718

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्रारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूबवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवार्ड के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

आधा भाग तीन मन्जिला जयदाद नं० 715, 716 तथा 718 जामा मस्जिद चावड़ी बाजार दिल्ली जोकि 218 वर्ग गज भूमि पर बनी हुई है तथा निम्नलिखित प्रकार से घिरी है।

पूर्व: पब्लिक रोड, कबाड़ी बाजार। पश्चिम: जयदाद नं० 714 उत्तर: पब्लिक रोड चावडी बाजार

दक्षिण: जयदाद नं० 719

डी० बी० लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30 नवम्बर 1973

मोहरः

प्ररुप आई० टी० एन० एस०....

ब्यूपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156.सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनाक 26 नवम्बर 1973

निवेश सं० जेएनडी/960/73-74--यतः मुझे जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयंकर अधियनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है जो केरखेड़ी तहसील जींद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन-सार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सूकर बनाना,

और यतः, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1) (i) श्रीमतीनथो पुत्री श्री हेम राज
  - (ii) श्रीमती प्यारी पुत्रियां श्री सन्तू
  - (iii) श्रीम ी मानी गांव केरखेड़ी तहसील जीद
- (2) श्री मंगे राम पुत्र श्री नेकी गांव केरखोर्ड , तहसील जींद

·(अन्तरक)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो.--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में 'से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदब्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जो गांव करेखेड़ी, तहसील जीद में स्थित है, (जयदाव का रजिस्ट्रड डीड नं० 568, जून 1973 में तहसीलदार जींद ने किया)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 26-11-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) मोहर: अर्जन रेंज, चम्हीगढ। प्ररूप आई.०टी ०एन ०एस०-

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़। 156, सैक्टर 9-बी

चप्दीगढ, दिनाँक 29 नवम्बर 1973

निर्देश सं०सी०एच०डी०/1006/73-74---मतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगड़ नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 91 **है जो सैक्टर** नं० 16-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-सिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और मतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याबाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं। अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, भायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभितः :--

- 1. श्रीमती सुखंचरन कौर भाटिया पुत्री श्री सुरजीत सिंह भाटिया निवासी मकान नं० 91, सैंक्टर 16-ए चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. श्री बजीर जन्द अहुजा, मकान नं० 91, सैक्टर 16-ए जण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतड्-द्वारा कार्यनाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, गदि कोई हो, हो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **व ते**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यिश्व कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्क्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 91, सैक्टर 16-ए चण्डीगढ ।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगद्र ।

तारीख: 29-11-1973।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

नायां सय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, चण्डीगढ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ्, दिनाँक 26 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० टी० के०/935/73-74---यतः, मुझे श्री जी ्पी ि सिंह, सहायकर श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी संख्या जमीन है जो गाँव कलानौर तहसील रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार भ्रंन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए स्कर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही भुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

जतः जब, धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1. श्री भगवान दास पुत्र श्री कान्शीराम निवासी कलानौर तहसील रोहतक (अन्तरक)

- 2. (i) श्री रासाल सिंह े पुत्र श्री सूरता
  - (ii) श्री वैनी सिंह
  - (iii) श्री शमशेर सिंह पूत्र श्री अर्भ सिंह,
  - (iv) श्री मुहिन्द्र सिंह ) पुत्र श्री हिमियार
  - (v) श्री नापेर सिंह (
  - (vi) श्री रणबीर पुत श्री सामी राम
  - (vii) श्री मृहिन्द्र पुत्र श्री बलजीत,
  - (viii) श्री सुरेश पुत्र श्री वेद पाल,
  - (ix) श्री देविन्द्र पुत्र श्री चन्दर सिंह,

आर०/ओ० सनधाना

(अन्तरिती)

को मह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 -दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन गाँव कलानौर, तहसील रोहतक, जैसे कि रजिस्टीक्रत के विलेख नं० 2021, जुन, 1973 को सब-रजिस्ट्रार रोहतक के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगड़ ।

तारीख: 26 नवम्बर, 1973

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सेक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 29 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/1010/73-74——यत:, म्झे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चरडी गढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस० सी० ओ० नं० 54, सैक्टर 29-डी है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-य की उपधारा (1) के सुधीत-निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता, एस० सी० ओ० नं० 54, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

- 2. (i) श्री सरदारा सिंह श्रीमती राज कौर
  - (ii) श्रीगजेशवरसिंह समराला एडवोकेट (अन्तद्भिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान-कम-आफिर्स नं० 59 सैस्टर 29-डी, अण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वन्डीगढ़

तारीख: तारीख 29 नवम्बर

# अभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156 सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 26 नवम्बर 1973

निवेश सं० सी०एच०डी०/1013/73-74--यत:, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-वाजार मुल्य रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है जो एस० सी० ओ० नं० 84,सैक्टर 35, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में मारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अघिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भायकी बावत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

बौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये 書し

अतः अब, घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- । श्रीमती रूप कौर पत्नी श्री करनैल सिष्ठ महान नं० 54, सैक्टर 8-ए० ऐडवोकेट, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
  - 2. (i) श्रीमती सवरन कौर पत्नी श्री रधवीर सिंह ग्राम उड़ापुर तहसील नवांशहर जिला जलन्धर।
    - (ii) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री हरवन्स सिह गांव म्खियाना जिला होणियारपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद-में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदृहारा यह अधिसूचित किया जाना है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एस० सी० ओ० न० 84, सँक्टर 35, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगृह ।

तारीख: 26 नवम्बर, 1973

**आयकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्ट्र 9-बी

चण्डीगढ़, विनांक 26 नवम्बर 1973

पी • सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्धित बाजार मू**ल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन है जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण खप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिबित स्वक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री अगीर सिंह पुत भौला सिंह मोगा महिला सिंह (अन्तरकु)
- 2 (i) रामलाल पुत्र कीर चन्द,
  - ं(ii) श्रीतीरथ राम ]

पुत्न श्री राम लाल

(अन्तरिती)

(iii) श्रीवेद वसास∫

मोगा

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदबारा कार्यवाही शरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जी सकींगे।

एतव्द्वारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत्त किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त गब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के व्यव्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जभीन मोगा में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के निए विलेख नं । 1761 जूम 1973 को मन राजिस्ट्रार मोगा के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिह सक्षम प्राधिकारी, सहाधक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 26 नवम्बर 1973

धायकर सिधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-थी चण्डीगढ़, विनांक 27 नवम्बर 1973

निदेश सं० एल० डी० एच०/1207/73-74--- यत:, मुझे, भी जी०पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या पलाट है जो शेरपुर कलां तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति केउचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या
- (■) ऐसी किसी आय था किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सकर बनाना;

भौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सचीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 5—356GI/73

- श्री पाखर सिंह पुत श्री बेला सिंह ग्राम गियासपुर तहसील लुधियाना , (अन्तरक)
  - 2. श्री जगीर सिंह श्री हमीर सिंह श्री सुरजीत सिंह ग्राम भैनी दरेड़ा, जिला लुधियाना । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के किए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलाट ग्राम गोरपुर तहसील लुधियाना (जायदाद जिसका रिजस्ट्र श्री इनं० 2231 दिखलाया गया है जून 1973 में तहसीलदार लुधियाना ने किया)।

> जी० पी० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 27 नवम्बर 1973

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जण्डीगढ 156, सक्टर 9-बी चण्डीगढ, दिनांक 27 नवम्बर 1973

निर्देश स० एल०डी०एन०/1208/73-74---यत, मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर [आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से और जिसकी स० मकान न० 49 सनदीप नगर है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंध्याय 20-क के शक्दो में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, घारा 269-घ के अनुसरण मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन —

- (1)-श्री सतपाल सिंह यापर पुत्र श्री गुरवियाल सिंह, निवासी गुलमौर होटल, लुधिग्राना । . . (अन्तरक)
- (2) (1)श्री कृष्ण चम्द्र(11) (श्री जोगिन्द्रपाल पुतान श्री छजू राम निवासी नोहरीया मल बाग, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह भूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से 45 विन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मैं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पिल् के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आदोपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियंत, किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा, आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐँहैं व्यक्ति को, जिसे पूर्वकर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आधीर्ष की सुनवार के समय सुने जाने के लिए अधिकार हीगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पंदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में वधापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मकान न ० 49 साईड, गाहिलेवाल, सनदीप नग्र, लुधियाना जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न ० 2202, जून 1973 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

र्जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण.), अर्जन रेंग, कृत्वीग्रह ।

ता**रीव 27**-11-1973

मीहर:

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचर्ना

## भारत सरकार

हामलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ, 156, सैक्टर 9-बी

न्धण्डीगढ, दिनाक -27 नवम्बर 1973

निर्देश स० एस० की०एन०/1214/73-74--यत, मुझे श्री जी० पी,० सिह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन ं चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उर्जित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सख्या जमीन का दुकड़ा, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दुश्यमान **अंशि**फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सुँक वित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जान। चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अक्ष्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-काही:ब्रुक करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-च के अनुस्र्रण् में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन निम्निचित व्यक्तियो, अर्थात्:—

- (1) श्री हरकृष्ण सिंह, पुत्रं श्री हरबस सिंह, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) मैं० धीर ओर कम्पनो, थरु श्री बाल कृष्ण, सुधियाना। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितो को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त गड्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

लुधियाना में स्थित जमीन का टुकड़ा। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 2111, जून 1973 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह सक्षम<sup>ा</sup> प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीग**ऽ**

क्रिनाकः: 27 जायभ्वर 1973

मोहर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्योलय, सहायक आकयर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, 156, सैंक्टर 9-बी चण्डीगढ़, दिनांक 27 नवस्बर, 1973

निर्वेश सं०एल० डी०एन०/1386/73-74---यतः, मुझे जी० पी०सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षक अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क०से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट आफ लैण्ड है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जुन को पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुक्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग केअनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हरकृष्ण सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, लुधियाना। (अन्तर्क्)
- (2) मैं वीर और कम्पनी वर श्री वास कृष्ण, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्-द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए, तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड, लुधियामा । जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख मं 2146, जून 1973 को सब रजिस्ट्रार, लुधियाना के दफतर में लिखा है।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, चण्डीसङ्

दिनांक: 27 नवस्वर 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-धी॰

156, सैक्टर 9-बी॰ दिनांक 26-11-73

निर्देश सं० एल० डी० एच० /1379/ 73-74यतः - मुझे जी०पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट है जो शामसिंह रोड़ लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मण वास निवासी एच-294 भेजर शम्बू रोइ, सुधियाना । (अन्तरक) (2) मैंसर्स उत्तथान समती केन्द्र, डा० शाम सिंह रोड़, सिविल लाइन, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूजित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियस किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एसद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट जो डा॰ शाम सिंह रोड़, सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद का रजिस्ट्री डीड नं० 2875 जो जून 1973 में तहसीलदार सुधियाना ने किया है।

> जी० पी० सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़।

तारी**व** : 26-11-1973

6356

प्रकृष आई० दी० एन० एस०-

काचनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारते सरकार

बहायक आयकर आयुक्तु (निरीक्षण)का कार्यालय अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिसाक 1 दिसम्बर 1973 - ,

निर्देश सं० ए०सी० क्यूंण-23-I-68/1-1/73-74---यत:, भृष्टी, जैं० कथ्रिया, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का ्रधारा 2.69-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से अधिक है और जिसकी सं०एफ०पी०नं० 170, 171, सब प्लाटनं० 2, है, जो शेखपुर खानपुर, नवरंगपुरा, अहमदौबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे षुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में वास्तविक रूप से, कश्रित नहीं, किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुंकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिएं सुकर बिमाना ।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के कम्बों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाही शरू करने के कारण ंमेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

े अतः, अषं, धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपक्रेश (1) के अधीन जिम्मितिक व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती मधुरीबेन सुपुत्री श्री अमृतलाल मगनलाल परीख 25, स्वास्तिक सोसायटी, नहर्गमुराहर (अन्तरक) अहमदाबाद-9।

- ....(2) मैसर्ज प्रार्कलैंप्ड कारपोरेशन,
  - ्रा ४, ज्ञानकुष्, ्नबरंगपुर्ा, अहमदाबाद-१ ।

(अन्तर्रिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति साक्षेप, यदि कोई हो, ते :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है, कि इस स्थावर सम्मर्जि के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की. सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसते ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्मत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतत्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क से यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

शोखपुर खानपुर, नब्रह्रगपुरा, अहमदाबाद फायनल प्लाट न ० 170, 171, सब प्लाट नं० 2, खुली अमीन । क्षेत्रफल-404 वर्ग गंजा।

> जे० कथूस्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंत रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 1-12-1973 ।

्<sub>0</sub> मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस७ 🛶

भिषे**श्वरंगक्य अधिनियम, 1961 (1961 का:43) की धारा** 269-**व (1) के अधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1

<sup>-</sup>अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1973

निदेश स० ए० सी ॰ स्यू ० - 23-I - 69/1-1/73-74---यत , मुझ्ली जे० कंपूरिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं एफ पी नं 170, 171, सब प्लाट नं 3 है, जो शेखपूर खानपुर, नवरंगपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदांबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 21-6-73 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजा रोमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए रॉजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित अद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

्य, और यहः आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्य शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की अपभारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुरीला बेन सुपुत्री श्री अमृतलाल मगनलाल परीच 25, स्वास्तिक सोसायटी, नवरंगपुर,

अहमवाबाद - 9। (अन्तरक)

<del>(2)- भीप्रद्री कंचनबोत यासिककात्र</del> शाह श्रीमती उषाबेन म्रतकुमार शाह 13: ज्ञामकुंज: नवररेगपुरी, अहमेवाबाद- 9 i (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्रुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पर्तन के अर्जन के प्रति इस सूजना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निम्नत किए जाएंगे और उसकी सुचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हुए ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेणों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर े अधिनियम, 1961 (1961 की 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ज नुसूची

शेखपुर कामपुर, नवरंगपुरा, अहमदाबाध, कायनल प्लाट नं । 170, 171, सब प्लाट नं ० 3, खुंसी जमीने । क्षेत्रफल — 406 वर्गगज ।

> ज़ि० नंपूरिया सक्षम प्राधिकारी, सहायम- वायकर वायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-1

वा**रीख**ः 1<sub>7</sub>12-1973

भहेमदानाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा

269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज

लखनऊ, दिनांक 27 नवम्बर 1973

निवेश सं 34 वी-अर्जन-यतः, मुझे, एस० सी० बहल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. धारा यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 336-337 है, जो ग्राम पिपलगंवा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने के लिए सुकर, बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री अमरनाय

(अन्तरक)

2. बलदेव सिंह

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतड्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 47 बीमा 2 विस्वा जोकि ग्राम पिपलगर्ना जिला नैनीताल में स्थित है।

> एस० सी० **वहस** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्ष**ण) अर्जन रेंज, स**खनऊ**

सारीच: 27-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज सखनऊ, दिनांक 27 नवम्बर 1973

निर्देश मं० 19 जी०-अर्जन-स्यतः, मुझे, एस० सी० बहुस, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज. लखनऊ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 130 है, जो ग्राम नन्दपुर नरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय काशीपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) उसमान खां

(अम्तरक)

(2) जगन सिंह और अभ्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समात्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 86 बीघा 19 विस्वा जो कि माम नन्दपुर नरला, जिला नैनीताल में स्थित है।

> एस० सी० बहल, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 27-11-73

मोहर ;

6-356Q1/73

प्ररूप आई० टो० एन० एस०---

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सुचना

#### भारतं सरकार

कामलिय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज लखनऊ, दिनांक 27 नवम्बर 1973

निदेश सं० 33 बी०-अर्जन---यतः, मुझे, एस० सी० बहुल तहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और में और जिसकी सं० 22-23 है जो ग्राम गंगापूर स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रति-ज्ञत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना : और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर **कधिनियम** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की रुपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेन्द्र सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह

(अन्तरिती 🌤

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पथ्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषिक भूमि 32 बीचा 1 त्रिस्वा जी कि ग्राम गंगापूर, जिला मैनीताल में स्थित है।

> एस० सी० बहल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 27-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

सखनऊ, दिनांक 26 नवस्बर 1973

निदेश सं० 18 जी०-अर्जन-यतः, मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 571, 381, 430, 434 है, जो ग्राम उदयपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-73 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिकत व्यक्तियों, अर्थात:— 1. श्री अमरीक सिंह

(अम्सरक)

2. श्री गुरदयाल चन्द और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतंद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतवृक्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 24 बीघा 5 विस्वा जो ग्राम उदयपुरी, जिला मैनीताल में स्थित है।

> एस० सी० बहुल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 26-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

**माम**कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ**(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ दिनांक 26 नवम्बर 1973 ·

निदेश सं० 9 सी०-अर्जन-यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, लखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रू० से अधिक है और जिसकी सं० 39 से 44, 46, 49, 56 57 है, जो ग्राम मंगलार में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के अधीन 4-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति **उचित** बाजार मृल्य से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अन, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:----

1. श्रीमती पार्वती देवी (अन्तरक)

2. श्री चन्द्रा वल्लाभ और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 23 बीघा 8 विस्वा जोकि ग्रांम मंगलार जिला नैनीताल में स्थित है ।

> एस० सी० बहल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 26-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कार्यालय लखनऊ, दिनाक 26 नवम्बर 1973

निदेश सं० 3 म्राई०-ग्रर्जन---यत , मुझे एस० मी० बहल निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायकत ग्रर्जन रेंज लखनऊ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है **कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार** मूल्य 25000 से अधक है और जिसकी स० 3-14/1, 18/1 है, जो ग्राम चादयन में स्थित है (ग्रौर इससे (इससे ,ुउपाबद्ध ग्रनुसूची के श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री नवराज

(भ्रन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पक्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः—इसमे प्रयुक्त मब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 50 बीघा 2 विस्वा जीकि ग्राम चादायन, जिला नैनीताल में स्थित है।

> एस० सीः० बहल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 26-11-73

6404

प्ररूप आई० टी० एन∙ प्स∙.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, श्रजैंन रेंज कार्यालय लखनऊ, दिनोक 26 नवम्बर 1973

निवेश सं० 43-एस० मर्जन--यतः, मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर ब्रायुक्त , ब्राजीन रेंज, लखनऊ आयकर अधिनियम, (1961 का 43) 1961 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका मुल्य 25000-্ত से अधिक उचित बाजार ग्रीर जिसकी सं० 127 है, जो ग्राम बकैनिया में स्थित है। (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काणीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शम्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:---

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री वरमेश्वर तिवारी
- (ग्रन्सरक)

2. शंकर पाल तिवारी

(ग्रन्स(रती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

**उक्त** सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भूमि 62 बीघा 5 विस्वा जोकि ग्राम बकैनिया, जिला नैनीताल में स्थित है।

> एस० सी० बहल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस० : : : : :

अर्थिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण कार्यालय, काकीनाडा, दिनांक 27 नवस्वर, 1973

सं ग्रार ए० सी जे नं I (1284) / 73-74---यतः, मुझे, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के बनुसार है जो Guntur, Kanchekacherla Medarametla Vellampalli and Kan-

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गन्ट्र में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शक्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. M/s. K. S. Subbaiah Pillai & Co., (India) Private Ltd., represented by it Managing Director Sri K. S. Subbalah Pillai, 103, Puruswalakm High Road, Madras-10,

M/s. Maddi Laxmaiah & Co.. Ltd., represented by Managing Director Sri Maddi Laxmaiah, Chilekalurpet, Narasaraepet Teluk.

(अम्तरिती)

\*3. Union ank of India, Post Box No. 131, Guntur-3. (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों, तो :---

- (क) इ.स.सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों किसीव्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में भिए जासकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसृषित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सुचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 भग 43) के अध्याय 20-श में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

LAND AND BUILDINGS INCLUDING PLANT AND MACHINERY AND OTHER THINGS SITUAT) AT:
1. Door No. 15-13-79, Mangalagiriraod, Survey No. 494, Municipal Asstt. No. 14236, 22, 455.27 Sq. Mtrs. Guntur Town-Guntur Municipality,

2. Door No. 97, Survey No. 15/1 Asst. No. 255 Ongole-Guntur Road. Vellampalli village—Vellampalli Panchayat—12,221.5 Sq. Mirs.

3. Door No. 13-153, Survey No. 910, Asst. 1308, Hyderabad—Vijayawada Trunk Road, Kanchakacherla Panchayat—Kanchakacherla Village—4,046 Sq. Mtrs.

4. Door No. 86, Survey No. 721/C-1, Asst. No. 645—Ongole-Guntur Trunk Road, Medarametia Panchayat—Medarametia village—17,057.46 Sq. Mtrs.

5. Door No. 41/24 to 41/29—Asst. No. 861 and 3087, Survey No. 892/4-3, Pamuru-Kandukuru Road, Kandukuru Panchayat—Kandukuru—12,261.89 Sq. Mirs.

के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजॅन रेज. काकीनाडा

तारीख : 27-11-73

मोहर:

(अन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— का 43) की धारा आयकर अधिनियम 1961 (1961 269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक स्राथकर स्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय काकीनाडा, दिनांक 26 नवम्बर 1973

सं० श्रार० ए० सी० जे० नं० I (1280)/73-74---यतः, मुझे, के० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से अधिक ग्रौर जिसकी सं० दरवाजा नं० 1-6-1 रिंग रोड, है जो गन्ट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गन्ट्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-6-73 को पुक्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए भुकर बनाना; और या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. M/s. Chebrelu Hanumaiah, Guntur,

अन्तरक

2. M/s. Chebrelu Hanumaiah & Bros. Private Ltd., अन्तरिति

\*3. M/s. I. L. T. D. Co. ∘वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप,यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदृद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा :

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

Guntur district—Guntur sub-district—Koritipuda village—Guntur Municipal area—Door No. 295/A, 295/B—Door No. 1-6-1, Total site—Ac, 5.84 cents—Municipal Asst. No. 601. BOUNDRIES FOR BUILDINGS, GODOWNS, HALIS AND

Item (A)
Door No. 295/A Ac. 2.00 cents
East: Municipal Road

Page No. 295/R Mol

South: Door No. 295/B Moparthy Bhaskararao etc. sites

West: Same No. (B) item site North: Boddupalli Venkata Subbarao etc.

Item (B)

Door No. 295/A Ac. 1—09 cents East: Same No. (A) item site West: Gurraa China Venkataswamy etc.

North: B. Subbaraidu etc.

Item (C)
Door No. 295/B Ac. 2-75 cents East : Same property, M. Bhaskararao

South : Polimera Donka, West : Municipal Colony site, North: (A) site, M. Bhaskararao

के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 26-11-73

मोहर:

\*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 108/73-74---यत:, मझे, एस० बाल सुब्रमन्यम आयकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० बी०/312, विकटोरिया पेटा है, जो जो अदोनी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1902 का 16) के अधीन 4-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है 🚈

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर वेने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर अनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब , धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात्:— 7—356 GI/73  श्री जानटेनीयल सुपुत्र श्री पृत्रपरतनम विकटोरियागेटा, अदोनी

(अन्तरक)

 श्री वीरातुदश्या स्वामी, कभीणन मरचेन्ट्स, विक्टोरियापेटी अदीनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसृची

सम्पत्ति :—नं० XVII /91, नये नं० एस० वी०/312, विकटोरियापेटा, अदोनी, विस्तीरन 8052 वर्ग पीटस ।

एस० बाल सुब्रमन्यिम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-11-73

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269(घ)(1) के श्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1973

109/73-74---यतः मुझे, एस० वाल सं० आर० ए० सी सुक्रामन्यिम, आयकर आयुक्त अर्जन, लखनऊ आयकर अधिनियम, (1961 का 43) 1961 की 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका $^{\prime}$  उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/53 कदरी है, जो अन्नतापुर में स्थित है, (और दससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कदरी मे भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उंचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रिवियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 के० गोपालाऋिशनय्या गुप्ता, एम० जे० मारकीट, कदरी, अन्नतापूर-11 2. एम० असवरतः नारायनप्पा,

नं∘ 113/53, एम० जी० मारकीट, कद**री**र. (अंतरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियक्ष किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्तिः — वार्डं नं० 5 दरवाजा नं० 53 और पुराना नं० 3, वार्ड-दरवाजा नं० 28 कक्षरी एम० जी० मारकीट, कदरी अन्सतापुर जिला, विस्तीर्ण 215 वर्ग यार्डसः ।

> एस० बाल सुत्रमन्यम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-11-73

मोहर:

अंतरक मो

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 110/73-74---यतः, मुझे, एस० बाल सुत्रमनियम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 199.2 वकरकृत्टला है, जो कदरी मे है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कदरी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजि-स्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- दी० धी० चेन्नामा, वंकरकुन्ठा केदा,
   कदरी, अनन्तापुर जिला। (अन्तरक)
- श्री अकुरेठी, गंगी रेड्डी, बसी रेटी पल्ली कदरी, अन्नतापुर।

(अंतरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) है अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति :--जीरात जमीन सखे नं ० 199. 2, 13. 72 और 5. 12, 3. 12 एकर्स, वंकरकुन्टा केक्षा, कवीरी, अन्नतापुर।

एस० बाल सुक्रमन्यम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 30-11-73

6410

प्ररुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनाक 22 नवम्बर 1973

निर्देश सं ० जे ० - 3/73 (13) 34/90-- यत: मुझे एम० सी ० पराशर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं • प्लाट की जमीन है जो जयपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1973, जुलाई 5 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

 श्री जयेन्द्र सिह पुत्र स्वर्गीय राव राजा श्री सरदार सिह आफ उनियाल बहै सियत खुद व बहै सियत कर्सा खानदान (अन्सरक)  श्री केसरी चन्द नवलखा पुत्र स्वर्गीय श्री स्वरूप चन्द्र जी नवलखा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्क
  किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो पुलिस मेमोरियल के पास नारायण सिंह रोड (गोविन्ट मार्ग) पर स्थित है। बेची गई सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है।

> एस० सी० पराणर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**क्**त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 22-11-1973

मोद्धर:

(जो लागू नुहो उसे काट वीजिए)

प्रस्प प्राई० टी० एम० एस०..... श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

> सह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज, भोपाल

> > भोपाल, दिनांक 28 नवम्बर 1973

निदश सं० सब रिज०/ग्वालियर/30-673--यत , मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 174 है, जो अस्पताल रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन 27 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार अन्तरित की गई है ग्रौर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; ग्रौर/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर श्रिधनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

ग्रीर यतः प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) क श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरेद्वारा ग्रिभिलिखित किए गए हैं।

अतः श्रव, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर श्रधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:---

1. श्री विट्ठल गोविन्द रागणेकर आत्म श्री गोबिन्द दत्तात्नय जी रांगणेकर, गाकिन—222 पूले बांग सदाशिव पेट पूना-30 (महाराष्ट्र) (अन्तरक) 2. श्री किशन लाल जी झांम अत्मज श्री भगवान दास जी झांम निवासी——कलारी वाली गली, लोहिया बाजार लश्कर, ग्वालियर-1 (म० ए०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए एतद्ग्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45, दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह श्रिधसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे ग्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, नो भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ने ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं 174 (नया) जो कि लाइट हाऊस का नाला ह नं 28, ब्लाक न 3, अस्पताल रोड लाक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> एम० एफ० मुन्छी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

तारीखः 28 नवम्बर 1973 मोहरः

(जो लागृन हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.... ... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 नवम्बर 1973

निर्देण स० सब रिज०/जबलपुर/15-6-73---यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या अनुसुची के अनुसार है, जो लार्ड गंज वार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाय गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १69-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

श्रीमती कान्ती बाई जैन पत्नी श्री बाबू लाल जैन सा० मेसर्स जैन बेल्डिंग वर्न्स लाई गंज वार्ड, पुरानी चरहाई, जबलपुर (म० प्र०)
 (अन्सरक)

2 (i) श्रीमती शान्ती बाई जैन पत्नी श्री बाबू लाल जैन (ii) श्री बाबू लाल जैन पुत्र श्री अबीर चन्द जैन सािकन—द्वारा बौम्बे साही भण्डार लार्ड गंज वार्ड पुर्ानी चरहाई, जबलपुर (म० १प्र) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्रारा –
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 60, 60/1, 61, 61/1, और 61/2, तीन मंजिला मकान, जो कि पुरानी चरहाई, लार्ड गंज बार्ड, शहर जबलपुर में स्थित है ।

एम० एफ० मुन्धी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखाः 28 नवम्बर 1073

मोहर :

(ओ लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1973

निर्देश सं ० ए० सी० क्यू० 23-1-67/1~1/73-74---यत<sup>.</sup>, मुझे, मुक्ते, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ़ायनल प्लाट नं० 746-5, टी० पी० एस० न० 3 है, जो मादलपूर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 16), के अधीन 25 जून 1973 का को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- श्री चन्द्रकान्त रणछेडलाल ठकुर बगला न० 23, अशोक नगर मोसायटी सरखेज रोड, एलिसक्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्री बालु भाई डाह्मा भाई ब्रह्मभट श्रीमली शारदाबेन बालुभाई ब्रह्मभट श्री ठाकुर भाई बालुभाई ब्रह्मभट श्री विनोद कुमार बालुभाई ब्रह्मभट कुमारी शोभनाबेन बालुभाई ब्रह्मभट दीपिका सोसायटी, डफनाला के पास, शाही बाग, अहमदाबाद-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसनें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ़ायनल प्लाट नं० 746-5, टी० पी० स्कीम नं० 3, मा**द**लपूर, अहमदाबाद-1 जमीन क्षेत्रफल——600 वर्गगज (सकान सहित) । जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 29-11-1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

बैंगलूर, दिनाक 1 दिसम्बर 1973

निर्देश स० के० आर० 62/1431/73-74/(एसीजी (बी०) वी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगल्र आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० धुली जगह न० 45/2 है, जो रेस कोर्स रोड, बैगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण च्प से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलुर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (अन्तरको) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री पी० सी० समपत न० 1, जे० सी० रोड, बैंगल्र (अन्तर्का)
- 2 श्रीमती प्रभा डी०/ओ० श्री निगल अयनगार नं० 1187-ए० टी० ब्लाक, 35 क्रांस जयनगर, वैगल्र-11 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एदव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पध्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त ाज्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जगह नं० 45/2, रेस कोर्स रोष्ठ, बैंगलूर-1

. वी० माधवन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,) अर्जन रेंज, बैंगल्र

तारीखा 1 विसम्बर 1973 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधील सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बैगलुर, दिनाक 1 दिसम्बर 1973

निर्देश सं ६ सि॰ आर० 62/1436/73-74 एक्यू (बी॰)--यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ऋधिक है और जिसकी सं० खुली जगह नं० 5 ए है, जो राजमहल विलास एक्सटेनशन बैंगल्र-6 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची और पूर्ण स्व से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 जन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिक्रों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया बया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

ब्द्धः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री एम० ए० श्रीनिवासन, 'तरन्य' राजमहल विक्रास एक्सटेनगन वैगलूर-6 (अन्तरक)
 8—356 GI/73 2 मैसर्ज भिक्त कन्सट्रक्शन्स प्रतिनिधि श्री एन० ए० रामित्रिण्या नं० 1, 11 क्रास रोड, कब्बनगेट, बैंगल्र (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्कारा आगे यह अधिसूचित्र किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्त्ती पैरा के अक्षीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

खुली जगह नं० 5-ए० जो राजमहल विलास एक्स नभन बैगल्र-6 में स्थित है ।

> बी० माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीख: 1 दिसम्बर 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अघीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, का कार्यालयः अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-13/16-6/73-74--यत , मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है है, जो राजेन्द्र प्रसाद रोड, चौधरी और जिसकी सं० डाई स्कूल के समीप, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 जून 1973 को पूर्वीक्त के उचित आजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिति (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नरसी डाया, श्री किमोर नरसी, श्री चन्दूलाल नरसी भागीदार मैसर्ज नरसी डायाभाई, एण्ड कम्पनी, 28/43, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट (अन्तरक) 2. श्री छोटालाल कान ती राजा, श्रीमती हीराबेन छोटालाल राजा, श्री प्रकाश बाबू छोटालाल राजा, श्री वसन्त कुमार छोट्युलाल राजा, गाव छाया, बरास्ता पोरबन्दर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्रारा यह अधिसूचित किया जाता कि इन स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पव्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान जो राजेन्द्र प्रसाद रोड पर, कौधरी हाई स्कृल के समीप, राजकोट में स्थित हैं । जमीन क्षेत्रफल---195-1 बर्ग गज ।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 3 दिसम्बर 1973 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, अर्जन रेंज-2 दिल्ली-I

नर्ड दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर, 1973 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/5945---यत:, मृक्षे सी० वी० गृष्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-15 है, जो जंगपुरा एक्सटेंन्शन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का '16) सम्पत्ति के उचित अधीन 6-6-73 को पूर्वीक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्तः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षांनि निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 सर्वश्री (1) रूप चन्द पुत्र स्वं० श्री रघुनाथ राय निवासी 1-एफ०/132, लाजपत नगर, नई दिल्ली

> (2) लक्षमन दास, (3) सूरज प्रकाश (4) गिरिश कुमार (5) श्रीमती शीला वेवी

(6) श्रीमती कमला देवी (अन्तरक)
2, डा० हरी गोपाल चोपड़ा पुत्र श्री रिशी राम
चोपड़ा, निवासी बी०-15, जंगपुरा
एक्सटेंग्शन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई हैं, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, ओ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जायदाद नं० बी०-15, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली क्षेत्रफल 185 वर्ग गज जो कि निम्न प्रकार से है:

पूर्व में : क्यार्टर नं० 16 उत्तर में : लान पश्चिम में : खुला दक्षिण में : लैन जो कि जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली में सभी अधिकारों से बना हैं। सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3 दिसम्बर, 1973

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाक 3 दिसम्बर, 1973

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/73+74/5945---यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र० से ग्रधिम है और जिसकी सं० 6/77 डब्ल्यु० ई० ए० हैं, जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्यं से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्धोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नही कियागया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकुर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण मे, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपघारां (1) के अधीन निर्म्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमिति निरंजन कौर पत्नी श्री गूर्यकोन सिंह निवासी 6/77, डंडल्यू० ईं० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्सरक)
- 2 श्री मोहिन्दर सिह पुत्र श्री माला सिंह निवासी 6/77, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग,

नई दिल्ली। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए एंतेंबुद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल मे प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पक्तिं के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदिः कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियतः किए जाएंगे और उसकी सूचमा हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेंगी।

एतब्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्वधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है; आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यधापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

एक ढाई मजिली इमारत जो कि लीजहील्ड अधिकारो सहित 234.22 वर्ग गण जमीन पर जिसका नं० 6/77 डब्स्यू०ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

> उत्तर गली दक्षिण : गली

पूर्व : जायदाद नं० 76 पश्चिम : जायदाद न० 78

> सी० बी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेजे-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 3 दिसँग्वरं, 1973 मोहर: प्ररूप ऑईं० टीं० एनं० एसं०..... आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) की कार्याक्षय अर्जन रेंज, नई दिल्ली,

दिनाक 3 दिसम्बर, 1973

निदेश सं अाई० ए० सी ०/एक्य ०/11/73-74/5945--यत: मुझे सी० बी० गप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-६० से और जिसकी सं० ए०-287 है, जो डिफेन्स कालीनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्जिस्ट्रीकैंसी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरणे अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धीन 12-6 1973, मई, की पूर्वावित संम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरंकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्णित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अवं, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1981 (1961 का 43) की धारा 269 -घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नोलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः—

 विनित नारायनहम्स पुत्र श्री सुन्दर नारायन हक्सर निवासी II, ईस्टरम एवैन्यु, महारानी बाँगै, नई विल्ली। (अस्तरक)

- श्रीमती बिमली बिज पर्तनी श्री मोहन प्रकाशि
   श्री सुनील बिज पुत्र श्री मोहन प्रकाश,
   निवासी ए०-287 डिफेन्स कॉलौनी,
   नई दिल्ली।
   (अन्तरिती)
- 3. मैं० कटिवाल कारपोरेशन मिरजा इश्माईल मार्ग (राजेश गैरेज के सामने) जयपुर (2) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री मीहन लाल, हारा मैं० ईन्टरनेशनल कोरपोरेशन एलाईन्स 43,फैन्ड्स कालौनी, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसकें अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 सुन्वर नारायन हक्सरजरनल अटारनी, 11, ईस्टरन एवैन्यु, महारानी बाग, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पंति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्रारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिभ की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख') इस सूंचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अर्न्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएंजा संकेंगें।

एसद्देशरां यहं अधिसूचिस किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रीति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपीं, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियंत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेपीं किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतक्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक छाई मजिली इमारत जो किलीज होल्ड पर 217 वर्ग गजमे जिसका नं०ए०-287 बनी है जो कि डिफीन्स कालौनी नई दिल्ली मे सभी अधिकारों समैत है।

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी संहोधिक ऑयक्टर अस्तुक्त (मिरीक्षिण) अर्जैन रेंज, नई दिल्ली ।

तारीख: 3 विसम्बंर, 1973

मोहरी

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 29 नवम्बर, 1973

निदेश भाग IX /7/7/73-74--- यतः, मुझे के० वी० आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, थह विखास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं० 36 है जो हर्स्स रोड, वेपेरी मद्रास में स्थित है । (और उससे उपाबद्ध अनुसूची के और पूर्णक्ष से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूरव मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) कें अधीन 20-6-73 को पूर्वीकत उचित बाजार मूल्य से कम को दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विशेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुण्य बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के धारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

श्री के० रत्नसन्नापित व के० रामचन्द्रन (अन्तरिक)

श्री एम० आर० महमद इषाक
 एम० आर० महमद इस्माइल
 अब्दल रहमान (अन्तरिक्ति)

3, श्री एम॰ यूसुफ बाई गार्सट ड्राई० क्लीनसं, रत्नम एण्ड को (वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में सम्पत्ति ह)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्ब्रारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई हैं आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

आर० एस० सं० 857, ओ० एस० सं० 802, 36, **डण्टर्स रोड,** वेपेरी, मद्रास मे 4 ग्रोण्डस 420 स्क० फी० का मकान और <mark>खाली</mark> भृमि ।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास।

तारीख: 29-11-73

मोहर 🚁

प्ररुप आई• टी० एन० एस०-

अप्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269घ(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज अमृतसर

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर 1973

निदेश सं XVI/24/6/73-74---यत:, मुझे के० बी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपमे से अधिक है है, जो कन्तेरी गांव, कुमारपालयम् तालुक और जिसकी सं० सेलम डिस्ट्विट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमार-पालयम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1973 को पूर्वीचित सम्पत्ति के उचित से कम ने मुल्य दुश्यमान रजिस्ट्रीकृत विलेख ने अनुसार के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक 🖁 भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित बद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कवित नही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की नावत ग्रायकर अजि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अपने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए जा, कियाने के लिए सुकर अमाना;

और यत: आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्वाय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ब-वाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:——

- (1) श्री नाच्चिम:क्त गोण्डर . सन्नरानियम ! (अन्तरक)
- (2) धीसनी समीरण (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां णुरू करता हैं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्कारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्पक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

का भूमि और मकान जो कसेरी गांव, कुमारपालयम सेलम में स्थित है।

के० भी० राजन,

ता**रीख** 29-11-1973

मोहरः

सक्षम प्रक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर । प्ररूप माई० ठी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुषना

### भारत सरकार

कार्मात्रय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1

## मुद्रास

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर, 1973

निदेशसं ०X/12/9/73-74--यत ,मुझे के०धी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 20, है, जो गोकले रोड, चित्र चोक्कीकुलम, मव्रै - 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्शलय, तल्लाकुलम में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वुश्यमान प्रतिफल के लिए विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनामा; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; ौर यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री एल० ब्रालचन्द्रन,

(अन्तरक)

- (2) श्री डाक्टर टी० राजगोपाल
- (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की त्क्रमील से 30 ब्रिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्लाध्वरी के प्राप्त किश्विक में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेत्रों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जामेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सभा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हूर ऐसे इसकित को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अस्थोफ़ों की सूनकाई के समय सूने जाने के जिए अधिकार होगा।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आसक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्ध्य होसा, जो एस अध्याय में दिमा गया है।

## क्रमची

पुराना सर्वे वार्ष 10, नया सर्वे वार्ष 7, ब्लाक 29, पुराना सर्वे नं 27/1, नया डोर सं 20, गोकले रोड चिक्र चोक्कीकुलम मदुरै में 9292 एक फी० का मकान और खाली भूमी। (टी० एल० सं० 904/1)

(के० की० राजन) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

**हारीख: 9-11-73** 

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1 म∄ःस

मद्रास, दिनांक 29 नवस्बर, 1973

निदेश सं **o** XXI/15/10/73-74-यत. मुझे, के० त्री० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सज्ञम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- न्पए से अधिक है और जिसकी संख्या 22/7, रेड्डियप्प मुदली स्ट्रीट, कोसपेट्ट वलूर है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री सी॰ कृष्णामूर्ती **श**ा (अन्तरिती) 9—356GI/63 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियो णुरू करता हु।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती परा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अधै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

होर मं० 22/7, रें। इयप्प मुदली स्ट्रीट, कोसपेट्टै, वेलूर टोन में 8500 स्क० फी० का मकान और खाली भूमि।

> के० बी० राजन, र्रुंसक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख :29-11-73

भोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० -

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भद्रास

मद्रास, दिनांक 29 नवम्बर 1973

निदेश सं० XVI /2 4/7/73-74-यत , मुझे के० बी० राजन आयक्षर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू० से है, जो कसेरी गांव, अधिक है और जिसकी सं० कुमारपालयम सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन एर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख, प्नी िसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही मुरू करने के कारण मेरे बारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर भिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री नाच्चिमुत्तु गोण्डर सुन्नमणियन (अन्तरक)

(2) श्रीमती संन्तानलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियल किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कत्तेरी गांव, कुमारपालयम, सेलम में स्थित निम्नलिखित सर्वे सं० में आधा भाग ।

247/1--2.27 एक्से 229/14--1.15 एकसे 248/1--7 55 एकसे 249/2--0 17 एकसे

> के० की० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 29-11-73

अर्जन रेज, मद्रास

प्ररुप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) की अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 विसम्बर, 1973

निदेश सं० X, /12/19/73-74---यतः मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्राना टी० एस० सं० 900/132, और 906 नया टी० एस० सं० 906/1 2 है, जो सरोजिनी स्ट्रीट, चिन्न चोक्कीकुलम में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकूलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 30-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ही० के० राज् (अन्तरक)

(2) भी बी • मृत्तूक्ष्णरन (अन्बरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 37 कि जा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पुराना सर्वे वार्क सं० 10 नया वार्क सं० 7, पुराना टी० एस० सं० 900/132 और 906 नया टी० एस० सं० 906/1 2 (भाग) में सरोजिनी स्ट्रीट, चिन्न चोक्कीकुलम, मदुरै में 6325 स्क० फी० का खाली भूमी।

के० वीर्ुराजन, सक्षम प्राधिकारी:

तारीख: 3-12-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर: अर्जन रेंज-1 मद्रास, प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, - J महास-600006

मदास-600006 दिनांक 3 दिसम्बर 1973

निदेश सं० X/12/20/73-74—यतः, मुझे, के० त्री० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-ह्मये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 12/1, पद्वा सं 143 है, जो बीबीकुलम गांव. मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबत में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का -16) के अधीन 11-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्दीकृत विलेख के अनुगार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मह्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री एम० ए० विनायकमर्ती
- (अन्तरक)
- (2) श्री वी० वी० सैयद महमद राकृत्तर, श्रीमती विस्तात वीवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वत्रर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

आर० एस० सं 12/1, पट्टा सं 143, बीबीकुलम गांव, मुदरैं मे 32 सेंटस का खाली भूमि ।

के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्रास

नारीखाः: 3-12-1973

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास 600006

मद्रास, 600006, दिनांक 3 दिसम्बर 1973

निदेश सं० X/12/21/73-74 $\rightarrow$ यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के श्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 886 भाग टी० एस० सं० 884-1-ए (भाग) है, जो चिन्नचोक्कीकुलम, मद्रौ में स्थित है (और इससे उपाबत में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकूलम में भारतीय रजिटीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिये रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भ्रौर यह कि ग्रन्तरक (भन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
  को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कें
  (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
  (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
  (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
  प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
  था, खिपाने के लिए सुनर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री एम० अझामले
- (अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० मनोन्मनी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों. की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पुराना सर्वे वार्ड 10, नया बार्ड 7, ब्लाक 27, पुराना टी० एस० सं० 886 (भाग), नया टौन सर्वे स० 875 (भाग) में 2811 स्क० फी० और पुराना टौन सर्वे सं० 884/1ए(भाग) प्लाट सं० 3, नया सर्वे सं० 890/3 (भाग) में 3891 रू० फी० के खाली भूमि और मकान ।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिका**री**¶

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारोड: 3-12-73

अर्जन रेंज,I मद्रास ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, अर्जन रेंज, मद्रास

## दिनौक-3 नवम्बर-1973

निदेश सं० 10/14/73-74—यत. मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4, है, जो वेस्ट मारेट स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 19-6-73 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित

को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और ब्रियतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एम० पी० अध्दुल हमीद (अन्तरक)
- (2) श्री के० जी० राजन (अन्तर्रेरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतत्द्वारा यह अधिसृचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐस व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएंगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्वेयर्ती पैरा के अधीन सचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

पुराना सर्वे बार्ड सं० 5, नया बार्ड सं० 14, टी० एस० सं० 474/1, में 4 वेस्ट मारेट स्ट्रीट, मधुरै में 3683 स्क फी० का मकान और खाली भूमि ।

के० बी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास-1

तारीख: 3-12-73

प्ररूप, ग्राई० टी० एन०एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज नई दिल्ली,

दिनांक 4 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/6012--यतः, मुझे, सी० वी० गुरते सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11 है, जो कालका जी, नई 14 स्थित है (और इससे उपाबद में रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अनुसूची में पूर्व अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ता सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना;

और यत: आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री लाजपत राथ खन्ना पुत्र श्री धर्म चन्द खन्ना, निवासी 4/7, कालकाजी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कंलाण रानी पत्नी श्री राम धन द्वारा मैं० राजिन्दर स्टील कार्पोरेणन, लोहा मन्डी, मोतिया खान दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्तिं के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं ० 11/14 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि निवासी कासोनी कासकाजी, नई दिल्ली में हैं।

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 4 दिसम्बर, 1973 मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 11/73-74/6012--यत: मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ्धारा 2.69 खा के अधीन सक्षम प्राधि-यह विश्वास करने का कारण कारी को, ভিষ্ব स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृल्य 25000/-से अधिक है और जिसकी नगर, नई दिल्ली 1-0/34ए है, जो लाजपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर यनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती सोमवन्ती पत्नी श्री सुन्दर दास द्वारा प्रेजिडेन्ट होटल, 4/23 आसफअली रोड, नई दिल्ली श्री (अन्तरक
- (2) श्री बीठ डीठ मलहोता पुत्र सीठ डीठ मलहोता निवासी मठ नं 9 छोटा मोहल्ला दिल्ली गेट के अन्दर गाणियाबाद (उठ प्रठ)। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्हारा कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

> सी० बी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2. दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5 दिसम्बर, 1973

प्ररूप जाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय अर्जन रेंज दिल्ली:-1

नई दिल्ली, दिनाक 5 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/11/73-74/6012--यत: मुझे सी० त्री० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/~ से मृत्य Ŧο और जिसकी संब 6/63 है, जो उब्ल्युव ईव एव कालोनी, करोल वाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के फार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बीच** तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से फथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं। असः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1)

(1) सर्वश्री ग्ऐपाल धास (।।), वासदेव और (3) ईश्वर चन्द सभी पुत्रगण सर्वे श्री परमा नन्द निवासी में० ने० 6/63 डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग. नई दिल्ली (अन्तरिकी) 10 —356GI/73

के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

(2) सर्वश्री कस्त्री लाल टंडन (11) बनारसी लाल (111) मनोहरलाल (4) जोगिन्दर लाल टंडन सभी पुत्रगण सर्वश्री हस राज निवासी 3959/29 रेघड्रपुरा. करोलबाग, नई दिल्ली दिल्ली (अन्तरिसी)

6431

(3) सर्व श्री गोपाल दास (2) वास देव (3) ईश्वर चन्द पुत्रगण स्वं० श्री परमानन्द और सर्वश्री कस्तूरी लाल टंडन (2) बनारसी लाल (3) मनोहर लाल टंडन और (4) जोगिन्दर लाल टंडन सभी पुत्रगण सर्व श्री हंसराज टंडन (वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदश्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस स्वना के उत्तर में किए गए आ क्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगो।

एतदक्षारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है किए हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

जायदार न० 6/63 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली जिसका म्युनिसिपल नं० 16/10267 डब्ल्यू० ई० ए० है जो कि निम्न प्रकार में जिरा है:—

पूर्व — जायदाद नं० 6/62, ढक्ल्यू० ई० ए० पश्चिम :— जायदाद नं 6/64 डक्ल्य्० ई० ए० उत्तर:— सङ्क दक्षिण :— लेन

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख 5 दिसम्बर, 1973 अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-1 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर, 1973,

निर्देश स० आई० ए० सी० एक्यू०/11/73व7/6012---यतः म्झे सी॰ बी० गुध्ने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं बी-1/96 है, जो लाजपन नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्हीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) पुर्वोक्त के अधीन 6-6-1973 को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमें के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

- (1) श्री लोक नाथ धवन पुत्र थी उत्तीमचन्द्र धवन निवासी डी-1/121 साजपन नगर, नई दिल्ली (अन्सरक)
- (2) श्री सुरेन्दर एस० बावर पुत्र श्री संशी राम बाबर निवामी बी-1/96 लाजपननगर, नई दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन ने लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्म व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

एतवृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुमवाई के लिए तारीखं और स्थान नियत किये जाएं गे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति, के अन्तरिती को दी जायेगी।

एसव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आखेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायदार जिसका नं श्री०-1/196 लाजपतनगर, नई दिल्ली जो कि लीजहोस्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है सभी अधिकारों सहित विना बना हुआ है।

> सी० वी० गुप्ने, मक्षम प्र।धिकारी, महायक आयकर आयुक्न (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 5 विसम्बर, 1973 मोहर: प्ररुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विल्ली,

दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निर्देश स० आई० ए० मी०/एक्यु०/11/73-74/6012---यत:, मुझे सी० बी० गृप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है उचित बाजार और जिसकी संब प्लाट नंब 6 ब्लाक नंब 53 है, जो वेशबन्ध गुप्ता रोड़, करोल बाग नई दिल्ली में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1973 की पुर्वोक्स के उचित भाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने के सिये सुकर बनाना,

जीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के षाव्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अमुसरण मे, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1)श्री दलीप सिंह चन्दोंक पुत्र श्री बन्त सिंह चन्दोंक (स्पेशल अटरिनी अपने भाई अमर सिंह चन्दोंक का और उसके भाई सुरजीत सिंह तथा माता श्रीमती प्रेम कोण चन्दोंक निवासी 336, बीठ पीठ रोड़ बम्बर्ड (अन्तरक)

- (2) श्रीमती गुरचरन कौर पत्नी श्री लाल सिंह (2) श्री मुपिन्दर पाल सिंह पुत्र श्री लाल सिंह (3) के राजिन्दर पाल सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी में ने 5648 गली नै 79 रैंबडपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्सरिती)
- (3) (1) श्री लाल सिह गुरचरन सिह (2) एस० लाल सिह दुकान (3) मै कोहली साइकिल कं० दुकान (4) श्री एस एन मुक्जी, (5) श्री राम मूर्ति (6) अजस्ता भू कं० (7) श्री ए डी चौबरी (8) बी स्थाम गुप्ता एंड कं० (9) टी एस कककर एंड कं० (10) एस० सी भगत एंड कं० (11) ईस्टर हैम्डीकेफटस आनन्द इन्टरप्राइजिज (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हैं (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कीई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायदार न० ६ व्लाक न० 53 जो कि ढाई मजिला जिसका क्षेत्रफल 268 वर्गगज है देश बन्धु गुप्ता मार्ग करोल बाग, नई दिल्ली में बनी हैं।

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 5 दिसम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकद्र आयक्त (निरीक्षण) अजन रेज-2 दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन,

नई दिल्ली, दिनाक 5 दिसम्बर, 1973

निर्देश स० ग्राई०ए०सी०/एक्यु० 11/73-74/6012--सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० एफ०-17 है, जो कालकाजी, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से याणित है) र्यजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-73 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच सप पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री राम लाल मदान पुत्र श्री मुन्शी राभ मदान निवासी बी०-111/1368 रोहतक सिटी, हरियाणा । (ग्रन्तरक)

- 2. श्री राम पियारा गुलाटी पुत्र श्री सतराम दास गुलाटी निवासी एफ-17 करबला श्रलीगंज, नई दिल्ली (बी० के० दत्त कालोनी) श्राजकल एफ-17 कालकाजी, नई दिल्ली (श्रन्तरिक्त)
- 3 श्री राम पियारा गुलाटी पुक्ष स्व० श्री सतराम वास गुलाटी निवासी एफ-17 कालकाजी नई दिल्ली (वह ब्यक्ति जिसके श्रीध-मोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की शारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त गाव्धों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभुसुची

जी। बी। पी। न। एफ। 17 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज जो कि ब्लाक एफ कालकाजी, नई दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते, तारीख: 5 विसम्बर, 1973 सक्षम- प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) मोहर ग्रर्जन रेंज-2, विस्ली, नई विस्ली

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई विस्ली

दिनाक 3 दिसम्बर, 1973

निर्देश स० म्राई०ए०सी०/एक्यु०-1/एस०म्रार०/जून-1/235 (130)/73-74---यत:, मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/54(1/4 भाग) है, जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-6-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभै यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ववने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर वनाना।

आर यतः आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह 2/54 रूप नगर, दिल्ली । (प्रन्तरक)

- 2. श्री सूचा सिंह पुत्र श्री जोगिन्वर सिंह, 2/54 रूप नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)
- 3 श्री सुख दयाल खुराना, 2/54 रूप नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एत**द्दारा** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतव्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 2/54 रूप नगर, दिल्ली जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरी है:—

उसर--जायदाद नं० 2/53

दक्षिण<del>--स</del>ङ्क

प<del>ुर्व--- सङ</del>्क

पश्चिम---सङ्क

डी० **बी० लाल** सक्षम प्रां**धिकारी**, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्र**र्जन रेंज-**2 दिल्ली, न**ई दिल्ली**-1

तारीख: 3 दिसम्बर, 1973

मोहर

कार्यालय सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज 1, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं अर्ध ०ए० सी ०/एक्यु०-1/एस० मार०-1/जुलाई-11/ 329(28)/73-74--यत:, मुझे, डी० बी० लाल ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/54 (1/4 भाग) है, जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध यनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-7-1973 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गथा ऐसे मन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दैंने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

आर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्ण्यवाही णुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :----

- . 1. श्री जोगिन्वर सिंह पुत्र श्री वलीप सिंह 2/54 वप नगर, दिल्ली। (अन्तरन)
- 2. श्री सुचा सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह 24,54 रुप नगर, दिस्ली। (अन्तरिति)
- 3. श्री सुख दयाल खराना, 2/54 रूप नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसकी श्रीधभोग में सम्पत्ति हैं )। को ग्रह सजना जारी करके प्रवेकित स्वपति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी भरके पूर्वेश्ति सम्पति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्येवाहियाँ शुरु करता हुँ।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 भाग जायबाद नं० 2/54 रूप नगर, दिल्ली जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरी है :---

उत्तर---जायदाद नं० 2/53 विक्षण---सङ्क पूर्व---सङ्क पश्चिम---सङ्क

> डी० बी० लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 3 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अक्ट्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० सब रिज ० देवास / 15-6-73---यत:, मझे, एम० एफ० मुन्शी अ। यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० 84 है, जो सुभाष चौक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-6-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के प्रख्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-याही शुरू करने के कारण मेंरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री श्रीमंत यशवन्तराव उर्फ भाऊ साहेब पुन्न श्री सदाशिव राव पवार भ्रष्ट्यक श्री शीलनाथ धूनी संस्थान, मल्हार, देवास (म०प्र०)। (श्रम्तरक)

- 2. श्री एहमद ग्रसी पुत्र हाजी मुल्ला ग्रकवर ग्रसी बोहरा जि॰ पीठा रोड़, देवास (म॰प्र॰) (ग्रन्सरिती)
  - 3. (वह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है):---
  - (i) श्री हसन श्रली (ii) श्री सैंफुद्दीन (iii) मोहम्मद हुसैंन (iv) श्री नजर हुसैन (v) श्री इब्राहीम भाई
    - (vi) श्री नजर श्रली (vii) प्राचार्य प्राथमिक स्कूल ।
- 4. वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोष्ठस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) :--

ऊपर नं० 3 में वर्णित ब्यक्ति।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदहारा कार्यवाहियां शुरू करता हं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-वं में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

### अमुसूची

शहर देवास वार्ड नं० 11 सुभाष चौक स्थित मकान न० 84 पैकी 8 चश्में का भाग 3 पाट की दौड़, तीन मंजिला बिकी किया है। क्षेत्रफल 1839 वर्गफीट।

> ा,म० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

दिनांक: 4 दिसम्बर, 1973

ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल

दिनाक 4 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/देवास/15-6-73--यत:, मुझे, एम० एफ माशी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 265 ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मं० नं० 84 जो सुभाप चौक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पृथींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उहें इय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से किवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही ग्रारू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अस, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निभ्नलिकित स्यक्तियों, अर्थीनः---

- 1. श्री श्रीमंत यशवन्तराष उर्फ भाऊ साहेब पुल श्री सदाणिव राव पवार श्रध्यक्ष श्री शीलनाथ धूनी संस्थान, मन्हार, देवास (म० प्र०)। (श्रुनिरक)
- 2. श्री हाजी मुल्ला श्रकवर श्रली बोहरा पिता हाजी नैय्यय भाई बोहरा निवामी पीठा रोड, देवाम (म० प्र०)। (श्रन्तरिप्ती)
  - 3. (वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) :---
  - (1) श्री हसन ग्रली (2) सैफुद्दीन (3) मोहम्मद हुसैन (4) श्री नजर हुसैन (5) श्री इब्राहीम भाई (6) श्री नजर ग्रली (7) प्राचार्य, प्राथमिक स्कूल।
- 4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है):——

उपर नं० 3 में वर्णित व्यक्ति। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसट्-

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एलद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

राष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमूसूचि

शहर देवास बार्ड नं० 11 सुभाप चौक स्थित मकान नं० 84 पक्की चश्मे 4 तीन पाट की दोड़ तीन मंजिला मकान विक्री किया गया। क्षेत्रफल 1902-7 वर्ग फीट।

ाम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण)

दिनांक : 4-12-1973 अर्जेंग रेंज, भोपाल

मोहर.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 4 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सब० रिज०/देवास/15-6-73-अतः, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मरुय 25,000/- रु० से ग्राधिक है और जिसकी सं० म० नं० 84 है, जो सुभाष चौक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में देवास में भारतींय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रतुसार मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यद्मापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्सरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीमंत यशवन्तराव उर्फं भाऊ साहेब पर्यांर पुत सदाशिराव पर्वांर अध्यक्ष श्री शीलनाथ धूनी संस्थान, मल्हार देवास (म०प्र०) (अन्तरक) 11--356G1/73

- श्री फखरुदीन पिता हाजी मुल्ला अकबर अली बोहरा निवासी पीढ़ा रोड, देवास (म०प्र०) (अन्तरिती)
  - (i) श्री हसन अली (ii) सैफुटीन (iii) मोहस्मद हुसैन (iv) श्री नजर हुसैन (v) श्री इन्नाहीम भाई (vi) श्री नजर अली (vii) प्राचार्य प्राथमिक स्कूल।
  - 3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है):--
- 4. ऊपर नं० 3 में वर्णित व्यक्ति । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है) :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है, कि इस स्थावर सम्मित के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, को सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

शहर देवास वार्ड नं० 11 सुभाष चौक स्थित मकान नं०84 में से 4 चश्मे का भाग तीन मंजिला मकान तीन पाट की दोड़ का क्षेत्रफल 1881 वर्ग फीट।

एम० एफ० मुन्झी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनाँक . 14-12-1973।

अर्जन रेंज, भोपाल।

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० —

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जंन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सब रजि०/देवास/15-6-73---अत:, मुझे, एम० एफ० मन्शी, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० म० नं 84 है, जो सुभाष चौक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित हैं ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर यत ; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाही गुरू करने के कारण मेरे शारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे,मै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

1. श्री श्रीमंत यशवंतराव उर्फ भाऊ साहेश पुत्र सदाशिव राव क्याँर अध्यक्ष श्री शीलनाथ धूनी संस्थान, मल्हार देवास म० प्र० (अन्तरक)

- 2. श्री हैंदर अली पिता हाजी मुल्ला अकबर अली बोहरा निवासी पीठा रोड़, देवास (म०प्र०) (अन्तरिती)
  - 3. (i) श्री हसन अली (ii) थी सैफुद्दीन (iii) मोहम्पें हुसैन(iv) श्री नजर हुसैन (v) श्री दक्षाद्दीम भाई (vi)श्री नजर अली (vii)प्राचार्य, प्राथमिक पाठशाला। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है):—
  - 4. उद्भार नं० 3 में विणित व्यक्ति।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है):— को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को धी जाएगी।

एतद्क्वारा आगे यह अधिभूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्घ्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

शहर देवास, वार्ड नं० 11 सुभाष चौक स्थित मकान नं० 84 में से 5 चश्में का भाग तीन मंजला मकान तीन पाट की दौड का क्षेत्रफल 27000 वर्ग फीट।

> एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

विनींक: 4-12-1973

अर्जन रेंज, भोपाल।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 3 दिसम्बर 1973

निर्देण सं० 35-वाँ अर्जन---अतः मुझे, एस० सी० बहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है **कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 53, 56, 57, 58, 59, 65, 105, 106, 107, 108, 109 है जो भदसरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीलीभीत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन 26-6-73 के पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री करतार सिष्ठ

- (अन्तरक)
- 2. वहादुरसिंह और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के भ्रजन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यवि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएंगे।

एसद्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जो भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिमाषित हैं, वहीं ग्र**र्थ हो**गा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषिक भूमि 85 एकड़ 73 डि॰ जोकि ग्राम भदसरा जिला पीलिभीत है स्थित है।

एस० सी० बहल,

दिनाँक: 3-12-1973

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

अर्जन रेंज, सखनऊ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 3 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ८-एन०अर्जन--यतः, मुझे, एस० सी० बहल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपये से अधिक है और जिसकी सं० 76 से 92 है जो ग्राम बालवापुर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखीमपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिष्कित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. गुरबखस सिंह और अन्य (अन्तरक)

2. लक्क बीर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्**क्ष**नरा कार्यकाहिकां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित्त में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तरें में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 26 एकड़ 73 डि॰ एक टियुववल जोवि ग्राम बालबापुर जिला लखीमपुर में स्थित है।

> एस० सी० बहस्स सक्षम प्राधिकारी

विमाँक: 3-12,73 सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर अर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

ॅअंग्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 1 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आर०ए०सी० न० 112/73-74---यतः, मुझे, एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० न० 135, 155, 156, 157 कल्लूर मोजे है, जो कर्नूल जिला में स्थित है (और इससे उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन ····को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्करबनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहीं शुरू करने के कारण मेरे ब्रारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269नंग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री माष्ट्रम पैद्दा रामय्या स्पुल वेकटाचलम् कल्लेर मोजे, कर्नुल जिला (अन्तरक)
  - 2 श्री गीला लक्ष्मी ट्रेडर्स, कर्नूस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप; यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण-इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति-भूमि जिसका सर्वे न० 135, 155, 156, 157, जो कल्लूर मोजे, कर्नूल जिला में स्थित है, जिसका क्षेत्र 2.50 सेट्स है।

एस० बाल सुन्नमण्यम्,

विनाँक: 1-12-73

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेज, हैदराबाद।

प्ररूप. आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनाँक 1 दिसम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० नं० 111/73-74---यतः, मुझे, एस० बालसुब्रमंण्यम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं सर्चे नं 133, 155, 156 157, कल्लूर मोजे है, जो कर्नूल जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसेसे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री माडम बाल रामय्या सुपृत्र वेंकटाचलम् कल्लूर मौजे, कर्मूल जिला (अन्तरक)
  - श्री गीता लक्ष्मी ट्रेडर्स, कर्नूल (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतत्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति--भूमि जिसके सर्वे नं० 135, 155, 156 . और 157, जो कल्लूर मोजे, कर्नूल जिला में स्थित है, जो 2.50 एकर है।

एस० बालसुधमण्यम,

दिनाँक: 1-12-1973

मोहर:

सक्षम प्राधिकारी,

्महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के आधीन सूचना

भारत सरकार वित्त् मंत्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:--यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एस०-195 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्व से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 18 जुन, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित **बा**जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी जरने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अबधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

- 1. श्री मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिड सि॰ 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० के० भाटिया पुत्र श्री बीबान चन्द भाटिया द्वारा डा० ग्रार० एन० भाटिया, डिस्ट्रीक्ट होसपिटल (मुरावाबाद), यू०पी० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्मित के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए अक्षोपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को िसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आयेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं एस ०-195 क्षेस्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांच बहारपुर दिल्ली में हैं।

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 दिसम्बर, 1973

मोहर:

(को लागू न हो उसे काट दीकिए)

प्ररुप म्राई० टी० एन० एस०---

ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब-2, नई दिल्ली-1

> केन्द्रीय राजस्व भवन, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर, 1973

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/60 76:-यत:, मुझे सी० वे० गुप्ते आमकर अधिनियम, 1961 की का 43) धारा 269 **ख** श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विक्वास करने का यह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-₹0 से ग्रधिक और जिसकी सं० है डब्ल्यू०-58 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जुन, 1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/धा

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया वया था मा किया जाना थाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (प्रन्तरक)
- 2. श्री राजिन्दर प्रसाद खेतान पुत्र श्री हरी न्ह्रांद्रायन खेतान 12, बिरबल भागें, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेष, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाखन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसव्हारा आगे यह अधिक्षूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फीह्नोल्ड प्लाट जिसका न० डब्ल्यू०-58 क्षेत्रफल 990 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- /2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 विसम्बर, 1973

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्वेश सं ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:---यत:, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-236 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावन ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7 जून, 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भे अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ध की उपधारा** (1) के **आ**धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 12-356/73

- 1. मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुधा श्रवस्थी पत्नी श्री सुरेश कुमार श्रवस्थी एन-15, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एदद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वंधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

क्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गण न० एस०-236 जो कि निवासी कालोनी ग्रटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

> (सी०थी०गुप्ते) सक्षम प्राधिकारी स**हायक धा**यकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज— /2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**च** ६ दिसम्बर, 1973

मोहर:

(को भान म हो उसे काट वीजिए)

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस०--

धामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज, -2, विस्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई विल्ली, विनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:-सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ख के अधीन भक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु॰ से अधिक है जिसकी सं० एम०-152 है, जो ग्रेटर कैलाश-Ⅱ, नई दिल्ली में रिषा है (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री म्रधिनियम, (1908 南 16) 青 1908 अधीन 7 जून, 1973, को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

भौर वतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के समीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, सर्वात् :---

- 1. मैं० डी० एस० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ कनाट पैसेस, नई दिल्सी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजिन्दर सिंह पुत्र श्री नारायन मिह द्वारा बेर्मी जैस हाऊस, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतयुद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे क्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका न० 152 क्षेफन्नल 400 वर्गगज क्लाक एम० जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-II, के गांव बहारपूर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थितहैं :---

पूर्व: सङ्क

उत्तर: प्लाट नं० एम०-150

पश्चिम : सर्विस लैन

दक्षिण: प्लाट नं ० एम ०-154

(सी० बी**० गुप्ते)** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज—-/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 दिसम्बर, 1973

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०..... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली 1 का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 विसम्बर, 1973

निर्देश सं० श्राई ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:---यतः, म झे, च० वि गप्ते आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-158 है, जो ग्रेटर कैलाश- $\Pi$ , नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपबाद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिनियम, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 जून, को पूर्वीक्त सम्पत्ति बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन निम्मलिक्षित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- 1. मैं डी एस एफ युनाईटिड लि 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- 2. श्री राम सरूप चुन पुत्र श्री राम सास चुन निवासी 25/ 75 पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

ं को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ हीना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका मं० एम०-158 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी काकोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहार- पुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सड़क

उत्तर :--प्लाट नं० एम/156

पश्चिम : सर्विस लैन

दक्षिण : प्लाट नं० एम०/160

(च० वि० गुप्तै) सक्षम प्राधिकाणी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

शारीखः : 6 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भागकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व-(1) के जधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक) अर्जन रेंज 2 दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश स० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/6076:--यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/ रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० एम०-235 है, जो ग्रैटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 ( 1908 का 16 ) के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति 6 जून, 1973 की बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सै, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-जिबित उट्टेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमी, अर्थात्

- 1. मैं० डी॰ एस॰ एफ॰ धुनाइटिड सि॰ 40 एफ॰ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी स्व० श्री प्रताप सिंह मर्से राम गसी, चौक परियान, ग्रमृतसर (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो: ⊸-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरज—इसमें प्रयुक्त प्रवदों और पदों का, जो धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के कध्यान 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० 235 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व:- सर्विस लैन

उत्तर:-- प्लाट न० एम/233

पश्चिम:- सङ्क

दक्षिण : प्लाट नं० एम०/237

च० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख: 6 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

तहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 6 दिसम्बर 1973

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076 ---यत:, मु क्रो, च०वि० गप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से योधक है और जिसकी स० एम०-64 हे, जो ग्रेटर कैलाज -II, नं दिल्यी से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कायोलय, दिल्ली में भागतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 जून, 1973 को पूर्वोक्त सभ्यत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्टीकृत दिलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का ए.रण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृग्यमान प्रतिपत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपत्न निम्दलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से का्यित नहीं किया गया :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिन किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (,1961 का 43) की धारः 269-ध की उपधारा (1) के नभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- ग मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली।
  (अन्तरक)
- 2 श्री पिशोरी लाल पुत्र श्री ग्रमित सर्या गांव व डाकखाना बान्दला, जालन्धर (पंजाब) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख.से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई ही, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिर्सने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्दार आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, िन पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई ने समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका न० एम०-64 क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर केशाल-II, के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है .—

पूर्व '-- सड़क

उत्तर: -- दुकान का प्लाट न० एम०/63

पश्चिम :--सङ्क

दक्षिण :---द्कान का प्लाट नं० एम०/65

च० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीयः : ७ गक्तूबर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आमकर अधिनिवस 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-73/6076:---यत: मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-से ग्रधिक है और रु० जिसकी सं० एस०-253 है, जो ग्रेटर कलाग-11, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय , दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 8 जून, मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मै॰ डी॰ एल॰ एफ॰ युनाईटिड लि॰ 40 एफ॰ कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (भन्तरक)
- लैफ्ट० सुभाष चौपड़ा पुत्र श्री कंबर सैन चौपेड़ा, एल-29 कैलाश कालोनी नई दिल्ली-48 (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

# अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एस-253 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :-- सड़क

उत्तर :---प्लाट नं० एस०/251

पश्चिम :-- सर्विस लैन

दक्षिण :-- प्लाट नं० एस०/255

(च० वि० गुप्ते) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख 6 दिसम्बर, 1973 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय: सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण.)

अर्जन रेंज, 1/2 विल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:---यत:, मुझे, चि० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० एम-299 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 8 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः, अब, धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मै० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ० कनाट
 नैलेस, मई दिस्ली।

2. श्री सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री हर किशन लाल तलवार निवासी के-27 अंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतवृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किवा है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दो जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐते व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का दुकड़ा जिसका न० एम-299 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहार पूर में निम्न प्रकार में स्थित हैं ⊶

पूर्व : ---सडक

पश्चिम : -- संडक

उत्तर : --प्लाट नं० एम०/297

दक्षिण :--- प्लाट न० एम०/301

च० वि गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज---1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 दिसम्बर 1973

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचला भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली, तारीख 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/11/73-74/6076:---यत:, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स्त के अधीन सक्षस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपये ते आंधर है और जिसकी सं० एस०-292 है, जो ग्रेटर कीलाण-11, नई फिलारे में स्थित है (इसमे उपायद अनुसूची में पूर्ण स्था ने वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्द्री-**करण अधिनियम, 1908**( 1908 का 16) के अधीर 11-6-1973 मई को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के बनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निस्त-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयशर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सकर बनाना;

और वतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अव, धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ग. मैं० खी० एल० एफ० युनाईटिङ लि० ४०, एफ० कनाट पैनेस, नई विल्ली।
 (अन्तरक)

ा श्रीमिती गति गोल्या पश्ची और राज किणोर मेहरा नियासी व 2.4, कृषा क्रिक नाथ, चल्क्स्मी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशम की तारीख से 45 विंस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के पास लिखित के किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूर्जित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप पिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपीं की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूसी

जमीन का एक टुकड़ा जिसका न० एस-292 क्षेत्रफल 308 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-11 के गाँव बहार पुर दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है :——

पूर्षः:--सर्विस हौन पश्चिमः:-- सङ्क उत्तरः व्लाट नं० एस०/290 दक्षिणः-- प्लाट नं० एस०/294

> चं वि नुस्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक आर्यंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः : 6 दिसम्बर 1973

मोहर:---

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 6 दिसम्बर 1973

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/11/73-74/6076:--यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अपिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० एस-66 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 जुन, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्स विलेख के ग्रनुसार भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ्रसे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

मै० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
 13-356GI/73

2. श्री देविन्दर दास सूद पुत्र लाला फकीर चन्द सूद पो० बोक्स न० 43255 नैरोबी, किनया। (अन्तिग्ति) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्ज न के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को बी जाएगी।

एदद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वधर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसृची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज तथा नं एस-66 है जो कि निवासी कालोनी कैलाण-11, के गाँव बहार पूर हिल्ली में है ।

सी॰ वी॰ गप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आधकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———
आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (ानरा अर्जन रेंज, 2 दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली तारीख 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 2 5, 0 0 0/-रुपए बाजार मृल्य से अधिक है और जिसकी सं० एम०-89 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 7 जन, 1973 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरो बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रंकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि०, 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक) 2. श्रीमती कमला गुजराल पत्नी श्री धरम पाल गुजराल निवासी ए-1, सैनिक सदन, नरैना निवासी एरिया, नई दिल्ली-28। (अन्तिक्से)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरु करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतदृहारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदक्षारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० एम०-89 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाग-11 के गांव बहार पुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सङ्क , पश्चिम :--सङ्क

उत्तर : — प्लाट न० एम०/87

वक्षिण :--- प्लाट न० एम०/91

सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 दिसम्बर, 1973

मोहर :---

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०........

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य-(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज/2, दिल्ली-1केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 6 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6076:---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयक्र अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० एम-71 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ता अधिकारी के कार्यालय, मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 जून, 1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भ्रौर यह कि भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे 'बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य के लिए कार्यवाही शुरू करता हू वहीं शुरू करने के कारण मेर द्वारा । अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. मैं० डी० एस० एफ० युनाईटिड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री एच० एल० शर्मा पुत्न श्री गुरवास राम निवासी 4 सी० सी० ए०-अप्पर आनन्द पर्वत- दिल्ली-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका न० एम०-71 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटरकैलाश- $\Pi$  के गाँव बहार पुर दिल्ली में है।

सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख ७ विसम्बर, 1973 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०------आयकर अग्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासंय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निदश सं अाई ० ए० सी ०/एक्यु ० 11/73-74/6076--यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम-121 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी मुक्त करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. मैं ॰ डी ॰ एल ॰ एफ ॰ युनाइटिड लि ॰, 40 एफ ॰ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमित शुशीला देवी पत्नी श्री फतेह चन्द अदलका, एस०-432 ग्रेटेर कलाश-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वार। कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:——

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्क्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं ० एम-121 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

> सी० बी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, विल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 6 विसम्बर 1973।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर, 1973

नि**द**ण सं० 17/(अर्जन रेंज) 4077/मेरठ/73-74 --यत: मुझे वाई खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम स्लामाबाद छिलेरा परगना तहसील जिला मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी िकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना; या

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिने कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये नवे हैं।

अतः अब, धारा 269व के अनुसरण में, मैं, आयकर अिब-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपज्ञारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्रीमती शीला देवी पत्नि श्री रंजीत सिंह निवासी बेगम क्रज रोड़ मेरठ।

(अन्तरक)

2 श्री वृजेंन्द्र पाल सिंह पुत्र चौ० शिव वरन सिंह निवासी 293 आबु लेन मेरठ केंन्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदढ़ारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आश्चेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पाद्धीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याज 20-क में यथापरिभाषित है, नहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याज में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषिभूमि भूमिधारी खाता न०10 खसरा न०315/3 का 1/2 भाग माप 7 बीधा 5 विस्वा पुस्ता, खसरा न० 315/2 का 1/4 भाग माप 3 विस्वा 5 विस्वांसी और एक ट्यूबवैल विजली 10 हार्स पावर का कनक्शन न० में 1/2 भाग तथा एक आहता जिसमें दो मंजिले दो कमरे एक स्टोर एवं एक टीन शेष्ठ ग्राम स्लामाबाद छिलेरा परगना, तहसील व जि० मेरठ में स्थित है।

> (वाई० खोखर) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कार्यालय,कानपुर

तारीख: 27-11-1973

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेज 2, दिल्ली केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली। नई दिल्ली दिनांक, 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू /73-74/6076-यत : मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर श्रधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है और जिसकी सं र् ई-526 है, जो ग्रेटर कैलाण-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-73 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि शन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना भ्रौ/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

श्रीर यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रतः, श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, श्रायकर श्रिध-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:——

- 1. मैं ॰ डी॰ एल॰ एफ॰ युनाइटेट लि॰ 40 एफ॰ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती आई० दास गुप्ता पुत्र श्री एम० एम० दार्ल्समुप्ता
   1/11 सैन्ट्रल रोवेन्यू, दुर्गापुर-4, (पश्चिमी बंगाल)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, लो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्यवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्धारा यह ब्रिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रौर स्थान नियत किए जाएंगे श्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा श्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूधी

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 550 वर्गगज है नं० ई-526 है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

> सी० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6 दिसम्बर 1973 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०...... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्त अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दिल्ली-1

दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आर्ष० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/6067 यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जियकी मं० ई-48 है, जो ग्रेटर के लाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्व रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-73 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—-

- 1. मैं० डी॰ एल॰ एफ॰ युनाईटिंड लि॰, 40 एफ॰ भनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री इन्दुभूषण दास गुप्ता पुत्र श्री एम० एम०दास गुप्त निवासी 7/11, सेंट्रल एवन्यू, दुर्गापुर-4, पश्चिमी बंगाल (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 48 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व — सङ्क पश्चिम : — सिवस लैन उत्तर : — प्लाट न० ई/50 दक्षिण — प्लाट नई/46 च० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी

विनांक 6–12–1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भोहर अर्जनरेंज दिल्ली, नई दिल्ली-1। प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दिल्ली-1

## दिनांक 6 दिसम्बर 1873

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु II/73-74/6076-यत: मुझे मी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी सं० ई०40 है, जो ग्रेटर कैं लाश- $\Pi$ , नई दिल्ली में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधियिम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 5-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिभलिखित किए गए हैं।

अतः यत, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. मैं ० डी० एल० एफ० यनाईटिड लि०, 40 एफ० कनाट पैलेम, नई दिल्ली (अन्तरक)
- थीमित चन्दरवती पत्नी पंडित देवेन्दर नाथ डीर्म् 4/17 माडल टाऊन, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाऐंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के तिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो आतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषी है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याब में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फीहोंल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्गगज नं० ई-40 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर केलाग- $\Pi$ , नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी

तारीख 6 दिसम्बर 1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरी॰) भोहर अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269घ-(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

सं० प्राई०ए०सी०/एक्य/11/73-74/6076 --- यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है और जिसकी सं० एम०-28 है जो ग्रेटर कैलाज-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से र्गणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन 29-6 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जी उत बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आ।कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुक्तर बनाना; श:र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ि पाने के लिए मुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के मब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----

 मे० डी० एल० एफ० बृनाइटेड लि० 40 एफ० कवाट प्लेम नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरुभचन लाल, ई०-14, एन० डी० एस० ई०, 14--356 GI/73 पार्ट-1, नई दिल्ली-110049 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्बोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ले किसी क्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० एम०-28 क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कलाश- $\Pi$  के गाँव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है ——

पूर्व . ––सड़क पश्चिम :––सड़क

पश्चिम '——सउक

उत्तर :--- दुकान का प्लाट नं० एम० -27 ।

दक्षिण —-दुकान का प्लाट नं० एम०-29 ।

मी० वी० गुप्ते मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नुई दिल्ली-1

तारीख: 6-12-1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०..... आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली।

सं ग्राई०ए०सी०/एक्य-11/73-74/6076 --सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 अधीन (1961 का 43) की धारा 269-W प्राधिकारी को, यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस**का उपित** मत्य 25,000/- रु० से अधि**क** है और सं० एस० 511 है जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) 1973 के अधीन 8-6-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्सरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बा व्यक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन गा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियक्ष 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 मैं ० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि०,40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली । (श्रन्तरक) 2. श्री ओमप्रकाण हाडा पुत्र श्री जगन नाथ हांडा निवासी-40 पार्क माग लक्ष्मण चौक, देहरादून (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे भीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पच्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका न० एस०-511 क्षेत्रफल 550 वर्गजग है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गॉब बहारपुर दिल्ली में स्थित है ।

> च० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 6-12-1973

मोहर:

(जो लाग न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध- (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज 2, दिल्ली

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

सी ०/एक्यू ०/2/73-74/6180 ---सं० ग्राई० ए० यत: मुझे सी० वी० गुप्ते श्रायकर श्रिधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्य-91 है जो कि ग्रेटर कैलाग-H नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबछ ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक ु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट प्लेस नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

प्रशोक कुमार जैन पुत्र श्री श्रीपाल जैन निवासी
 6 रोहतक, रोड़ नई दिस्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्बोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतब्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1057 वर्ग गंज है तथा न० ढब्स्मू- 91 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली के गाँव बहारपूर दिल्ली में है ।

च० वि० गप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 7-12-1973

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली दिनौंक 7 दिम्बर, 1973

सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू./11/73-74/6180 --- यतः मझे सी ० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- २० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-190 है जो कि ग्रेटर कैलाग-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रत्यूची से ग्रीर पूर्व रूमसे वर्णित है) रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 15-6-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे इ।रा अभिलिखित किए मए हैं।

अत:, अब, धारा 269- घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

श्रीमति मैना सुन्दरी जैन पत्नी लाला श्रीपाल निवासी 6 रोहतक रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिकी)

को यह भुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदक्षारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत फिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैए के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण .- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका न० एम०-190 क्षेत्रफल 300 वर्गगज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-II के गाँव बहारपर दिल्ली में है।

> सी० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7-12-1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

अधुम्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भागत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
कार्यालय ~2. दिल्ली अर्जन रेज
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
दिनाक 7 दिसम्बर, 1973

म्राई०ए०सी०/एक्यू०/11/73-74/6120 --- यत: मझे सी० वी० गप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख़ के अधीन सक्षम प्राधिवारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृत्य, 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एस०-73 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-**करण श्रधिनि**यम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 16-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का बारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप ने के लिए सुकर बनाना,

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयफ्रार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिट लि० 40 एफ० कनाट पैनेस, नई दिल्ली ।  शम्भु राम पुत्र श्री श्रशचरज राम, द्वारा मै० श्रशचरज राम शम्भु राम क्लाथ मार्कीट, चान्दनी चौक, दिल्ली-6 (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदृष्ठारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ■।क्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

उ म्मीन का प्लाट जिसका न० एस०-73 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गाँव बहारपुर दिल्ली में है।

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7-12-1973

मोहर ।

(भन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ -(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

सं श्राई ० ए० सी ० /ए भय / 11/73-74/6120 -- यतः मुझे, सी० बी० गप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है और ग्रौर जिसकी सं० एम०-175 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली मे में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-73-सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत आयकर अधि-वियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिन के शिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने के लिए सुकर बनाना,

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात :——

1. नै० डी० इस • इफ • बूनाइटेड लि • 40 इफ • फनाब

प्लेस, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

2. बिंग कमांडर निमीना सिंह पुल स्व० श्री एस० भगवान सिंह (2) कुलदीव सिंह पुल बिंग कमांडर कर्नल नगीना सिंह । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

जभीन का प्लाट जिसका न० एम०-175 केविफल 400 वर्गमज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-II के गाँव बहारपुर किस्सी में है।

भ० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7-12-1973

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर् श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु० 11/73-74/6120---यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है और जिसकी सं० एम०-84 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार **प्रन्तरित की गई है और** मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यष्ठ कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः, अब, धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० (अन्तरक)
 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

थीः दौलत राम पुत्र श्री घनण्याम दास,
 दुकान न० 42, राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तरीख से
  45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० एम०-84 क्षेत्रफल 195 वर्गगज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में हैं।

सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः : 7 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, 2, दिल्ली-1

> केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली । दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० थाई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/6129--यतः, मुझे, मी० बी० गुप्ते ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और भ्रौर जिसकी सं० एम०-293 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-73 सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य मे के के दृश्यमान प्रतिफल लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 मैं० डी० एन० एफ० गुनाइटिड लि० (झन्तरक) 40 एफ० क्लाट पैलेस, नई दिल्ली।
- 2. श्रीः गीता प्रकाश पुत्र श्री ठाकुर दाम (अन्तरिती) दारा भारत ज्वैलर्स दाजार, पहादगंज, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसृत्री

जमीत का प्लाट जिसका नं एएम०-293 क्षेत्रफल 400 वर्ग-गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कॅलाण-11 के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

> (सी० वी०) गुप्ते) सधम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज---2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 दिसम्बर, 1973

प्ररूप आई० टी० एन एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 -घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

> केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली । दिनांक 7 दिसम्बर, 1973

निर्देण मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/6120— यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० एस०-448 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्व रूप से वर्णित हे), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

मै० डी० एल० एफ० युनाइटिङ लि० (अन्तरक)
 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली।
 15—356GI/73

2. श्री : ग्रमर नाथ वर्मा पुत्र श्री धीर्त राम वर्मा (श्रन्तरिती) निवासी 36/7 एच ब्लाक, कनाट पैलेस, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगं यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ट्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 550 वर्गगज तथा नं० एस०-448 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

> सी० वी० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखंदः 7 दिसम्बर, 1973।

(ग्रन्तरिती)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्ब भवन, नई दिल्ली ।

तारीख 7 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/11/73-74/6120-यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-591 है, जो ग्रेटर कैलाग-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन 15-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसीं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के णब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० (भ्रत्तरक)
 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली

 श्री राकेश खन्ना द्वारा सुखपत बढेरा एडवोकेट,

सुख भवन कालेज मार्ग, सीविल लाइन, लुधियाना ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्बारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान, नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अ्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्हारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज तथा नं० ई०-591 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर दिल्ली में है।

मी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज---1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 दिसम्बर, 1973

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-11/73-74/6120--यतः, मुझे सी० वी० गुप्ते श्रायकर श्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है और जिसकी सं० एम० 117 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे ऊपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राय-कर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः भ्रब, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, श्रायकर भ्रधि-नियम 1961 (1961 का 43)) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रर्थात्:—

 में बी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ० फनाट पेलेस, नई दिल्ली (अन्तरक) 2. श्री के० पी० निगम पुत्न श्री पी० जी० निगम नियासी आई-914 सरोजनी नगर, नई दिल्ली-23 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के प्रति माक्षेप, यदि कोई हो तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भ्रागे यह भिधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचनादी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भिधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20-कं में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 309 वर्ग गज तथा नं० एम०-117 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाग-11, के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

> सीं० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

तारीख 7 दिसम्बर 1973 मोहर : प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्य भवन, नई दिल्ली। दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सo आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/6120--यत:, मुझे, सी० बी० गुप्ते श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० ई०-358 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय र्जा-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी िकसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, िछपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गाब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब द्यारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

1. मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक) 2 श्री गुरप्रसाद चोपडा (2) कुमारी इन्द्र बाला, 25 मुखर्जी नगर, श्रीगंगानगर (राजस्थान) (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिन्प एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यिष कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज फो० नं० ई- 358 है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली के गाव बहारपुर दिल्ली में है।

> मी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 दिसम्बर 1973 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/11/73-74/6120---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-302 है, जो ग्रेटर कैलाण-∏, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक़ अनुसुची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वारतिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धार्रा 9-26 की उ खित व्यक्तियों, अर्थात्:---

मैं० डी० एल० एफ० युनाइटिंड लि० 40 एफ
 नाट पेलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री मोहन मिह आहलुवालिया। पुत्र श्री गुरचरन सिह आहलुवालिया 17-00/18, उन्न्यू० ई० ए०, क्ररोलबाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पर्ध्वाकरण---इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका नं० ई०-302 क्षेत्रफल 250 वर्ग गज ह जो कि निवासी कालीनी ग्रेटर कॅलाश-H के गांव वहारपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्त मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज दिल्ली, नई दिल्ली- 1

तारीखः 7 दिसम्बर 1973

प्ररुप आई० टी० एन० एस० . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73-74/ 6120---यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-277 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 जुन 1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति मुल्य से कम के दृश्यमान के उचित बाजार प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य दृश्यमान 🕽 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व यें कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं ॰ डी॰ एल॰ एफ॰ युनाइटिड लि॰ 40 एफ॰ फनाट पेलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)  श्री बी० एल० तनेजा निवासी आई०/247 अणोक निकेतन, डी० डी० ए० प्लेटस, नरेना नई दिल्ली-110038 (अव्वार्रिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां भुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जून के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्**ची**

जमीन का प्लाट जिसका नं० एस०-277 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11 के गांव बहारपुर दिल्ली मे हैं।

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—– दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 7 विसम्बर 1973

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/11/73-74/6120--यत:. मुझे,मी० बी०गप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000- रु० से अधिक है और सं० एस०-159 है, जो ग्रेटर कैलाण-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टी-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्षर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

श्रीर यतः, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः, श्रव धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :---

 में डी० एल० एफ० युनाइटिड लि० 40 एफ० कनाट पेलेस, नई दिल्ली (अन्तरक) 2. श्री कृष्ण देव खोसला पुत्र श्री हरनारायन खोसला (i) श्रीमती सरोज खोसला पत्नी श्री किशन देव खोसला निवासी ए०--61 एन० श्री० एस० ई०, पाट-1, नई दिल्ली-110049 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लि**ए** एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के प्रति माक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ ध्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग्रे।

एतवृद्धारा यह श्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा श्राक्षेप किया हैं तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्धारा श्रागे यह श्रिधसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रिधकार होगा ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन का 'लाट जिसका नं० एस०—159 क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाण-11, के गांव बहारपुर दिल्ली में है ।

> सी० बी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज— दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 7 दिसम्बर 1973 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व अर्जन रेंज-, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 27 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 37 एम० अर्जन--यतः, मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनङ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 281 से 380 है जो ग्राम उमेदपुर में स्थित है, और इससे उपाबद अनुसूची के और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजर्टी कर्ता अधिकारी के कार्यालय काणीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुन 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित याजार के से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के तिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्त्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे ब्रारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 ुंथी निर्मल सिह

(अन्तरक)

2. श्री मनताज सिह

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषिक भृमि 23 बीधा 19/4 विस्या जो कि ग्राम उमेदपुर जिला नैनीताल में स्थित है ।

एस० सी० बहल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 27 सवम्बर 1973 भोहर - PART III-SEC. 1]

प्ररूप आई०टी० एन० एस०--

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हबली का कार्यालय

हुबली 580021, दिनांक 30 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० 41/(73-74)/एच० एक्यू०--यतः, मुझे आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 आर० पार्थसारथी का 43) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है गौर जिसकी सं० सी०टी० एस० 2988/वार्ड नं० 1 गौर सी० टी० एस० 2986/वार्ड नं० 1 है, जो हबली में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय हुबली ता० 7-6-1973 के दिन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति विन**ौ**क के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया **है** :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसीं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। 16—356GI/73 अतः अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती कंचन दातानन्द कोघीकर
   श्री साई कुटीर, लेन नं० 2, माधवपुर,
   दाजीबानपेठ, हुबली-20।
  - (2) कुमारी पश्चिनी दत्तानन्द कोघीकर, कर आफ श्रीमती कंचन दत्तानन्द कोधीकर, वाजीबानपेठ, हुबली - 20।
  - (3) कुमारी सुरेखा दसानन्द कोघीकर, अल्पवची संरक्षणदार, और माता श्रीमती कंचन दतानन्द कोधीकर, दाजीबानपेठ, हुबली-20। (अन्तरक)
- (i) श्री ज्वाला कुमार प्राचनाभय्या जवली पार्टनर, मेसर्स न्यू मैसूर स्टोस हुवनी ।
  - (ii) श्री निर्मेलकुमार पद्मनाभय्या जवली, पार्टेनर मेससँ न्यु मैसूर स्टोर्स, हुबली ।
  - (iii) श्री डी० एस० कांतराज्ञस्या, पार्टनर, भेसर्स डी० एस० कांतराजस्या एंडकंपनी पो० बा० नं० 22, मण्डीपेठ, नुमक्र ।
  - (iv) श्री जी० एन० पद्धनाभय्या, पार्टनर मेसर्स डी० एस० कंतराजय्या औड कंपनी, पो० बा० नं० 22, मण्डीपेठ, नुमकूर। (अन्तरिती)
- 3. (i) कुमार विनय ज्वालाकुमार जवली,
  - (ii) कुमार अनिल ज्वालाकुमार जवली
  - (iii) कुमार सुहास ज्वालाकुमार जवली
     (अल्पद्यी संरक्षणदार और माता श्रीमती
     माकुंतला अ० जवली, क्लब रोड, हुबली।
  - (iv) कुमार सुनील निर्मलकुमार जवली
    - (v) कुमार अजीत निर्मेलकुमार जवली
       (अल्पवेयी संरक्षणदार और माता श्रीमती निर्मिनी एन० जवली, क्लब रोड, हुबली।
  - (vi) श्री एम० पी० सन्मथीकुमार, पार्टनर मेससँ डी० एस० कांतराजय्या अँड कंपनी, पो० बा० नं० 22 मंडीपेट, नुमक्र ।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सन्पत्ती में हितबद हैं) को यह सूचना जारी कर के पूवाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेंगों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूजित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(1) हबली शहर वार्ड नं० 1, सी०टी०एस० नं० 2988 में 100 चदर यार्ड मापन के श्रेत्र में मंगलोर खपड़े के मकान और खुला जगह का आस्ती तहसीवन्दार आफीस के सामने स्थित है जिसकी नीमाएं :---

पूरब में : के० सी० सी० बैंक । पश्चिम में : श्री क्रुष्ण मंदिर ।

उक्तर में: यह आस्ती जो पहले श्री जी० आर० को घीकर के माल्की में या और अब श्री जे० पी० जवली इत्यादियों के माल्की में हैं।

दक्षिण में : वह आस्ती जो पहले श्रीमती कृष्णाबाई राममोहन कोघीकर के माल्की में था और अब श्री जे० पी० जवली इस्यादियों के माल्की में हैं।

(2) वार्ष नं० 1, सी० टी० एस० नं० 2986 में 1176 चदर यार्ड मापन क्षेत्र में मध्यभाग याने पूरव और उत्तर भाग का खुला जगह जिसका मापन 444 चदर यार्ड है और सीमाएं

पूरव में : के० सी० सी० बैक;

पश्चिम में : श्री कृष्ण मंदिर ;

उत्तर में : वह आस्ती जो पहले श्री गौरीशंकर आर० कोधीकर के माल्की में था और अब श्री जे०

पी० जवली इत्यादियों के माल्की में है।

दक्षिण में : 2 पायखाने, 1 स्नानग्रह, 1 बोरे वेल्, एक विशेष नल और पेडों के सहित सी० टी० एस० नं० 2987।

अरि० पार्थंसारथी,

तारीख : 30-11-197 सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हबली। प्ररूप आई० टी० एन० एस०....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज हुबली

मेत्राणी बिल्डिंग विद्यानगर हुबली-580021

हुबसी, दिनाँक 30 नवम्बर 1973

सं विदेश सं अतः, मझे आर वार्थसारथी, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण),अर्जन रेंज, हुबली आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सी० टी० एस० सं० 2985 वार्ड नं० 1 और सी० टी० एउ० सं० 2986, वार्ड नं 1 है जो हबली शहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, हुबली 7-6-1973 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधींन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (i) श्री विश्वनाथ राममोहन कोघीकर, निवृत्त असिस्टटेन्ट इृग् कंट्रोलर, बी०/13, कर्नाटक बिस्डिंग्स, मोघक लेन, बस्बई-16
- (ii) श्री अजीत विश्वनाथ कोघीकर, केराक विश्वनाथ राममोहन कोघीकर, निवृत्त असिस्टेट ड्रग् कंट्रोलर, बी०/13, कर्नाटक बिल्डिंग्स्, मोघक लेन, बश्बई-16।
- (iii) श्री दिक्षीप विश्वनाथ कोघीकर, केर आफ विश्वानाथ राममोहन कोघीकर, निवृत्त असिस्टेंट ड्रग् कंट्रोलर, बी०/13, कर्नाटक विल्डिग्स् मोघफ लेन, बम्बई-16। (अन्तरक)
- (i) श्री ज्वालाकुमार पद्नाभय्या जबकी, पार्टनर, मेसर्स न्यू मैसूर स्टोर्स, हुबली।
- (ii) श्री निर्मलकुमार पद्मनाभय्या जवली । पार्टनर मेसर्स न्यू मैसूर स्टोर्स, हुबली ।
- (iii) श्री डी॰ एस॰ काँनराजय्या, पार्टनर मेसर्म डी॰ एस॰ काँनराजय्या एन्ड कपनी, पो॰ बा. नं॰ 22, मंडीपेंठ, नुमकूर।
- (iv) श्री जी० एन० पधनाभय्या, पार्टनर मेसर्स डी० एस० काँनराजय्या एन्ड कंपनी, पो० बा० नं० 22, मंडीपेठ, नुमकूर। (अन्तरिती)
- 3. (i) कुमार विनय ज्वालाकुमार जवली(ii) कुमार अनिस ज्वासाकुमार जवली (iii) कुमार सुहास ज्वालाकुमार जबली अरूपवयी संरक्षणदार और माता श्रीमती शकुंतला जे० जवली, क्लब् रोड, हुबली।
- (ii) कुमारी सुनील निर्मलकुमार जवली (iii) कुमार अजीत निर्मलकुमार जवली (अल्पवयी संरक्षणदार और भाता श्रीमली निलनी एन० जबली, क्लब् रोड, हुवली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपित है)
- (iv) श्री एम० पी० सन्मिनकुमार, पार्टनर, में सर्स डी० एस० कौनराजय्या एन्ड कंपनी, पो० बा० नं० 22, मंडिपेठ, नुमकूर,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :--

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतक्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

# अवृत्यी

(1) वार्ड नं० 1, सी० टी० एस० नं० 2985, क्षेत्रः 204 चदर यार्ड । यह आसती हुबली शहर के तहसिल्दार कचहरी के सामने है और इस प्रकार सीमाबद्ध है:—

पुरव में : कें ० सी० सी० बैंक ;

पम्चिम में : श्री कृष्ण मंदिर

उत्तर में: रास्ता

दक्षिण में : सी० टि० एस० नं० 2986 (जैसे अनुऋम सं० 2 में लिखा गया है ) ।

(2) हुबली शहर बार्ड नं 1, सी टी एस : सं 2986; क्षेंस्र 1176 चवर यार्ड जिसमें उत्तर भाग का मकान जिसकी सीमाएं :—

पूरब में :-- के० सी० सी० बैंक ।

पश्चिम में :---श्री कृष्ण मंदिर :

उत्तर में : नं० 1 में लिखा हुआ आस्ती।

दक्षिण में : वह आस्ती जो पहले श्री गौरीशंकर के माल्की मे था और अब श्री जे० पी० जबली इन्यादियों के माल्की में है।

> आर० पार्थसारथी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज हबली ।

तारीख: 30-11-1973

मोहर ।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेंज, कलकत्ता

# कलकत्ता दिनाँक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-71/आर०-II/कैल/73-74---यत<sup>ः</sup>, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2 एफ० है, जो अलीपुर एवेन्यू कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेंसेंज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1973। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री डा॰ निरद बिजली राय (अन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चंद्र घोष (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

नं० 2 एफ० अनीपुर एवेन्यू कलकत्ता में 4 **कट्ठा** 8 वर्ग फीट जमीन।

> एम० एन० तिबारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज II

> पी० 13 चारॅगी स्क्वायर कलकसा

तारीख : 5-12-1973

> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता का नार्यालय

> > दिनांक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश स० ए० सी०-73/आर०-П/कैल/73-74-यतः मुझे एम० एन० निवारी श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यष्ट विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० 33 है, जो डा.० राजेन्द्र रोड भवानीपुर कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेंज कलकता मे भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते पह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितिभात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्चने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए थए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. श्री अमृनलाल जगन्नाथ परखा इन (अन्तरक)
- 2. मेसर्स अनामिका बिल्डर्स (प्रा० लि०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख धौर स्थान नियत किये जायेंगे धौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा धाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के धन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में चिया गया है।

## अनुसूची

नं० 33 डा० राजेन्द्र रोड, भवानीपुर कलकत्ता मे 5 कट्ठा 14 छट।क 4 वर्गफीट जमीन और मकानात आदि।

> (एम० एन० निवारी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कलकत्ता, 1

सारीख 5-12-1973

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज II, अलकत्ता

दिनाक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश स० ए० सी० 24/आर०-IV/कैल/73-74--यतः मुझे एम० एन० निवारी म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भ्रधीन सक्षम 26**9**@ के को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका \_\_\_25,000/— रुपये से श्र**धिक है** उचित बाजार मूल्य और जिसकी संवासाट नंव 6 है, जो सीव आईव टीव स्कीम-VI एम० कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वीणत है रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सब राजिस्ट्रार सियाल्दाह मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1973 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-लिखित किए गए हैं।

अतः , अबधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम मिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री विश्वनाथ तुलस्यान (अन्तरक)
- 2. श्री ओम प्रकाश शराफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिक्क एतद्-हारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्विधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाबर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एश्रद्दारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

नं० 104 नारकेल डांगा मेन रोड पर सी० आई० टी० स्कीम VI एम० का प्लाट नं० 6 जिसमें 5'68 कठ्ठा जमीन है।

> एम० एन० ति वारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पी०-13, चौरंगी स्क्वायर कसकत्ता

सारीख: 5-12-1973

6485

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० . . . . . . .

—च्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय, अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

सं० आर० ए० सी० 116/73-74—यत: मुझे एस० बाल-सुब्रमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रु० से भ्रधिक है और जिसकी मं० 5-4-8 कट्टलमण्डी है, जो जे० एन० रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1973 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे मन्तरण के लिए प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहो शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु .—

- श्री (1) नरमकदास (2) राजेन्द्र कुमार (अन्तरक)
   (3) अरविन्द्र कुमार 4-3-428,
   बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद।
- श्री मिट्टा जयपाल, 5-4-8 (अन्तरिती) कट्टलमण्डी, जे० एन० रोड़, हैवराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। एतद्क्षारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप,यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्सरिती को दी जाएगी!

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिमे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूचा

सम्पत्ति:---म० नं० 5-4-8, कट्टलमण्डी, जे० एन० रोड, हैदराबाद-50000।

> एस० बालसुक्रमण्यम, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-73

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

श्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 दिसम्बर 1973

सं अार ० ए० सी ० 118/73-74--- यतः मुझे एस० बाल ¹सुब्रमण्यम आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ंसे श्रधिक है भीर और जिसकी सं० प्लाट नं० 5, मलक पेट है, जो हैदराबाद में स्वित है (और इससे उपाबन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, आजम पूरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 25-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्टीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:—

अतः, अब, घारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (श्री पी० प्रभाकर रेड्डी सुपुत्र बाबुल (अन्तरक)
  रेड्डी, एडथोकेट 3-4-863, वरकतपुरा,
  हैदराबाद।
- श्रीमती उमराव कंवर पत्नी उम्मेदमल (अन्तरिती) कोठारी 16-2-170, मलकपेट, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को. जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदब्रारा आगे यह अधिसूचिव किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दौँ और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सम्पत्ति :— प्लाट मं० 5, जो मंजूरा ले आउट नं० 71, जो न्यायाधीश कालनी, मलक पेट, हैदराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्र 1179 वर्ग गज है।

> एस० बालसुषमण्यम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट

तारीख: 5-12-73

प्ररूप आई० टी० एत० एस०...

**भायकर अधिनियम**, 1961 (1961 की 43) की धारा 269 घ **(1)** के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कायलिय अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिगम्बर 1973

सं० आर० ए० सी० 119/73-74—यत मुझे एस० जाल-सुप्रहमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा-269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16-3-990 नया मलकपेंट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा मे भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुम्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-कं के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

- भी कर्नेल हमीक्षअर्था जल्द कर्नेश हक्षांक (अन्तरक)
   भार जग
   16-3-990, नया मलकपेट.
   हैदरभाक्ष।
- 2 श्री मोहमद अजसत श्रली गटः (अन्तरितो) मोहमदक्याज अला 16-3-990, नया मलर्गट, हैदरखाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

- (क) ध्स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्यव्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति:—स० नं० 16-3-990 का भाग नया मलकपेट हैदराबाद।

> एस० बाल स**ब्र**हमण्य**म,** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदगबाद।

तारीख: 5-12-73

भारत सरकार

सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कलकत्ता का कार्यालय, श्रर्जन रेंज-३,

कलकत्ता दिनाक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० सी०-72/आर०-II/कैल/73-74---यत:, मुझे एम०एन०तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास, करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2 एफ० है, जो अलीपुर एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है और इसमे उपब्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णितहै रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सज कलकत्ता भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) कै अधीन 9-6-1973 को पूर्वीकन सम्पति के उचित बाजार मूल्य से दुश्यमान प्रतिफल के लिए विलेख के अनुसार अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयक्तर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त् सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरूकरने के कारण मेरे ब्रारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. अ० निरव बिजली राम

(अस्तरफ)

2. श्री तेंपन घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो न

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपस्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

एतव्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है सवा सम्पत्ति के अस्तरिती को दी जाएगी ।

एतवृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नं० 2 एक ० अलीपुर एवेन्यू कलकत्ता में 4 कहा 3 घटाक और 4 वर्ग फीट जमीन।

> एम० एम० तिवारी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज-II पी०. 13 मीरंगी स्क्वायर कलकरा।

तारीख 5-12-1973

# संघलोक सेवा आयोग नोटिस

# 🖅 इंजीनियरी सेवा (इलैक्ट्रामिकी), परीक्षा, 1974

नई विल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर, 1973

सं० एफ० 3-4-73-ई०। (बी०)— भारत के राजपत, दिनांक, 8 दिसम्बर, 1973 में संचार मंत्रालय द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, बंगलौर, भोपास, बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, हैंबराबाद, जयपुर, मद्रास, शिलांग तथा विषेन्द्रम में 18 जून, 1974 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जायगी:—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंम्भ होने की तारीख में परिर्वतन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय-सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जायगा। (देखिए उपाबंध H, पैरा 10)

 वे पद जिन पर इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जानी है तथा विभिन्न पदों पर रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्निखिखत है :---

#### क्लास-I

 इजीनियर, वायरसस आयोजन एक समन्वय पक्ष/ अनुश्रवण संगठन, संचार मंद्रालय ।

Engineer in the Wircless Planning and Coordination Wing/ Monitoring Organisation Ministry of Communications.

उप-प्रभारी इजीनियर, समुद्रपार संचार सेना, संचार मंत्रालय ।
 (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित
 2 रिक्तिया सम्मिलित है )

Deputy Engineer-in-Charge in the overseas Communications Service, Ministry of Communications.

 सहायक स्टेशन इंजीनियर, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ।

Assistant Station Engineer in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

4. तकनीकी अधिकारी, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय । \*

Technical Officer in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

5. संचार अधिकारी, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय ।

Communication Officer in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation,

6. सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) तकनीकी विकास महानिदेशालय, औद्योगिक विकास महानिय, Assistant Development Officer (Engineering) in the Direc-

Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Development.

 उप आयुध पूर्ती अधिकारी, ग्रेड II भारतीय नौ सेना, रक्षा मंत्रालय ।

Deputy Armament Supply Officer, Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

#### क्लास-II

 सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी सूचना और प्रसारण मंद्रालय,<sup>1</sup>

Assistant Engineer in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

2. सहायक इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेमा, संचार मंत्रालय, । 34

(8 रिक्तियां अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है तथा 4 रिक्तियां अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)

Assistant Engineer in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.

 तकनीकी सहायक (क्लास II अराजपिक्षत), समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय ।

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 6 रिक्तिया तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीद वारों के लिए आरक्षित 3 रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

Technical Assistant (Class II non-Gazetted) in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं। उपर्युक्त संख्याओं में परित्रर्तम किया जा सकता है।

#### मोट 1.

अनुसूचित जातियों भ्रौर / या श्रनुसूचित श्रादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ग्रारक्षित समस्त रिक्तियों को भरने के लिए यदि इन जातियों के श्रपेक्षित संख्या में उम्मीदवार नहीं मिलते तो गेष श्रनभरी रिक्ति/रिक्तियों को श्रनारक्षित करके सामान्य उम्मीदवार/उम्मीदवारों की नियुक्ति द्वारा भरा जा सकता है। नोट 2:

उपर्युक्त पदों की रिक्तियों का कुछ अनुपात आपातकाल के दौरान सणस्त्र सेनाओं में अस्थायी आधार पर कमीणन प्राप्त एवं तद्वुपरात निर्मुक्त स्नातक इंजीनियरों के लिए आरिक्षत है। ये आरिक्षत रिक्तियां उपर्युक्त रिक्तियों में की संख्याओं में सिम्मिलित नहीं हैं। सणस्त्र सेनाओं में निर्मुक्त अधिकारियों में से चयन के पण्चात जो आरिक्षत रिक्तियां खाली रह जायगी वे इस प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर भरी जा सकती हैं।

3. जो उम्मीदवार उक्त परीक्षा में उत्तीर्ण होते हैं उन पर (संचार मंत्रालय की उपर्युक्त ग्रधिसूचना के उपाबंध III के पैरा 7 के श्रनुसार) केन्द्रीय सरकार के श्राधीन उन ग्रन्य पदों के लिए भी विचार किया जा सकता है जिनके लिए समान शैक्षिक योग्यताएं ग्रपेक्षति है 4 उम्मीवयार उपर्युक्त पैरा 2 मे उल्लिखिल पद्दो में ने किसी एक प्रथवा सभी के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतृ आवेदन कर मकता है।

यदि उम्मीदवार एक से श्रधिक पदो के लिए परीक्षा में प्रवेश बाहता है तो भी उसे केवल एक ही श्रावेदन पत्र भे जने की श्रावश्यकता है। उपाबध-I में उल्लिखित णुल्क भी उस केवल एक बार देना होगा उस प्रत्येक पद के लिए श्रलग श्रलग नहीं जिसक लिए वह श्रावेदन कर रहा है।

# ध्यान वें :---

उम्मीदबारों से अपेक्षित है कि वे अपने आवेदन पत्नों में उम पद/उन पदों की बरीयता के कम अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें जिनके लिए वे बिचार किये जाने के इच्छुक हैं। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता कम में उनके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर यथा सम्भव विचार किया जा सके। यदि वे केन्द्रीय सरकार के अधीन अन्य पदा पर अर्थात क्लाम I पदो तथा क्लाम II पदो (देखिये उपर्युक्त पैरा 3) पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हो तो वे उन्हें भी अपने वरीयता क्रम में सम्मिलित कर सकते हैं।

उम्मीदबारों को चेतावनी दी जाती है कि उन पदों पर उमकी नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जाएगा जिनका उन्होंने अपने आवेदन-पद्म में उल्लेख नही किया हो ।

5. परीक्षा मे प्रवेण पाने वाले उम्मीदवार को निर्धारित प्रावेदन-प्रपत्न पर मन्वि, सघ लोक मेवा प्रायोग, धौलपुर हाउम नई दिल्ली-110011, को श्रावेदन-करना चाहिए। निर्धारित प्रावेदन प्रपत्न तथा परीक्षा से सबद्ध पूर्ण विवरण एक रुपया भेजकर श्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किय जा सकते हैं। यह राशि मन्विव सघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्रार्डर कूपन पर उम्मी-दवार का नाम श्रौर पता तथा परीक्षा का नाम माफ बड़े शक्षरों में लिखा होना चाहिए मनीश्रार्डर के स्थान पर पोस्टल श्रार्डर या चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेगे। ये श्रावेदन-प्रपत्न भायोग के काउटर पर एक रुपया नकद देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की आयेगी।

नोट: - उम्मीबबारों को चेताबनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न इंजीनियरी सेवाएं (इलैक्ट्रानिकी) परीक्षा, 1974 के लिए निर्धारित मुक्रित प्रयत्न में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवाएं (इलैक्ट्रानिकी) परीक्षा, 1974 के लिए निर्धारित प्रयत्नों से इतर प्रयत्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्नो पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्न आवण्यक प्रलेखो सहित सघ सोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, क के पास 4 फरमरी, 1974 को या उसमे पूर्व (4 फरवरी से पहले किसी तारीख से विदेशों में तथा अडमान एवं निकोबार द्वीप समृह तथा लक्षद्वीप में रहने बाले जम्मीवजारों के मामले में, 18 फरवरी 1974 तक) श्रवश्य पहचे जाने चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी भी आवेषन पत्र पर विकृति मही किया जाएगा।

ग उक्त परीक्षा मे प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए भि वे भरे हुए आवेदन-पत्न के साथ आयाग के उपाबध ! में निर्धारित गुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करे।

जिन आविधन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होनी उन्हें एक दम अस्वीकार कर विया जाएगा । यह उन उम्मीवनारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध I के पैरा 2 के अस्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8 यदि कोई उम्मीदवार 1973 में ली गमी इजीनियरी मेवाए (इलेक्ट्रानिकी) परीक्षा में बैठा हो और श्रव इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए श्रावेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्ताय की प्रतीक्षा किए बिना ही श्रपना श्रावेदन-पल अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह श्रायोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पहच जाए। यदि वह 1973 की परीक्षा के परिणाम के माधार पर नियुक्ति हेतु श्रनुणामित कर दिया जाता है तो उसके मनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह की कर दी जायगी और उसकी उमी प्रकार शुक्त लौटा दिया जायगा जिम प्रकार उपावध 1 पैरा 3 के श्रनुमार उस उम्मीदवार का लौटा दिया जाता।

9. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पक्ष प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी बापस लेने से सबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति से स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एस० एस० पूथी उप सचित्र

### 'उपायनध-1

1 इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाल उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए ग्रावेदन-पत्न के माथ ग्रायोग को शुल्क के रूप में रू० 48 00, (ग्रनुसूचित जातियों तथा ग्रनुसूचित ग्रादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रू० 12.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्राजर द्वारा भुगतान ग्रवश्य करे।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामला को छोड़कर जो आबेदन-पन्न भेंजते समय विदेशों में रह रहे हो अन्य विधि में किए गए भुग-तान को स्वीकार नहीं करेगा । ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को सबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2 स्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे मकता है जब वह इस बात से ससुष्ट हो कि स्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसक बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्वे भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन तर भारत स्राया हुस्रा बास्त-विक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से बास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके

बाद भारत आया है या वह श्री लंका (भूतपूर्व लंका) से बास्तविक प्रत्यार्वितत मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर 1964 को विक्तिसके बाद भारत श्राया है, श्रीर निर्धारित शुल्क दे संकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीबार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर विया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उस रु० 30.00 (श्रनुसूचित जातियो और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापिस कर दी जायेगी। किन्तु यदि नियम, 6 के नीचे नोट 1 की गतौं के श्रनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का श्रावेदन-पत्न यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह श्रर्हक परीक्षा में श्रमफल रहा है श्रथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की श्रपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह गुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नोटिस के पैरा 8 में उपबन्धित व्यवस्था को छोडकर प्रन्य किसी स्थिति में भ्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की बापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायगा ग्रौर न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

# उपाबन्ध-II उम्मीदवारीं को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा में मंबद्ध नोटिस, नियमायली, आवेदन-प्रपत्न तथा विवरण संघ लोक सेठा आयोग के कार्यालय में प्राप्त किए जा सकते हूँ। उम्मीववारों को चाहिए कि आवेदन-प्रपन्न भरने से पहले वे नोटिस तथा नियमावली को ध्यान से पढ़ कर देख से कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न भी है या नहीं। निर्धारित शर्ती में छुट नहीं वी आएगी।

आवेदन-पक्ष मेजने से पहले उम्मीदबार को नोटिस के पैरा 1 में बिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा बेने का इच्छुक है, अंतिम रूप से खुन सेना चाहिए। सामान्यतः खुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अमुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

- 2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपन्न, साक्ष्यांकन प्रपन्न सथा पावती काई अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टिया/उत्तर गब्दों मे होनी चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-प्रपन्न अस्वीकार किया जा सकता है।
- (ii) भरा हुआ आवेदन-पन्न, साक्ष्यांक्षन पस्न तथा पावनी कार्ड सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को सीधे भेजना चाहिए ताकि वह उनके पास निर्धारित अंतिम तारीख तक अवष्य पहुच आए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग यदि चाहेतो, बिदेणो मे या अंडमान एवं निक्रोबार द्वीप समुह तथा लक्षद्रीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 4 फरवरी, 1974 से पहले विदेश में या अंडमान एवं निकोकार द्वीप-समूह तथा लक्षदीप में रह रहा था ।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसि-यत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इत्तर निर्माण प्रसारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन पन्न संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पन्न के अन्त में दिए गए प्रमाण-प्रक्ष को भर कर आयोग को अग्रेपित कर देगा।

गैर-सरकारी नौकरीं में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमा या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्न सीघे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता की माफेत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत कर सौपा गया हो।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के साथ निम्मलिखित प्रमाण-पत्न अवण्य भेजने चाहिए:—
  - (i) निर्धारित णुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भार-नीय पोस्टल आईर (वेब्बिए उपावध I)
  - (ii) आयु के प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि ।
  - (iii) गॅक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि
  - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां।
  - (v) जहां लागू हो वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावें के समर्थन में प्रमाण-पत्न की प्रति (देखिए नीचे पैरा 4)
  - (vi) जहां लागू हो वहा आयु में छूट/गुल्क मे छूट के दावे के समधन में प्रमाण-पत्र की प्रति (देखिए नीर्च पैरा 5)।

नोट: -- उम्मीववारों को अपने आवेदन-पतों के साथ उपर्युक्त मव (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तृत करनी है जो सरकार के किसी राजपन्नित अधिकारी द्वारा साक्ष्यांकित हों, अथवा स्वयं उम्मीववार द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीववार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते है, उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाव उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के अक्तूबर, 1974 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को उस समय मांगे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखमा चाहिए।

- मद (i) में (vi) तक में उल्लिखित प्रमाण-पत्न विवरण नीचे दिए गए हैं :—
- (i) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :——

प्रत्येक पोस्टल आईर अनिवार्यत. इस प्रकार रेखांकित किया जाए :⊸



तथा इस प्रकार भरा जाए --

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्बीकार नहीं किए जाएंगे । विरुपित या कटे फटे पोम्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल आर्डरो पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवस्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरन डाकघर पर देश किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

नोट: — जो उम्मीदनार आवेदन-पत्न भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (६० 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीद-वारों के लिए ६० 12.00 के बराबर) यथास्थिति, उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राणि को लेखा णीर्ष

"XXI-Miscellaneous Departments Examination Fees-Receipts of the Union Public Service Commission."

में जमा कर दें। उम्मीदनार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्न के साथ भेजे ।

(ii) आयु का प्रमाण-पन्न:—आयोग सामान्यती: जन्म की धह तारीख स्वीकार करता है जो मैदिकुलेशन के प्रमाण-पन्न या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पन्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैदिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैदिक पास छात्नों के रिजस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उसीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पन्न अथवा समकक्ष प्रमाण-पन्न प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैं ट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक पर्पक्षा प्रमाण-पन्न के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलित है। कभी-कभी मैंद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीद्र्यों को मैंद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रति-लिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैंद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-प त के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पन्न अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पन्न में लिखी जन्म की तारीख मैदि-कुलेशन प्रमाण-पन्न/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन- पन्न अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट:---जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल आयु से सबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2.:—उम्मीदवारों को व्याम रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अमुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शंक्षिक योग्यता का प्रमाण-पक्ष :— उम्मीदवार को अपने मूल प्रमाण-पन्न की एक प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि निथम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पन्न उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की एक प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अरोकित योग्यता से संबद्ध अपने दाने के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पन्न की प्रति भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाह्य नहीं होगा।

नोट 1. — यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ भुका हो जिमे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पान हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है, वगतें कि वह अहंक परीक्षा व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य सहित इस परीक्षा के प्रारंभ होने से पहले ममाप्त हो जाए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने की यह अनुभित अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य

सहित निर्धारित प्रपत्नं में जल्दी और हर हालत में परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नही करते को यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

# अर्हक परीक्षा में उसीर्णता के निदर्शन में प्रमाण-पत्न

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कृमारी\*....
 सुपुत/ सृपुत्री/ ने\*.....
 सुपुत/ सृपुत्री/ ने\*.....
 जो इस कालेज के /की\* छात्र/छात्रों\* हैं......
 परीक्षा उत्तीर्ण की और......डिग्री प्राप्त करने हेतु पात्र बनने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य पूरा किया तथा उन्हें.......श्रेणी मिली है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उन्होंने की डिग्री की प्राप्ति हेसु व्यावह।रिक प्रशिक्षण/परियोजना कार्य सहित सभी अपेक्षाओं को.....पूरा कर लिया है।

- प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*
  ... मुपुत्र/सुपुत्री\*
  ... मास, 19 मे
  ... द्वारा आयोजित
- .....परीक्षा में बैठने वाले/बैठने वाली/ बैठे/बैठी\* हैं और उपर्युक्त परीक्षा व्यावहारिक प्रणिक्षण/परियोजना कार्य\* सहित जिससे वे.....िछप्री प्राप्त करने के पास्न होंगे/होंगी\* संभवतः....

19.... को समाप्त हो जाएगी।
हस्ताक्षर.....
पदनाम....
संस्था का नाम....

कहां स्थित है......

दिनांक...... \*जो लागू न हो, काट दें।

नोट 2.:—इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जिसके पास नियम 6 (ङ) में उल्लिखित योग्यता हो, संबद्ध कालेज/संस्था विश्वविद्यालय के प्रिसिपल/डीन से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह उक्त नियम में उल्लिखित विशेष विषयों में किसी एक के साथ एम० एस-सी० डिग्री या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण/सम्मिलित हुआ है।

(iv) फोटो की तीन प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें॰ मी॰ × 7 सें॰ मी॰) के फ़ोटो की तीन एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक एक प्रति अमशः आवेदन-पन्न तथा साक्ष्यांकन पन्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तीसरी प्रति आवेदन पन्न के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फ़ोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्याम वें :--- उम्मीदबारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई भावेदन-पत्न उपर्युक्त पैरा 3 (ii), 3(iii) तथा 3 (iv) के भन्तर्गत उल्लिखित प्रलेखों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता भौर उसकी भनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पन्न अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी प्रस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा जो प्रलख आवेदन-पन्न के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पन्न प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे आयोग के कार्यालय में उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गई क्यवस्था को छोडकर हर हालत में आवेदन-पन्न स्वीकार करने की ग्रंतिम तारीख के एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। श्रन्यथा श्रावेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनु-सूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य मण्कार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पवों पर नियुक्ति के लिए आवेधन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्म :--

			प्र	म	π	ù	ส	1	4	ī	П	3	11	त	T	5	वि	F	25	η/	প্ৰ	ÌΨ	તં	1/	Ŧ.	Ħ٦	रं	†	٠.						
														. ;	मुष	रु	<b>1</b> /3	सु	पुर	ft	*	5	भी	Γ											
																			जं	Ť	ग	lа	/=	Бŧ	ূৰ	г*	:								
																		.f	जा	ना	/=	İ	d	*											
													. 7	a	3	4/	स	घ	*		रा	æξ	Ŧ		ę	नेद	<b>1</b>								
																			ঙ																
हे	f	ज	से	f	न	F	τſ	ल	स्	बर	đ	के	3	Ŧ	f	न	Ŋ	न्	ुसू	चि	1त	•	۲T	ति	r/3	य÷	Ţ₹	Įθ	वर	त्रश	٠,	भ्र	ď	दम	1
																			है						•		_								

बम्बई पुनर्गठन ग्रधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन ग्रधिनियम, 1966, के साथ पठित श्रनुसूचित जातियों श्रीर श्रनु-सूचित श्रादिम जातियों की सूचियां (संशोधन) श्रादेश, 1956\*

संविधान (जम्मू भ्रौर काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956।\*

संविधान (ग्रंडामान ग्रीर निकोबार-द्वीप-समूह) श्रनुसूचित श्रादिम जातियां श्रादेश, 1959।\*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां, श्रादेश, 1962।\*

संविधान (दादरा ग्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित श्रादिम जातियां श्रादेश, 1962।\*

संविधान (पाष्टिवरी) श्रमुसूचित जातिया श्रादेण, 1961 । <sup>8</sup>
मं <b>विधान (ग्रनुस्</b> चित ग्रादिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश, 1967 । <sup>‡</sup>
संविधान (गोभ्रा, दमन तथा दियु) में श्रनुसूचित जातिया श्रादेश, 1968।*
मंबिधान (गोम्रा, दमन तथा दियु) श्रनुसूचित ग्रादिम जातियां म्रादेश, 1968।*
संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970।*
2. श्री/श्रीमती/कुमारी *
**पदनाम
(कार्यालय की मोहर)
तारी <b>ख</b> राज्य <sup>क</sup>
संघ राज्य क्षेत्र

\*जो णब्द लागून हीं उन्हें कृपया काट दे।

नोट:---यहां "आम तौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिज्स्ट्रेट/ सिटी मजिस्ट्रेट/सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट\*/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टट कमिश्नर।
- \* (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)
  - (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
  - (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहलीलबार से कम न हो।

- (iv) उस इलाके का सब-खिबीनजल अफसर जहा उम्मीद-बार और/या उसका परिवार जाम तौर में रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचित्र/चेर्धलप-मेन्ट अफसर (लक्षद्वीप)।
- 5. (i) नियम 5 (ग)(ii) अथवा 5(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में में किसी एक से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवजन कर भारत आया है:—
  - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रो अथवा विभिन्न राज्यो में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मैं जिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) संबद्ध जिलो में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अप्तिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
    - (4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का मब-डिवीजनल अफसर।
    - (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी अंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुरूक में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपित्रत अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए की वह निर्धारित शुरूक दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ग) (v) अथवा 5 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमामें छूट का दावा करने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः धारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण पत्न की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, के भारत श्रीलंका कि समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपायन्ध्र I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपितत अधिकारी से अथवा ससद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ग) (viii) अथवा 5 (ग) (iX) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले वर्मा से प्रत्यावतित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्न की प्रतिनिपी यह दिखलाने के लिए

प्रस्तृत करनी चाहिए कि बह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को, या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह शिवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ बास्तविक प्रत्यावितत व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसीं राजपन्नित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शृत्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

- (iV) नियम 5 (ग) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा मे छट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिन्मिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पन्न की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।
- (v) नियम 5 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह **वास्तव** में उपर्युक्त देशो से आया है ।
- (Vi) नियम 5 (ग) (x) अथवा 5 (ग) (xi) के अन्तर्गतः आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय, से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्न की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अणांतिग्रस्त क्षेत्र में फोजी कार्यवाही के दौरान विकलाग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मक्त हुआ ।

# उम्मीववार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फ़ार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट---\_\_\_\_\_ श्री -\_\_\_ ---- रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शब् देश के साथ संवर्ष में/अशांति\* ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मक्त हुए । हस्ताक्षर -----

पदनाग ----THAPE -- -----

\* जो शब्द लागु न हो उसे कृपया बाट दे।

(vii) नियम 5 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-पीभा में छट ाहने वाल गोआ, दमन और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्भीदवार को अपनी भाग की पुण्टि के लिए निस्नलिखित प्राविकारियों में रो 18-356QI/73

किसी एक से लिए गए प्रभाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक।
- (2) कौमलहोस के प्रशामक (Administrator of Concelhos) 1
- (3) मामलतदार।
- (viii) नियम 5 (ग) (xiii) अथवा 5(ग) (xiv) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फ़ार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सूरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शतुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

# उम्मीववार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फ़ार्म

प्रमाणित वि	केथा जात	ता है	कि	यूनि	ਟ :	٠.	• •	٠.	• •	• •	•	• •
		٠	• • •	के रे	क	नं ०	٠.	٠.	٠.	٠.	र्स	ोमा
सुरक्षा दल में व	गर्यं करते	हुए	19	71	के भ	गरत	<b>१-</b> प	क	शर्	ुता	सं	घर्ष
के दौरान विकर	तांग हुए	और	उस	विव	क्लां	गत	कि	प	रिण	- 11म	स्व	रूप
निर्मुक्त हुए ।												
	हस्ताक्षर		٠.		•,•	٠.		٠.	٠.	٠.	•	٠.٠
	पदनाम	• • •	• • •		٠.	٠.	٠.	٠.	٠.		•	٠.
	2											

- 6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पालता-प्रमाण-पत्न (एलि-जिबिलिटी सार्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पानता प्रमाण-पन्न प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के पर्यटन और सिविल विमानन/सूचना तथा प्रसारण /संचार/रक्षा/औद्योगिक विकास मंद्रा-लय को आवेदन करना चाहिए।
- 7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्न भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्सन करे और न कोई फेरबदल करे और न ही फेरबदल किए गए झुठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उन की प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

 आवेदन पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क रवीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपन्न ही अगुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही रवतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में नैटन का पाव हो गया है।

- 9. यदि परीक्षा में संबद्ध आवेदन-पत्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पंद्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।
- 10 इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी हा दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने-आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में सघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रक्रन पत्नो से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियो की बिक्की मैंनेजर आफ पिल्लिकेंगन, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14, 'जनपथ बैरक्स "ए", नई दिल्ली-(110001) (ii) प्रकाशन शाखा का बिकी काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001) और (iii) गवनमेंट आफ़ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाए विभिन्न मुफ़स्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 12. आवेवन-पन्न से संबद्ध पन्न-ध्यवहार :---आवेवन-पन्न से संबद्ध सभी पत्न आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011; को भेजे आएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया आए :--
  - (1) परीक्षा का नाम
  - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
  - (3) उम्मीदवार का रोल नंबर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
  - (4) उम्मीववार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों मे)
  - (5) आवेदन-पत्र में विया गया पत्र व्यवहार का पता।

व्यान दें:---जिन पत्नों आवि में यह ब्यौरा नही होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में पश्चिर्तन :—-उन्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पद्ध में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्त आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीन्न दी जानी चाहिए। यद्यपि, आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है किन्तु इस सववय ने वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

# संघ लोक सेवा आयोग विज्ञापन सं० 49

निम्नलिखित पदो के लिए आवेदन-पत्न आमंत्रित किए गैति हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु सीमाओ के अतर्गत होनी चाहिए, किन्तू सरकारी कर्मच।रियो को, उन पदों को छोड़कर जिनके सबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छुट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगाडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयुतक छूटदी जा सकती है। अनु-सूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोडकर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी म्थिति में 3 वर्ष से अधिक नही होगी । अन्य दुष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे, तो, योग्यताओं में छुट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेसन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्न और त्रिवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपन्न के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन स० एवं मद-संख्या अवण्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें०मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफ़ाफ़ा भेजना चाहिए। लिफाफ़े पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपन्न मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्त 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तृततः विस्थापित तथा 1 जुन, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमणः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यार्वातत व्यक्तियो का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थत. निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अर्लग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पन्न भेजना चाहिए । विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्न न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं। और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा । हरू 8:00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए ६० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईर सहित, आवेदन-पन्न स्वीकार करने की अतिम तारीख 7 जनवरी, 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमृह तथा लक्ष द्वीप में रहने वाले आवेदको के लिए 21 जनवरी, 1974), है । खजाना रसीदों को स्वीकार नही किया जाएगा ।

कम -संख्या 12 का एक पद तथा कम-संख्या 5, 7 तथा 13 के पद स्थायी है किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी अधार पर की जाएगी। कम-संख्या 9 तथा 14 के पद अस्थायी है किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। कम-संख्या 2. 3, 4, 15 तथा 16 के पद अस्थायी है विन्तु उनके अनिष्नित काल तक चलते

रहने की संभावना है। क्रम संख्या 10 का पद अस्थायी है किन्तु उसके वीर्धकालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 1, 6, 8 तथा 11 के पद अस्थायी है किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 12 का एक पद अस्थायी है।

कम-संख्या 3 के दो पद तथा कम-संख्या 6 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है। कम-संख्या 3 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है। कम-संख्या 14 पद, यदि ऐसे उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है अन्यथा उसे अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है अन्यथा उसे अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत समझा जाएगा और केवल अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों है। कम-संख्या 9 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है: और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत है: और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरिक्षत रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारिक्षत समझा जाएगा।

अम-सख्या 3 के दो पद तथा कम-संख्या 7 का पद, यदि ऐसे उम्मीदियार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हे 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हो/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अयोग हो/निर्मुक्त होने यलि हो अन्यथा उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा।

- 1. एक नौ इंजीनियर, वेसापवर्ती (Pelagic) मास्यिकी परियोजना, कोचीन । वेनन :—ए० 700-50-1250 । अायू-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्थ:—वाणिज्य नौ विभाग द्वारा जारी किया गया प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी इंजीनियर (मोटर) के रूप मे बी० ओ० टी०/एम० ओ० टी० सक्षमता प्रमाण-पत्र । अथवा वाणिज्य नौ विभाग द्वारा जारी किया गया मळलीमार जल्यान (मोटर) के इंजीनियर के रूप में सक्षमता प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष योग्यता ।
- 2. एक वरिष्ठ वंशानिक अधिकारी ग्रेड !, वंमानिकी निवेशालय, अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन : रु० 700-50-1250 । आयु-सीमा .--वरीयत. 40 वर्ष से कम । योग्यताएं . अनिवार्य :-- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से दूर-संचार उंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) रेडार, मंचार और/या नी चालन के क्षेत्रों में अनुसंधान, अभिकल्पन और विकाम का लगभग 4 वर्ष का अनुभव ।
- 3. ग्यारह सहायक निवेशक (ग्रेड I) (यांक्षिक), लघु उद्योग संगठन, औद्योगिक विकास मंत्रालय । वेतन: २० ४००-४००-४५०-३०-६००-३५-६७०-द० रो०-३५-९५० । आयु-सोमा ३५ वर्ष । योग्यनाएं अनिवार्ष किसी मान्यता प्राप्त विश्वांत्रद्यालय/सन्था ने यांत्रिक इजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता ।

- 4. तीन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन:----रु० 400-40-800-50-950 I आयु:--वरीयतः 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :--वर्ग I के लिए (1 पद ) --(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय. से वैद्युत् इजीनियरी मे द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वैद्युत् नियंत्रण पद्धतियो के अध्ययन और विश्ले-षण मे लगभग दो वर्ष का अनुभव । वर्ग 🎹 के लिए (1 पद) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से याँत्रिक इंजीनियरी में हितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) निम्न-लिखित क्षेत्रों मे मशीन अभिकल्पन का लगभग दो वर्ष का क्षेत्र-गत अनभव :---(क) रोटेरी मशीनों का अभिकल्पन और विकास, (ख) जटिल याँतिक ऋियाविधि विण्लेषण, (ग) गीयर और अन्य शक्ति चालित यत्नो का अभिकल्पन । वर्ग-III के लिए (1 पद):--(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत् संचार इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अंकीय परिपथों के अभिकल्पन में लगभग दो वर्ष का अनु-🗸 भव और अंकीय कम्प्यूटर हार्डवैयर का प्रगाद भान ।
  - 5. बस्स्र अभिकल्पन का एक वरिष्ट आख्याता, भारतीय हथ-करघा, प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी, वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, वाणिज्य मंत्रालय । वेतन :—क० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा:— 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से वरीयत : बुनाई तथा वस्त्र अभिकल्पन में विशेषज्ञता के साथ वस्त्र उत्पादन में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वस्त्र अभिकल्पन अथवा उक्त उद्योग में लगभग 3 वर्ष का अध्यापन अनुभव।
- 6. वो सहायक निवेशक ग्रेड I (रंजन— Dycing), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, वाणिज्य मंत्रालय। घेतन : २० ४००-४००-४५०-३०-६००-३५-६७०-६०० रो०-३५-९५०। आयुन्सीमा :— ३५ वर्ष । योग्यताएं . अनिषार्य .—:—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र रसायन विज्ञान या रसायन प्रौद्योगिकी में डिग्री या रसायन विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी वस्त्र, ऊनी या कृत्विम कपड़ा मिल में दायिन्त्वपूर्ण हैसियत से रजक (dyer), विरेंजक (Bleacher) या परिसज्जक (Finisher) के रूप में अथवा कपड़ा या रग और रसायनों के प्रसाधन से सब्ब किसी सरकारी या अर्द्ध सरकारी संगठन में लगभग ३ वर्ष का अनुभव।
- 7. सिंघल इंजीनियरी का एक आख्याता, बिल्ली इंजीनियरी कालेज, बिल्ली, बिल्ली प्रशासन । बेतन :— रू० 400-400-800-50-950 । आयु-सीमा .— 35 वर्ष । योग्यताएं . अनिधार्य किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में कम से कम इतीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में कम से कम 3 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान/व्यावसायिक अनुभव, । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में कम में कम बितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

- 8. एक स्किपर, बेलापवर्ती मात्स्यिकी परियोजना, कोचिन। वेतन :— ६० 725-25-900। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएं : अमिवार्यः :— (i) वाणिज्य नौ विभाग द्वारा किसी मछलीमार जलयान के स्किप्र के रूप में जारी किया गया समकक्ष सक्षमता प्रमाण-पन्न।
- 9. एक सहायक इंजीनियर (कर्मशाला), एकृति मात्स्यकी परियोजना, एर्नाकुलम, कृषि मंद्रालय । वेतन :— ६० ३५०- २५-५००-३०-५००-द० रो० ३०-४०० : आयु सीमा :— ३० वर्ष । योग्यताएं अनिवार्य ::—(II) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से याँतिक या नौ इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी नौ कर्मशाला में अनुरक्षण और मरम्मत का अनुभव ।
- 10. एक सहायक मुद्रा रसायनज्ञ कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। येतनः च्रु० 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द०रो० 30-830-900। आयु-सीमाः—30 वर्ष। योग्यताएं : अिनवार्यः—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान या मृदा विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान या मृदा विज्ञान या कृषि रसायन विज्ञान या मृदा विज्ञान से साय कृषि रसायन विज्ञान के साथ कृषि विज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मृदा रसायन विज्ञान में लगभग 2 वर्ष का अनुसंधान अनुभव (प्रमाण प्रस्तुत किया जाए)।
- 11. एक सहायक निदेशक, अभिलेखागार (अभिलेख एवं प्रकाशन), भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार, शिक्षा और समाज कल्याण मंद्रालय । वेतन :--- १० वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय रे आधुनिक भारतीय इतिहास में द्वितीय श्रेणी की "मारटर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) पुराभिलेख विज्ञान से संबद्ध ज्ञान ।
- 12. **दो सहायक निवेशक, ग्रेट** 1 (अभिकल्पम), यस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई, वाणिज्य मंत्रालय । वेसन: ह० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयुःसीमा: 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य: (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से लिलत या प्रयुक्त कला में डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) वस्त्र कला अभिकल्पन में लगभग 3 वर्ष का प्रशिक्षण तथा अनुभव अथवा लिलत कलाओं के अध्यापन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।
- 13. एक सहायक निवेशक, ग्रेड ! (लागत), बस्त्र आयुक्त का कार्यालय, वाणिज्य मंत्रालय । वेतन :—र०-400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयुक्तिमा :— 35 वर्ष ! योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान अथवा भारतीय लागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान का "एसोणिएट" अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) लागत एवं वित्तीय समस्याओं से संबद्ध कुछ अनुभव ।
- 14. राजनीति विज्ञान का एक आख्याता, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, रक्षा मंत्रालय । वेतन :--- र . ४०० 40-800-50-950 । (र॰ 150/- के विशेष भत्ते के साथ)

- आयु-सीमा: 35 वर्ष । योग्यताएं अनिवायं (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से राजनीति विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यति साथ अच्छा शैक्षिक वृत्त । (ii) लगभग 2 वर्ष का अध्यापन/अनुसधान अनुभव।
- 15. एक सहायक रोजगार अधिकारी, रोजगार तथा प्रशिक्षण हानिदेशालय, श्रम और रोजगार विभाग, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय वेतन:—क 325-15-475-द रो०-20-575 आयु-सीमा 30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवृध्यं (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थ णास्त या साख्यिकी या मनोविज्ञान या शिक्षा शास्त्र में "भारटर" डिग्नी अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) समाजगत आधिक अन्वेषण या अनुसंधान का लगभग एक वर्ष का अनुभव जो वरीयत : जनसांख्यिकी, रोजगार और बेरोजगारी और/या जन शक्ति की समस्याओं से संबद्ध हो । (iii) रोजगार सेवा कार्य का झान ।
- 16. एक तैराकी शिक्षक, भीड़ा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन, चंडीगढ़ । वेतन :— र० 300-25-700 । आयु-सीमा :— 30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य:— (i) मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) राष्ट्रीय त्रीजा संस्थान, पटियाला से नैराकी शिक्षक के रूप म अईता प्राप्त करने का प्रगाण-पत्न ।

# इंजीनियरी सेवा (इलॅक्ट्रानिकी) परीक्षा, 1974

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आकाणवाणी सहित भारत सरकार के कुछ संगठनो/विभागों, समुद्रपार संचार सेवा, सिजिल द्विमानस विभाग, तकनीकी विकास महानिदेणालय, भारतीय नौ सेना (उप आयुध पूर्ति अधिकारी) में क्लास-ितथा क्लास II के पदा पर भनी के लिए इलैंबट्रानिकी में योग्यता रखने वाले उम्मीयवारों के लिए 18 जून, 1974 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

- 2. आयु-सीमाएं:—1-1-1974 को 20-30 वर्ष अर्थात उम्मीदवारों का जन्म 2 जनवरी, 1944 में पूर्व का तथा 1 जनवरी 1954 के बाद का नहीं होना लाहिए (जिन उम्मीदवारों का जन्म 1 जनवरी, 1954 के बाद हुआ था किन्तु 1 अगस्त, 1951 के बाद नहीं वे भी विशेष मामले के रूप में पात हैं)/अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा परीक्षा-नियमावली में उत्लिखित कुछ अन्य वर्गा के उम्मीदवारों को अपरी आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है।
- 3. योग्यताएं :— इंजीनियरी मे डिग्री, अथवा इंजीनियर संस्था (भारत) की परीक्षा संस्था के सैक्शन' 'ए०" तथा "बी०" मे उत्तीर्णता, या दूर-संचार इंजीनियर सम्था (भारत) की ग्रैनुएट मैम्बरिशप परीक्षा, अथवा वायरलैस सचार, इलैक्ट्रानिकी, रेडियो भौतिकी या रेडियो-इंजीनियरी के विशेष विषय सहित एम० एग० सी० डिग्री या समर्वक्ष योग्यता, अथवा इस प्रयोजन के लिए मान्य कुछ अन्य योग्यताए।
- 4. परीक्षा ने संबद्ध पूर्ण विधारण तथा आधेदन-प्रपद्ध सिविः सम्ब लोक सेवा आयोग, धौलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011

से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर एक रुपया नक्द देकर प्राप्त किया जा सकते हैं। उम्नीदवारों को मलिशिंडर कूपन पर इंजीनियरी सेवा (इलैक्ट्रानिकी) परीक्षा, 1974" स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी बड़े, अक्षरों मे साफ-साफ लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं। किए जाएने। भरे हुए आवेदन-पन्न सध लाक सेवा आयोग क पास 4 फरवरी 1974(विदेशों में तथा अडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह ओर लक्ष-द्वीप भे रहने वाले सम्भीदवारो द्वारा 18 फरवरी, 1974) तक अवस्य पहुंच जाने चाहिए ।

> जणोक चन्द्र बन्धोपाध्याय, सचिव, सद्य लाक सेवा आयोग

# MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

Nasik Road, the 6th November 1973

No. 3771/(A).—Di. (Mrs.) A. C. Awalgaonkai, M.B.B.S., II. Medical Officer, India Security Press Hospital, Nasik Road appointed on ad hoc basis initially for three months with effect from 20-11-69 and last extended upto 30th September 1973 vide Notification No. 2377/(A) of 27-8-73 will continue as such on the same terms and conditions upto 31st December 1973 or till the Post is filled on a regular basis, whichever is carlier.

#### The 19th November 1973

No. 4227/(A).—The undersigned is pleased to appoint Shi Damodai Vithal Harkare, a permanent Head Accountant, Currency Note Piess, Nasik Road in Class III non-gazetted post to officiate as Accounts Officer in India Security Piess (Class II Gazetted post) on ad hoc basis for a period of 3 months w.e.l the foreneon of 19th November 1973 or till the post is filled on a regular basis whichever is carlier.

#### The 20th November 1973

No 4240/(A).—Shri I. S. Paul, Security Officer, India Security Press, Nasik Road, appointed on ad-hoc basis initially for one year w.e.f. 1st January 72 vide Notification No. 3797/A of 1st January 72, will continue as such on the same terms and conditions for a further period upto 31-12-73 or till the post is filled on a regular basis, whichever is carber.

V. J. JOSHI

General Manager India Security Press

### MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

Department of Labour and Employment

Labout Bureau

Sımla-171004, the

197

No. 23/3/73-CPI.—The All-India Consumer Price Index for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by six points to reach 254 (Two hundred and fifty four) during the month of October, 1973. Converted to base 1949=100 the index for the month of October, 1973 works out to 309 (Three hundred and nine).

K. K. BHATJA Director

# Coal Mine, Labour Welfare Organisation

Dhanbad, the 19th October 1973

S.O. No. P. 8(11)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1)(b) of Rules 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby nominate Sri Mahip Singh, Atea General Manager, Pench Valley Area (Coal Mines Authority Ltd), Parasia, Near Chhindwara, M.P. and Sri A. B. Shah, Area General Manager, Nagpur, C/o Managing Director, Coal Mines Authority Ltd. Western Division, Nagpur 17 members of the Madhya Pradesh, Mahuastra & Rajasthan Coalfield Sub Committee constituted in this office Notification No. P. 8(11)67 dated 12-1-73 vice Sti G.

Srinivasan, Chief Mining Engineer, Dadabhoy's New Chirimira Ponri Hill Colliery and Sr. D. D. Diddee, General Manager, M/s. Oriental Coal Co. Ltd. and makes the following further amendments in the said notification; namely:—

(i) for the entry—"Sl. No. 5—Sri G. Srinivasan, Chiel Mining Engineer, Dadabhoy's New Chirinusi Ponri Hill Colliery"—the entry Sl. No. 5—"Shri Mahin Singh, Area General Manager, Pench Valley Area, Coal Mines Authority Ltd., Parasia" shall be substituted

and

(ii) for the entry—Sl. No. 6—"Sri D. D. Diddee, General Manager, M/s. Oriental Coal Co. Ltd., Nagpur" the entry Sl. No. 6—"Sri A. B. Shah, Area General Manager, Coal Mines Authority Ltd., Western Division, Nagpur" shall be substituted.

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commissioner,
Dhanbad

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING Film & Television Institute of India

Poona-4, the 14th November 1973

No. A. 19011/2/73-Est,—Shri P. V. Diwakar is appointed as instructor in Art Direction in an officiating capacity in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800 with effect from 15-10-1973 (A.N.) at the Film and Television Institute of India, Poona, until further orders.

D. N. DIXIT Director

#### DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th November 1973

No. A-30014/1/73-SVI.—'The Director General, All India Radio, hereby appoints 3hri J. K. Doshi, Audience Research Officer, All India Radio, Jappur in a quasi-permanent capacity in that post with effect from the 8th July 1972.

#### The 13th November 1973

No. 6(53)/63-St.—The Director General All India Radio, hereby appoints Shri J. P. Sharma, Transmission Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi as Programme Executive in the same office on an ad hoc basis with effect from the 3rd October, 1973 until further orders.

No. 6(63)/63-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Shri Ch. Prasada Rao. Transmission Executive, All India Radio, Vijayawada as Programme Executive, All India Radio, Vishakhapatnam on an ad hoc basis with effect from the 23rd October, 1973 until further orders.

#### The 15th November 1973

No. 12/1(1)/73-Vig.—The Director General, All India Radio, appoints Shii V. S. Stivastava, Poultry Inspector in the U.P. Institute of Agricultural Science, Kanpur, as Farm Radio Officer at AIR, Udaipur, with effect from 17th October, 1973 in a temporary capacity until further orders.

SHANTI LAI.
Deputy Director Administration,
for Director General

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th November 1973

Ref. No. F. 30(ACQ)/Hapur/73-74/1973.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Village Patna, Pargana &

Tehsil Hapur, Distt. Mcerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hapur on 27-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Sobran Singh S/o Sri Bahadur Singh, Delhi Road, Kasba Hapur, Meerut.

(Transferor)

Shri Dhyan Singh S/o Sri Jassa Singh R/o Raghubirgani, Kasba Hapur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land of Khata No. 128 measuring 33 bigba, 5 biswa and two biswansi (One third share) and Khata No. 142 measuring 15 biswas and 3 biswansi situated in village Patna, Pargana and Tehsil Hapur, Distt. Meerut.

Y. KHOKHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax.
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 19-11-73

Soal:

FORM ITNS-

 Shri Musaddi Lal S/o Ram Prasad R/o Jam Khurd, Parg. & Tehsil & Distt. Mecrut.
 (Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th November 1973

Ref. No. F. 1(Acq)/Mecrut(3395)/73-74.—Whereas, I, Y, KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at Kasba, Pargana, Tehsil and Dist. Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meetut city on 22-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the

stated in the said instrument of transfer with the

- liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arsing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeds for the acquisition of the aforesaid properly in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-track, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 S/Shri Brahma Singh, Hamarun Singh & Heri Singh
 O Th Balle Singh, R/O Brahmapuri, Distt. Mecrut (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of this 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

18. Biswas pukhta land Bhumidhari Number Khasra 1069; 12 biswas of plot No. 1069A and 6 biswas of plot No. 1069 situated at Kasba Meerut, Pargana, Tehsil and District Meerut thalf share).

Y. KHOKHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Incomo-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 26-11-73

Seal:

FORM ITNS-

Ch. Shoo Singh 5/O Ch. Amar Singh, Vill. Sutharja, tehsil Meth Distt, Mathura.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th November 1973

Ref. No. F. 1(Acq)/Meerut/4074/73-74/1986.—Whereas, 1.

Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as in schedule situated at Village Islamabad Chhillera, Pargana, Tehsil and Distt, Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut city on 13-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purnoses of the Indian Income-lax Act 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2690) of the Incomp-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per ons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a night to be heard at the hearing of the objections.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Half share in agricultural land of Bhumidhari Khata No. 10, Khasra No. 315/3 measuring 7 bighas, 5 biswas pukhta and 1 lih share in khasia No. 315/2 measuring 3 biswas and 5 biswansi pukhta and half share in tubewell installed with ten Horsepower Motor and one ahata consisting two rooms two storeyed, one store and one tin shed situated in village Islamabad Chhillera, Pargana, Tehsil and District Meerut.

> Y. KHOKHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

1 Dr. Ishwar Singh S/O Ch. Pyare I al, R/O Begum B ideo Road, Meetut,

(Tiansferor)

Date: 27-11-73

Seal:

 Shrl Brijendra Pal Singh S/O Ch. Sheovaran Singh, R/O 293, Abu I ane, Meerut Cantt.

(Transferee)

6503

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th November 1973

Ref. No. F. 1(Acq)/4077/Meerut/73-74/1987 —Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as in schedule situated at Village Islamabad Chhillera. Pargana, Tehsil and Distt, Meetut

#### (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut city on 13-7-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 at 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

1. Smt. Sheela Devi w/o Ranjit Singh R/O Begum Bridge Road Meerut. (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDUI E

Half share in agricultural land of Bhumidhari Khata No. 10, Khasra No. 315/3 measuring 7 bighas, 5 biswas pukhta and 4th share in khasra No. 315/2 measuring 3 biswas and 5 biswansi pukhta and half share in tube well installed with ten horsepower motor and one ahata consisting two rooms two storeyed, one store and one tin shed situated in village Islamabad Chhillera Parana Tehsil and District Meerut.

Y. KHOKHAP

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Kanput

Date: 27-11-73

Seal:

19—356**GI**/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACC, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madrus 6, the 22nd November 1973

Rei. No. F. XIX/1(11)/3/73-74—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Srlpuram Colony, Tirunelveli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Tirunelveli on 16-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Pitchammal, W/o Late A. Subramania Achari, 2. A. S. Gopalakrishnan, S/o Late A. Subramania Achari, 3. A. S. Muruganaudham, S/o Late A. Subramania Achari, 4. Dhanalkshmi D/o Late A. Subramania Achari, 5. Gomathy D/o Late A. Subramania Achari, Perumal North Car Street, Tlrunelvell Junction. (Transferor)
- (2) Nellai Saw Mills, Sripuram, Tirunelveli Junction. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 48 cents (20681 sq. ft.) in Survey No. 567/3, T. S. Ward 10, Block 18, T.S. No. 1362/3B situated at Tirunelveli Village

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 22-11-73

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ATC, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1973

Ref. No. F.XXI/13/4/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Kethandapatti village, Vaniambady taluk. North Arcot District and

more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaniambadi on 21-6-1973

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been accorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of

- (1) Sri M. K. Durajswamy, Interim Trustee, Sti Aravamudaswamal Koil, Kethandapatty (Transferot)
- (2) The Inuppath Co-operative Sugar Mills by Managing Director, Shii T. Kothanda Raman, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 71 acres in S No. 278/2—12.28 acres, 278/3—2.32 acres, 283/1—49.89 acres, 283/2—128 acres, 283/3.73 acres, 284/4—1.50 acres situated at Kethandapatty village, Vaniambadi Taluk, North Arcot District

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 22-11-73

Seat

#### FORM ITNS.

# NOTIFE I NOER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1973

Ref. No. F. XIX/7/1/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at S. Nos. 514/2A, '514/1B2, 514/2B1, 514/1B1, 514/1D3, 514/1C, 514/1A measuring 8 acres 16 cents of vacant land

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kadayanallur on 30-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (I) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Sri G. Ramakrishnayyar, 2. G. Puchumani Iyer, 3, G. Natarajan, 4. G. Ramlah, S/o G. Gopalakrishna Iyer, Krishnapuram. (Transferee)
- (2) Sri S. Arumugam, S/o Sankara Pandia Konar, Sri Karuppia Konar, S/o Kasi Konar, Smt. Subbammal, Krishnapuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph such have a right to be heard at the hearing of the objections.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 514/2A, 514/1B2, 514/2B1, 514/1B1, 514/1B3, 514/1C, 514/1A situated at Krishnapuram measuring about 8 acres 16 cents.

K. V. RAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 22-11-73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE TNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1973

Ret. No. F. XII/23/5/73-74.—Whereas, 1, K. V. Rajan, the competent authority under Section 269B 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1951) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. land situated at S. No. 363 in Vijayaragava Mudaliai

Chatram village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Pudukottal on 20-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfero(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1962) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for mitiating proceedings for the acquisiton of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Major M. Theagaraj, High Group Mansion, High Ground, Palayamkottai. (Transferor)
- (2) Mr. R. V. Narasimhan, S/o. Mr. R. N. Viswanathan,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be final and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 7.50 acres in S. No. 363 situated at Vijayaragava Mudaliar Chatram Village,

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 22-11-73

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1973

Ref. No. F. XII/23/4/73-74.—Mhercas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at V. M. Chatram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at J.S.R.I., Pudukottai on 21-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sii S. C. A. Razak, S/o S. A. Haji Syed Kasim Maraikair, By Power Agent, Sri S. Subramanian, Tirunelveli Junction. (Transferor)
- (2) Sri W. P. S. Adam Sahib. S/o, Sera Mudallar, Kalakkud, Nanganeri Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 151 to 159—Re. Survey No. 28 measuring about 2 acres 32½ cents and in Survey No. 27/2 measuring about 4 acres 25 cents situated in V. M. Chatram village.

K. V. RAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 22-11-73

Seal;

# FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th November 1973

Ref. No. F. 736/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door
No. 62-B situated at Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18.

(and more fully des-

cribed in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore on 12-9-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely :--

(1) Mrs. S. Jayam Vasudevan, V. Padmanabhan, V. Rajasundaram, R. Lalitha, V. Srinivasan, V. Parthasarathy, V. Ramaswami & V. Chitra No. 12, Sir Deciliochesis Basad Mariane V. Chitra No. 12, Sir Desikaohari Road, Mylapore, Madras-4. (Transferor)

(2) M. Murugesa Naicker, No. 1, First Link Street, C.T.I. Colony, Madras-4 and Shri T. Govindaswamy, 62-B. Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Sq. 7 Grounds and 556 Land admeasuring (with a building) situated at No. 62-B, Mowbrays Alwarpet, Madras-18.

> A. RAGHAVENDRA RAC Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-2, Madras-

Date: 28-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123. MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th November 1973

Ref. No. F. 2008/73-74.—Whereas, I, Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27/417 situated at Mettupalayam Road, Coimbatore (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on 15-6-1973 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Rujagopal, S/o Chinnaktishna Boyar, Thiyagi Kumaran St.. Coimbatore. (Transferor)
- (2) A. K. Govindaswami Chettiar, S/o Chinna Karuppanna Chettiar, New Vinayakarkoil St., Kangeyam. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in land admeasuring 5500 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 27/417 Mettupalayam Road. Combatore.

A RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 28-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6. the 28th November 1973

Ref. No. F. 2009/73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 27/417 situated at Mettupalayam Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on 15-6-1973

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to 20-356GI/73

the following persons namely :-

- (1) Thangavelu, S/o Chinna Krishna Boyar, Thiyagi Kumaran St., Coimbatore. (Transferor)
- (2) A. K. Govindaswamy Chettiar, S/o Chinnakaruppanna Chettiar, New Vinayakar Koil St., Kangeyam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share in Land admeasuring 5500 Sy. ft. (with building) situated at Door No. 27/417, Mettupalayam Road, Combatore.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 28-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th November 1973

Ref. No. F. 2010/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 27/417 situated at Mettupalayam Road, Coimbatore (and more tully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbator on 15-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Chinnakrishna Boyar, S/o Chinna Anga Boyar, Thiyagi Kumaran St., Coimbatore, (Transferor) (2) A. K. Govindaswamy Chettiar, S/o Chinna Karuppanna Chettiar, New Vinayakar Koil St., Kangeyam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in land admeasuring 5500 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 27/417 Mettupalayam Road, Coimbatore.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-2, Madras-6

Date: 28-11-1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th November 1973

Ref. No. F. 2055/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/18A situated at Bashyakarulu Road, R. S. Puram, Coimbatore Town (and more No. 12-2-41, situated at Muradnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfenred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on 29-8-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) E. Purushothaman, Kottaram, Bhasyakaralu Road, R. S. Puram, Coimbatore-2, (Transferor)
- (2) Dr. V. K. Bhaskaran Nair & Mis. Kamala Bhaskaran Nair, 'Kamala Hospital', Oddanchatiam, Palani Taluk, Madurai District. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for heating the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 8520 Sq. 11. (with building) situated at Door No. 28/18-A, Bashyakarulu Road, R. S. Puram, Combutore Town.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2, Madras-6

Date 28-11-1973

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.I/June-II/259(11)/73-74/5894.—Where, 1, D. B. Lal,

being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing as mentioned in the Registered Deed No. 2270(\(\frac{1}{2}\)) Ward No. VII situated at Mohalla Roadgaran Gali Mir Madari, Ahata Hajjan Lal Kuan Delhi (and more

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 20-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Haiiz Mohd, Atig S/o Haji Mohd Attah Ullah, Regd, General attorney of Mst. Rafigun Nisa W/o Haji Mohd. Uttah Ullah R/o 1300, Havell Hissamud-din-Haider, Ballimaran, Delhi. (Transferor)

- (2) Mst. Firdos Begum W/o Sh. Qayam-uddian, (ii) Qamar Jahan D/o Sh. Qayam-ud-din, (iii) Sh. Shujjauddin S/o Sh. Qayam-ud-din & (iv) Sh. Sirajuddin S/o Sh. Qayam-ud-din, 5929, Ballimaran, Delhi. (Transferee)
- (3) (i) Shri Mohd. Yasim, (ii) Sh. Kishan Chand, (iii) Sh. Abdul Mattaq, (iv) Sh. Abdul Rashid, (v) Hakim Nazir Ahmed, (vi) Sh. Abdul Rehman Khan (vii) Sh. Mohd. Ishaq & (viii) Sh. Arshad Ahmed, all of 2270, Ward No. VII, Gall Mir Madari, Ahatta Hajjan, Mohalla Roadgaran, Lal Kaun, Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storyed property No. 227D(½) Ward No. VII, measuring 211 2/9 Sq. yds. situated in Mohalla Roadgaran, Gali Mir Madari, Ahatta Hajjan, Lal Kaun, Delhi and bounded as under:—

East: Property of others West: Gali Mir Madari South: House No. 2306 North: Property of others.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1973.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ1/SR-I/June-I/237(132)/73-74/5899. Whereas I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 35B, Road No. 77 (portion mg. 911.11 sq. yds.) Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-6-1973 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Roshan Lal Gupta S/o Sh. Wali Ram R/o Jullundhar City. (Transferor)
- (2) Shri P. L. Ghai S/o Late Shri Malik Chand Ghai, 7/4, Vijay Nagar, Double Storey Quarters, Delhi-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of plot measuring 911.11 sq. yds. No. 35-B on Road No. 77 Class 'A' situated in the Colony known as "Punjabi Bagh" area of Village Bassidarapur, Delhi and bounded as under:—

North: Service Lane South: Road No. 77.

East: Remaining portion of plot No. 35-B.

West: Plot No. 37.

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1973.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 27th November 1973

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-1/June-I/236(131)/73-74/5894.—Whereas, I, D. B. Jal, being the competent authority under section

whereas, 1, D. B. Jan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 35-B, Road No. 77 (portion measuring 1311.11 sq. yds.) Punjabi Bagh, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-6-1973,

apparent for an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) Shri Ròshan Lal Gupta S/o Shri Wali Ram R/o Jullundhar City. (Transferor) (2) Smt. Dr. Raj Rani Aggarwal D/o Late Shri Bhagwan Dass, 2669, Sadar Thana Road, Delhi-6.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of plot measuring 1311.11 sq. yds. bearing No. 35-B Road No. 77 Class 'A' situated in the colony known as Punjabi Bagh Delhi area of Village Bassaidarapur, Delhi and bounded as under :-

North: Service Lane South: Road No. 77 East: Plot No. 35-A

West: Remaining portion of plot No. 35-B.

D. B. LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 27-11-1973.

Seal.

#### FORM (TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, , ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAMANA. KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 30th November 1973

Ref. No. C.A./5/June'73/Sholapur/83/73-74.—Whereas, I. G. Krishnan.

G. Krisnaan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear-No. S No. 277/1A 1/1, situated at North Sholapur Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sholapur on 15-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Hanumanta Nagappa Asade, North Sadar Bazar. Sholapur, (Transferor) (a) Shri Bhimashankar Dharampal Bhogade, 446
 North Kasba Peth, Sholapur, (b) Shri Saheblal
 Papamiya Kazi, 162/11, Railway Lines, Sholapur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Out of North Sholapur Taluka, Sholapur. Open Land, bearing Survey No. 277/1A 1/1 Area: 4470 Sq. Metres—Freehold.

G. KRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 30-11-1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE HUBLI, METRANI BUILDING, > VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 29th November 1973

No. 43/73-74/H.Acq.--Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli

being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. C.T.S. No. 2986, Ward No. 1 situated at Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 12-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incomethis notice tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) (i) Gourishankar Rammohan Koppikar, Research Office, Agricultural Officer, C/o Shri Sharad Kulkarni, Anant Auto Dealers, Jalagaon (Maharashtra), (ii) Kumar Rajendra Gourishankar Koppikai, Minor by guardian and father Shri Gourishankar Rammohan Koppikas, Baramahar Koppikas, Baramaha Rammohan Koppikar, Research Officer, Agricultural Office, C/o Shi Sharad Kulkarni, Anant Auto Dealers, Jalagaon. (Maharashtra).

(Transferors)

(2) (i) Shri Jwalakumar Padmanabhaiah Javali, ner, Messrs. New Mysore Stores, Hubli, (ii) Nirmalkumar Padmanabhaiah Javali, Partner, M/s New Mysore Stores, Hubli, (iii) Shri D. S. Kantarajiah, Partner, M/s. D. S. Kantarajiah and Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tumkur, (iv) Shri G. N. Padmanabhaiah, Partner, M/s D. S. Kantarajiah Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tumkur.

(Transferces)

(3) (i) Kumar Vinay Jawalakumar Javali, (ii) Kumar Anil Jwalakumar Javali, (iii) Kumar Suhas Jwala-Kumar Javali, all are Minors by guardian and mother Smt. Shakuntala J. Javali, Club Road, Hubli; (iv) Kumar Sunil Nirmalkumar Javali, (v) Kumar Ajit Nirmalkumar Javali, all are Minors by guardian and mother Smt. Nalini N. Javali. Club Roual Ajit Nilmakumar Javan, an are minors of guardian and mother Smt. Nalini N. Javali, Club Road, Hubli; (vi) Shri M. P. Sunmathikumar, Partner, M/s D. S. Kantarajaiah & Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tumkur. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hubli City Ward No. 1. C.T.S. No. 2986. Area 1176 Sq. Yds. Out of this (middle part) storied house and open space. Measurement:— East-West: 58'; North-South: 65' and bounded by :-

On the East: K.C.C. Bank,

On the West: Shri Krishna Temple.

On the North Property previously owned by Shri Vishwanath R. Koppikar and now owned by Shri J. P. Javali & othres,

On the South: Property previously owned by Smt. Kanchan and presently owned by J. P. Javali and others.

> R. PARTHASARATHY Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

Date: 29-11-1973

(2) Shri Piara Singh S/o S. Saudagar Singh, R/o J-11/129 Rajouri Garden, New Delhi (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES BUILDING. 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Dolhi, the 30th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-I/July-IJ/328(25)/73-74/6931.--Whereas I, D. B. Lal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 '- and bearing

No. 126 situated at Raja Garden, New Delhi (and more fully

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason, for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Om Parkash S/o L. Hari Chand R/o House No. 5620, Basant Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any-of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Expranation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of freehold land bearing No. 126, measuring 363. 4 sq. yds, situated at Raja Garden, New Delhi and bounded as under :-

North: Property No. WZ-93A South: House on Plot No. 125 East: Road 30' wide West: Others property.

D. B. LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 30th November, 1973. Seal:

Strike off where not applicable.

21-356 G.I./73

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ/I/SR-I/July-I/301(37)/73-74/6931.—Whereas I, D. B. Lal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. (1/2 share) 715, 716 & 718 situated at Jama Masjid, Chawri Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-7-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Ravinder Kapur S/o Shri Gobind Saruo Kapur, 14/51, Subhash Nagar, New Delhi. (Transferor)

- (2) Shri Mohammad Hussain S/o Shri Ali Hasan B-8, Nizamuddin West, New Delhi, (Transferee)
- (3) Shr<sub>1</sub> Mohd. Mian 715, 716 & 718, Jama Masjid, Chawri Bazar, Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days f om the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire; later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/2 share of three storeyed property being Municipal Nos. 715, 716 & 718 Jama Masjid, Chawri Bazar, Delhi constructed on a plot of land measuring 218 sq. yds. and bounded as under:—

East: Public Road, Kabadi Bazar,

West: Property No. 714

North: Public Road, Chawri Bazar

South: Property No. 719

D. B. LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date: 30th November, 1973.

FORM ITNS.....

(1) S/Shri Lekh Ram & Hans Raj SS/o Shri Raghbir, R'o Village Karawal Nagar, Shahdara, Delhi. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-IV/June-I/25(3)/73-74/6931,— Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 324, situated at Karawal Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schoule annexed hereto), has been transferred as per deed reg.stered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-6-1973, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Hukam Chand Goel S/o Shri Gokal Chand R/o JA/5A, DDA Flats, Ashok Vihar-I, Wazirpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 324, measuring 1008 sq. yds. situated at Village Karawal Nagar, Shahdara, Delhi

D. B. LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date: 30th November, 1973.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR-I/July-I/300(36)/73-74/6931.—Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (1/2 share) 715-716 & 718 situated at Jama Masjid, Chawri Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sham Kumarı Kapur Wd/o Sh. Gobimi Sarup Kapur, 14/51, Subhash Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mohammad Hussain S/o Shri Ali Hasan R/o B-8, Nızamuddin West, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri Mohd. Mian 715, 716 & 718 Jama Masjid, Chawri Bazar, Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of 3 storeyed property bearing Municipal Nos. 715, 716 & 718 situated at Jama Masjid, Chawri Bazar, constructed on a plot of land measuring 218 sq. yds. and bounded as under:—

East: Public Road Kabadi Bazar West: Property No. 714 North: Public Road, Chawri Bazar, South: Property No. 719

D. B. LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi.

Date: 30th November, 1973.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th November 1973

Ref. No. JND/960/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent authority under section 2655 of the Income-Tax Act, 1961

(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, eituated at Kerkheri, Tehsil Jind, (and more fully described in the Schedule appared harms) has been been seen to schedule appared harms.

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in June, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, mamely:—

- (i) Shrimati Natho, d/o Shri Hem Raj, (ii) Shrimati Piari, d/o Santoo, (iii) Shrimati Manni, d/o Santoo Kerkheri, Tehsil Jind. (Transferor)
- (2) Shri Mange Ram, s/o Shri Neki, Village Kerkheri, Tehsil Jind, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in Village Kerkheri, Tehsil Jind. (Property as mentioned in the registered deed No. 568 of June, 1973 of the Registering Officer, Jind.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range
Chandigarh.

Date: 26-11-1973.

Seal :

\*Strike off where not applicable.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Sukhcharan Kaur Bhatia, d/o Shri Surjit Singh Bhatia, resident of House No 91, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Wazir Chand Ahuja, House No. 91, Sector 16-A, Chandigarh, (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th November 1973

Ref. No. CHD/1006/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 91, Sector 16-A, situated at Chandigarh, (and more fully described

in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Chandigath in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 91, Sector 16-A, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range
Chandigarh.

Date: 29-11-1973.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th November 1973

Ref No. RTK/935/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under sec-

tion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Kalanaur, Teh. Rohtak, more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred 85 per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rohtak in June, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Dass, s/o Shri Kanshi Ram, Resident of Kalanaur, Tehsil Rohtak, (Transferor).
- (2) Shri Risal Singh, (ii) Shri Bani Singh, sons of Shri Surta, (iii) Shri Samsher, son of Shri Dharain Singh, (iv) Shri Mohinder, (v) Shri Napair Singh sons of Shri Hoshiara, (vi) Shri Ranbir, s/o Shri Samai Ram, (vii) Shri Mohinder, son of Shri Baljit, (xiii) Shri Suresh, s/o Shri Ved Pal, (ix) Shri Devinder, son of Shri Chander Singh, Residents of Sundana (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in Village Kalanaur, Tehsil Rohtak. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2021 of June, 1973 of the Registering Officer, Rohtak.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 26-11-1973

Seal;

"Strike off where not applicable

#### FORM ITNS -----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 29th November 1973

Ref. No. CHD/1010/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO No. 54, Sector 29-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

- (1) Shrl Jagdish Parshad Gupta, SCO No. 54, Sector 29-D, Chandigarh. (Transferor).
- (2) Shri Sardara Singh, (ii) Smt. Raj Kaur, c/o7 Shri Gajeswar Singh, Advocate, Samrala. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop-cum-office Flat No. 54, Sector 29-D, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 29-11-1973

(2) (i) Smt. Swaran Kaur, W/o Shri Raghbir Singh, Village Urapur, Tehsil Nawanshehr, District Jullundur. (ii) Shrimati Surinder Kaur, w/o Shri Village Mukhiana, District Singh, Hoshiarpur. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th November 1973

Ref. No. CHD/1013/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

heing the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. SCO No. 84, Sector 35, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as nor dead resistant under the Note.

has been transferred as per deed registered under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following paragraphs. following persons, namely:-

(1) Smt. Rup Kaur, w/o Shri Karnail Singh, House 54. Sector 8-A, Advocate Chandigarh. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notice that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

SCO No. 84, Sector 35, situated at Chandigarh,

G. P. SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 26-11-1973

Seal:

22-356 GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th November 1973

Ref. No. MGA/1046/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Moga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in June, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagir Singh, s/o Shri Bhola Singh, resident of Moga Mehla Singh. (Transferor).

(2) Shri Ram Lal, son Shri Veer Chand, (ii) Shri Tirath Ram, (iii) Shri Ved Vias, son of Shri Ram Moga, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Moga.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1761 of June, 1973 of the Registering Officer, Moga.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 26-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th November 1973

Ref. No. LDH/1207/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarb,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, Sherpur Kalan, situated at Sherpur Kalan, Teh. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shii Pakhar Singh s/o Shri Bela Singh, Village Giaspur, Tehsil Ludhiana. (Transferor),
- (2) Shri Jagir Singh, (ii) Shri Hamir Singh, (iii) Shri Sunjit Singh, Village Bheni Darerha, sons of Shri Rattan Singh, District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land, Village Sherpur Kalan, Tehsil Ludhlana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2231 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh

Date: 27-11-1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th November 1973

Ref. No. LDH/1208/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 49, Sandeep Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,

namely:-

(1) Shi Satpal Singh Thapar, s/o Shri Gurdial Singh. Resident of Gulmor Hotel, Ludhiana. (Transferor).

(2) Shri Kishan Chand, (ii) Shri Joginder Pal, sons of Shri Chhaju Ram, Resident of Nauhria Mal Bagh, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 49, Side Gehlewal, Sandeep Nagar, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2202 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range.
Chandigarh

Date: 27-11-1973

## Shri Harikishan Singh, s/o Shri Harbans Singh, Ludhiana, (Transferor).

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M/s. Dhir & Co.; through Shri Bal Kishan, Ludhiana, (Transferee).

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Chandigarh, the 27th November 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No LDH/1214/73-74—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in June, 1973 for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a light to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me. Plot of land, Ludhiana. (Property as mentioned in the registered deed No. 2111 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 27-11-1973.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th November 1973

Ref. No LDH/1386/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Ludhiana and

more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harikishan Singh, s/o Shri Harbans Singh Ludhiana. (Transferor).
- (2) M/s. Dhir & Co.; through Shri Bal Kishan, Ludhiana. (Transferee),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for heuring the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land in Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 2146 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range)
Chandigarh

Date: 27-11-1973.

FORM ITNS----

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, manely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 26th November 1973

Ref. No. LDH/1379/73-74—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigar,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land, Dr. Sham Singh Road, situated at Ludbiana (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in June, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

- (1) Ram Parkash, s/o Shri Luchhman Dass, Resident of H-294, Major Shambu Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Utihan Samati Kender, Dr. Sham Singh Road Civil Lines, Ludhiana. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of Land, situated on Di. Sham Singh Road, Civil Lines, Judhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2875)

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2875 of June, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range)
Chandigath

Date: 26-11-1973.

## FORM NO, ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

RANGE-2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st December 1973

Ref. No. Acq.23-I-68/1-1/73-74 -- Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 170, 171, Sub-Plot No. 2 situated at Shekhpur-Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration office at Ahmedabad on 21-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid propery in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, acquisition of the hereby initiate proceedings for the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax to the following persons, Act, 1961 (43 of 1961) namely :-

- Madhuriben, Daughter of Amritlel Maganlal Parikh, 28, Swastik Society, Naviangpura, Ahmedabad-9. (I ransferor).
- (2) M/s. Parkland Corporation, 14, Giankunj, Navrangpura, Ahmedabad-9. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULF

Shekbpur Khanpur, Navrangpura. Ahmedabad Final Plot No. 170, 171, Sub-Plot No 2, Open Plot of land admeasuring 404 Sq. Yards.

J. KATHURIA

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

> Acquisition Range I Ahmedahad

Date: 1-12-1973

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st December 1973

Ref No. Acq 23-I-69/1-1/73-74.—Whereas, I, I. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No F.P. No. 170, 171 Sub-Plot No 3, situated at Shekhpur Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer Ahmedabad on 21-6-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

23-356GI/73

- (1) Sushilaben Daughter of Amritlal Maganlal Parikh, 25. Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad-9, (Transferor).
- (2) (1) Smt Kanchanben Rasiklal Shah, (2) Sml. Ushaben Bharatkumar Shah, 13, Giankuni, Navrangpura, Ahmedabad-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforcaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Shekhpur Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad Final Plot No. 170, 171 Sub-Plot No. 3 Open plot of land admeasuring 406 Sq. Yards.

J KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 1-12-1973

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th November 1973

No. 34-B/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 336, 337 situated at Pepalganva

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 13-6-73

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath

(Transferor)

(2) Shri Baldeo Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 47 Bighas 2 Biswas situated at Vill. Pepalganya Dist. Nainital

S. C. BAHL,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-11-73

Scal:

"Strike off where not applicable,

(1) Shri Usman Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE -(INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jagat Singh & others

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th November 1973

No. 19-J/Acq.—Whereas, I, S C. Bahl, IAC, Acq. Range

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 130 situated at Anandpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kashipur on 20-6-73.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 86 Bighas 19 Biswas situated at Vill. Anandpur, Dist. Nainital.

S. C. BAHL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-11-73

Seal:

·Strike off where not applicable,

(1) Rajendra Singh

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balbir Singh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow the 27th November 1973

No 33-B/Acq -- Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range,

Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23, 22 situated at Gangapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kashipur on 27-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chanter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, it any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the pieceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 23 Bighas 13 Biswas situated at Vill. Gangapur, Dist. Nainital.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-11-73

Seal:

"Strike off where not applicable.

(2) Gurdayal Chand & others

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1973

No. 18-G/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Fax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 571, 386, 439, 430 to 434 situated at Udaipuri (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Kashipui on 11-6-73, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shii Amrik Singh

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 24 Bighas 5 Biswas situated at Vill Udaipuri, Dist. Naimtal

S. C. BAHL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 26-11-73

Seal:

\*Strike off where not applicable.

(I) Smt. Parvati Devi

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandra Ballabh & others

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1973

No. 9-C/Acq.—Whereas, I S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow,

being the competent authority under

section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Nos. 30 to 44, 46, 49, 56, 57 situated at Mangla

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kashipur on 4-6-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby turther notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### 1HE SCHEDULE

An agricultural land measuring 23 Beings 8 Biswas situated at Vill. Mangla, District Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 26-11-73

Scal:

(1) Shri Nauraj

(2) Iqbal Singh & others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OF 1501)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1973

No. 3-I/Acq.—Whereas, I. S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, I ucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 3, 14/1, 18/1 situated at Chandayani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Officer at Kashipur on Registering for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 26°C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 26°D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 50 Bighas 2 Biswas situated at Vill. Chandari, Dist. Nainital,

S. C. BAHL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 26-11-73

(1) Barmeshwar Tewari

(Transferor)

FORM ITNS ----

(2) Shanker Dayal Tewari

(Trahsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th November 1973

No. 43-S/Acq.—Whereas, I S. C. Bahl, IAC, Acq Range Lucknow.

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 127 situated at Bunkainia (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kashipui on 1-6-73, for an apparent onsideration which is less than the fuir murket value of the aforesaid present

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

An agricultural land measuring 62 Bighas 5 Biswas situated at Vill Bakainia, Distt Nainital.

S. C. BAHL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Dated: 26-11-73

Seal ·

"Strike off where not applicable

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th November 1973

No. J. No. I(1284)/73-74.—Whereas, I K Subbarao being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. as per schedule snuated at Guntur, Kanchekacherla, Medatametla, Velleamplli and Kandukuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 5-6-1973

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1 M/S K.S. Subbaiah Pillai & Co. (India) Private Ltd., represented by its Managing director, Sri K.S. Subbaiah Pillai, 103 Puruswalkam High Road, Madras-70. (Transferor)

 M/S Maddi Laxmaiah & Co., represented by Managing Direcor, Sri Maddi Laxmaiah, Chilakurpet, Narasaraopet Taluk.

(Transferce)

"4. Union Bank of India, Post Box No. 131, GUNTUR-3. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the aqquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Buildings including Plant and Machinery and other things situated at:

- 1. Door No. 15-13-78, Mangalagirirood, Survey No. 494, Municipal Asst. No. 14236, 22, 455-27 Sq. Mtrs. Guntur town—Guntur Municipality.
- 2. Door No. 97, Survey No. 15/1, Asst. No. 255, Ongole—Guntur Road, Vellampalli village, Vellampalli panchayat—12,221.5 Sq. Mtrs.
- 3. Door No. 13-153, Survey No. 910, Asstt. No. 1308, Hyderabad-Vijayawada Trunk Road, Kanchakacherla Panchyat—Kanchakachera 1 Village—4,046.85 Sq. Mtrs.
- 4 Door No 86, Survey No 721/C-1, Asst. No. 645—Ongole-Guntur Trunk Road—Medarametla Panchayat—Medarametla village—17.057,46 Sq Mtrs.
- 5 Door No. 41/24 to 41/29—Asst. No. 861 and 3087, Survey No. 892/4-3, Pamur-Kandukur Road—Kandukuru Panchayat—Kandukuru—12,261.89 Sq. Mtrs.

K. SUBBARAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 27-11-1973

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

#### RANGE, KAKINADA

Kakınada, the 26th November 1973

No. J No I(1280)/73-74 —Whereas, I K Subbarao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 1-6-1 situated at Ring Road Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 19-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not heen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 196 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

therefore, in pursuance of section 269C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

(1) M/s Chebroly Hanumaiah, Guntur

(Transferor)

 M/s Chebrolu Hanumaiah & Bros Private Ltd. Guntur.

(Transferee)

(3) M/s I.L T D Co, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Guntur district-Guntur Sub-district-Koritipadu, Village-Guntur Municipal area—Door No. 295/A, 295/B—Door No. 1-6-1 Total site—Ac. 5.84 cents—Municipal asst. No. 601. -Door No.

BOUNDRIES FOR BUILDINGS, GODOWNS, HALL, AND

ITEM-A

Door No. 295/A Ac. 2.00 cents

East: Municipal Road

South: Door No. 295/B Moparthy Bhasknrarao etc. sites West: Same No (B) item site North: Boddupalli Venkata Subbarao etc.

ITEM-B

Door No. 295/A Ac. 1.09 cents

Fast: Same No. (A) item site
South: In door No 295/B (C) item site
West: Gurrala China Venkataswamy etc.,

North · Bayanadham Subbarao etc.

ITEM-C

Door No. 295/B Ac. 2.75 cents

East · Same No. Moparthy Bhaskararao, Ring Road

South: Polimera Donka West: Municipal colony site

North (A) item site. Moparthy Bhaskararao.

K. SUBBARAO.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kakinada.

Date: 27-11-1973

Seal:

<sup>1</sup>Strike off where not applicable

#### FORM ITNS----

(2) Shri P. Veerabhadriahswamy, Commission merchant Victoriapeta, Adoni, Kurnool Dist.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABADA

Hyderabad, the 30th November 1973

RAC. No. 108/73-74.—Whereas, 1 S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. SV/312 situated at Victoriapeta, Adoni, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on 4-6-73

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- cvasion (a) facilitating the reduction OL of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:---

(1) Shri P. Johan Denil, S/o Pushparatnam, Victoriapeta, Adoni Kurnool Dist.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Old Door No XVII/91, New Door No. SV/ 312 Victoriapeta, Adoni, Kurnool Dist, Building with area in 8052 Sq. Ft.

> S. BALASUBRMANIAM, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 30-11-1973

Scal:

\*Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th November 1973

RAC No. 109/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New No. 5/53 situated at Kadini Ananthapur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadiri on 20-6-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri K. Gopala Krishniab, Gupta, M.G. Road, Kadui, Ananthapur Dist.

(Transferor)

- (2) Sii M. Aswaitha Nayayanappa, Door No. 3/53 M.G. Road, Kadiri, Ananthapur. (Transferce)
- (3) Transferor only. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to  $b_e$  heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hercin as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House Municipality New Ward No. 5 Door No. 53 and old No. 3-Ward, door No. 28 Kaditi, M.G. Road, Kaditi, Ananthapur Dist. Area 215 Sq. Yds.

S. BALASUBRMANIAM.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 30-11-1973

Seal:

·Strike off where not applicable,

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th November 1973

RAC No. 110/73-74 — Whereas, I S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 199.2 situated Vankatakunta village Kadirl Tq. (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaditi on 16-6-73,

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt T. D. Chennamma, Venkarakunta village, Kadiri Tq. Ananthapu Dist. (Transferor)
- (2) Shree Aukirddy, Gangireddy, Basireddypally, village, Kadini Tq. Ananthapur Dist. (Transferce)
- (3) Transferor only, (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Agricultural land survey No. 1992, 13.72 and 5.12 in this number 3.72 acrs. at Vankarakunta village, Kadiri Tq Ananthapur, Dist.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 30-11-1973

Seal:

Strike off where not applicable,

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Jayendra Singh S/o Late Rao Raja Shri Sardar Singh ji of Uniara in his own capacity & as Karta of family. (Transferor)
- (2) Shri Keshri Chand Nawalkha S/o late Shri Swarup Chand ji Nawalkha by caste Jain Oswal. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 22nd November 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. J-3/73(13)34/90.—Whereas, I, S. C. Piashar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piece of lund situated at laipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaiput on 5-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

-Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

A piece of land with the right of construction situated on Narayan Singh Road (Govind Marg) near Police Memorial. The total area of the sold property is 1000 sq. yard.

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

S. C. Prashar

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Date: 22-11-1973.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th November 1973

Ref. No. Sub-Reg/Gwalior/30-6-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 174 new Light house ka nala, Gwalior situated at Hospital Road, Lashkai (and more fully

described in the Schedule annexed hercto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Gwalior on 27-6-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Vittal Govind Rangnekar, s/o Shri Govind Dattatreya Rangnekar, Lashkar Gwalior, Present address: 222, Pulchang, Sadashivpet, Poona-30, Maharashtra. (Transferor)
- (2) Shri Kishanlalji Jham s/o Shri Bhagwandasji Jham r/o Kalariwaligalli, Lohia Bazar, Lashkar, Gwalior-1, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Pakka House No. 174, P.H. No. 28, Block No. 3 Light House ka nala, Lashkar, Gwalior-1.

M. F. MUNSHI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-11-1973

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

#### RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th November 1973

Ref. No. Sub-Reg/Jabalpur/15-6-73.—Whereas, I, M  $\,$  F. Munshi,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,0007- and bearing House No. 60, 60/1, 61, 61/1 and 62/2 situated at Lordganj ward situated at Jabalpur (and more fully

Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby hittiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Smt. Kantibai Jain w/o Shri Babulal Jain c/o M/s Jain Building Works, Purani Charhai, Lordganjward, Jabalpur. (Transferor)
- (2) (i) Shrimati Shantibai Jain w/o Babulal Jain c/o M/s Bombay Sari Bhandar, Purani Charhal, Lordganj ward Jabalpur. (ii) Shri Babulal Jain S/o Shri Ablichand Jain C/o Bombay Sari Bhandar, Purani Charhai, Lordganj Ward, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 60, 60/1, 61, 61/1 and 61/2—3 storied building situated at Purani Charhai, Lordganj ward, City Jabalpur, M.P.

M. F. MUNSHI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal.

Date: 28-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th November 1973

Ref. No. Acq. 23-1-67/1-1/73-74. - Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. E.P. No. 746-5 T.P.S. No. 3 situated at Madalpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-6-1973 for an apparent consideration to less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons

- Shri Chandrakant Ranchhodlal Thakkar, Bungalow No. 23, Ashoknagar Society. Sarkhei Road, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Balubhai Dahyabhai Brahmabhatt, Smt. Sharda ben Balubhai Brahmabhatt, Shri Thakorbhai Balubhai Brahmabhatt, Sh.i Vinodkumar Balubhai Brahmabhatt, Kum. Shobhnaben Balubhai Brahmabhatt. Dipika Society, Near Daphnala. Shahibag, Ahmedabad-4 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F.P. No. 746-5 7.P.S. No. 3, Madalpur, Ahmedabad. I and admeasuring 600 Sq. Yds. (with building).

J. KATHURIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J. Ahmedabad.

Date: 29-11-1973

Seal

25-356GIr73

(2) Smt. Prabha, D/O Shri B.\ Singa Iyengar, No. 1187-A "I" Block, 35th Cross, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 1st December 1973

No. C.R. 62/1431/73-74/Acq/(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Learing Vacant site No. 45/2. Race Course Road, Bangalore-I, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 20-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesald property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sha P. C. Sampath, No. 1 J. C. Road, Bangalore, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the Objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site No. 45/2, Race Course Road, Bangalore-1 Bangalore

B. MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 1-12-73

Scal:

#### FORM JINS ....

 M/S Bhakthi Constructions, represented by Shri N. A. Ramakrishna, No. 1, 11th cross road, Cubbonpet, Bangaloce. (transferee)

6553

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 1st December 1973

No. C.R. 62/1436/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhayan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant site No. 5A, situated at Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Bangalore on 25-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri M. A. Sicenivasan, 'Theranga' Rajamabal Vilas Extension, Bangalore-6. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

FTPI INITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site No. 5A in Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-6.

B. MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 1-12-73.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd December 1973

Ret. No. Acq. 23-1-13/16-6/73-74. -- Whereas, I, J. Kathuria. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. - situated at RAJENDRA PRASAD ROAD, Near Chaudhary High School, Rujkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rajkot on 22-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term, of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- S/Shri Narsi Daya, Kishor Narsi, Chandulal Narsi. Partners of M/s. Na si Dayabhai & Co. 28/43, Prahalad Plot. Rajkot. (Transferor)
- (2) Shri Chhotalal Kanji Raja, Smt. Hiraben Chhotalal Raja, Shri Prakashbabu Chhotalal Raja, Shri Vasant-kumar Chhotalal Raja, Village Chhaya, (Via) Porbandar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heart at the hearing of the objections,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULT

One house situated at Rajendra Prasad Road, Near Chaudhary High School, Rajkot, Land admeasuring 195-1 Sq. Yds.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Ahmedabad,

Date: 3-12-73.

Scal -

FORM ITNS ----

(2) Dr. Hari Gopal Chopra s/o Shri Rishi Ram Chopra, r/o B-15, Jangpura Extension, New Delhi, (Trans-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/5945.—Whereas, I, C. V. Gupte. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-15 situated at Jangpura Extension, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-6-1973, for an apparent considera-

for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion, of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely :-

(1) Sarvashri (i) Roop Chand, (ii) Lachman Dass, (iii) Suraj Prakash, (iv) Girish Kumar s/o late Shri Raghunath Rai, r/o 1-F/132, Lajpnt Nagar, New Delbi, (v) Smt. Sheela Devi & Smt. Kamla Devi d/o late Shri Raghunath Rai, r/o 1-F/132, I ajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made it, response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

turther notified that every person to lt is hereby whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

[NPI ANNION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

the property No. B-15, Jangpura Extension, New Delhi measuring about 185 sq ya.ds bounded as under:

On the East: Or. No. 16:
On the West: Open
On the North: Lawn
On the South: Lane

simated in Jangpura, New Delhi with all leasehold rights & absolute ownership rights & other rights pertaining to the said property which is free from all kinds encumbrances, litigations. with all fittings, fixtures, etc.

> C. V. GUPTE Competent Authority, fuspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 3rd December, 1973

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-IJ.

#### NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1973

Ret. No. IAC /Acq.II/73-74/5945.—Whereas, I, C. V. Gupte being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. 6/77, W.F.A. situated at Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely: -

(1) Smt. Niranjan Kaur w/o Shri Gurbachan Singh, 1/0 6/77, W E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh 5/0 Shri Mala Singh, 1/0 6/77, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections it any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

HAPPINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A 21 storeyed building built upon a leasehold plot of land measuring 234.22 sq. yards bearing No. 6/77, situated at W.F.A., Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North: Gali South: Gali

East: Property No. 76 West: Property No. 78

C V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 3rd December, 1973.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DILLIII RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1973

Ret. No. JAC/Acq.II/73-74/5945.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-287 situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in

the Schedule annoyed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 12-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

- Shri Vinit Narain Haksar s/o Shri Sunder Naram Haksar r/o 11, Eastern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) (i) Sint. Bimla Vi<sub>1</sub> w/o Shri Mohan Parkash, (ii) Shri Sunil Vij, s/o Shri Mohan Pa kash, r/o A-28<sup>-</sup> Defence Colony. New Delhi. (Fransferce)

- (3) (i) M.s Kastiwal Corporation, Mirza Ismail Road (Opp. Rajesth Garages) Jaipur. (ii) Shri Jai Parkash wo Shri Mohanlal c/o M/s International cooperation Alliance, 43, Friends Colony, New Delhi. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shu Sunder Narain Haksat, General Attorney, 11, Eastern Avenue, Mahatani Bagh, New Delhi. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever speriod expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

LAPLANMON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

 $\lambda$  24-storeyed building constructed upon a leasehold plot of land measuring 217 sq. yard and bearing No.  $\Lambda$ -287, situated in Defence Colony, New Delhi with all rights, titles, interests, easements, privileges and appartenances whatsoever, including the rights in the said plot of land

C. V. GUPTL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Range-II, Delhi/New Delhi.

Date 3rd December, 1973 Seul

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME, TAX ACT, 1961 (43 DF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION
RANGE 1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 29th November 1973

Ref. No. 1. 1X/7/7/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 2691) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000// and bearing door No. 36 situated at Hunters Road, Vepery, Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West, Madias, Periamet on 30-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income mising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Rathnasabapathy & Sri K. Ramachandran. 36. Hunters Road, Madras-7. (Transferor)

- (2) 1. Shri M. R. Mohamed Ishaq, 2. Shri M. R. Mohamed Ismail, 3. Shri Abdul Rahman, 35, V. V. Koil St., Periamet, Madras-3. (Transferge)
- 1. Shri M. Yusuff Bai 2. Garment Diy Cleaners,
   3. Rattam & Co. Prop. Rajagopal, 36, Hunters Road,
   Madras-7. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow and open space measuring about 4 grounds and 420 sq. ft. in R.S. No. 857, O.S. No. 802 situated at 36, Hunters Road, Vepery, Madras.

K. V. RAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-11-73.

Sun1

(2) Smt. Susila, W/o M. K. N. Nagamanickam, Kandan Karunai Illam, 79. Raja Veedhi Yumarapalayam. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the hard propert/ may be made in writing to the undersigned-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th November 1973

Ref. No. F. XVI/24/6/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income ax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at Katheri Village, Kumarapalayam P.O., Salem District (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam on 14-6-1973, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following Persons namely:—

 Sri Nachimuthu Gounder, 2. Sri Subramanian, \$/o Chinna Rama Gounder, Samiampalayam, Katheri Village, Kumarapalayam P.O., Salem Dt. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Half share in S. No. 229/14—1.15 acres, S. No. 247/1-2.27 acres,—248/1-7.55 acres 249/2-0.17 acres situated at Katheri Village, Kumarapalayam P.O., Salem District.

K. V. RAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 12-11-1973

Scal:

"Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th November 1973

Ref No. F. X/12/9/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan. being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 20, situated at Gokhale Road, Madurai-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tallakulam on 7-6-1973 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sri L. Balachandran, S/o Late A. Lakshmi Narayana Iyer, 21, Gokhale Road, Chinna Chokkikulam, Maduiai. (Transferor) (2) Dr. T. Rajagopal, M.D., S/o A. A. Thiruvadi Naidu, 19, Sarojini St., Chinna Chokki kulara, Madurai, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLAUATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land and building in Old Survey Ward 10, New Survey Ward 7, Block 29, Old Survey No. 27/1, New Door No. 20, Gokhale Road, Chinna Chokki kulam, Madurai-2 measuring about 9592 sq. ft. (T.S. No. 904/1).

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-11-73,

(2) Sri C. Krishnamurthi Shah, S/o A. M. Chandu Shah, 21, Koothan Manicka Chetty St., Vellore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th November 1973

Ref. No. XXI/15/10/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 22/7 situated at Reddiappa Mudali Street, Kosappettai, Vellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Vellore on July, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Smt. Rajalakshmi Ammal, W/o A. B. Chelvarangu Mudaliar, Plot No. 115, Anna Nagar, Madras-40. (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building measuring about 8500 sq. ft. situated at 22/7, Reddiappa Mudali Street, Kosapettai, Vellore Town.

K. V. RAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition range-1, Madras-6.

Date: 29-11-73.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th November 1973

Ret. No. F. XVI/24/7/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Katheri village, Kumarapalayam Taluk, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at humanapalayam on 14-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incellitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

and whereas the reasons for mutating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by the

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Sri Nachimuthu Gounder, 2. Sri Subramanian, S/o Chinnarama Gounder, Samiampalayam, Katheri Village. (Transferor)
- (2) Smt. Santhanalakshmi, W/o M. K. N. Nagamaaickam, Kandan Karunai Illam, 79, Raja Veedhi, Kumarapalayam. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Half share in S. No. 229/14-1.15 acres S. No. 247/1-2.27 acres, 248/1-7.55 acres. 249/2-0.17 acres situated at Katheri village, Kumarapalayam P.O., Salem District.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-11-73.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1973

Ref. No. F. X/12/19/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at 6325 sq. ft. of vacant site in Old Survey Ward No. 10, Present Survey Ward No. 7, Old T. S. No. 900/132, & 906, New T.S. No. 906/1-2 (Part) at Sarojini Street, Chockikulam, Madurai Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tallakulam on 30-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(5) and the transferee(5) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri D. K. Raju, S/o Rao Bahadur A. K. D. Dharma Raju, 8, Kamala 2nd St., Madural-2. (Transferor)

(2) Shri V. Muthukumaran, S/o G. Visvanathan Chettiar, 37, Mahal 6th Street, Madurai-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 6325 sq. it. situated in Old Survey Ward No. 10, Present Ward No. 7 Old T.S. No. 900/132 & 906, New T.S. No. 906/1-2 (Part) at Sarojini Street, Chinna Chockikulam, Madurai District.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 3-12-73.

Seal .

6564

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1973

Ref. No. F X/12/20/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajun, being the Competent Authority under

Section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No land situated at R.S. No. 12/1, Patta No. 143 Bibikulam village, Madurai Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Tallakulam on 11-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sri M. A. Vinayakamurthi, S/o Meivezhi Paul Sami Ananthar, 54, Khan Palayam 3rd Street, Madurai. (Transferor) Shri V. V. Syed Mohd. Rowther, 2. Shri Vinwath Bivi, First Street, Bibikulam, Madurai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 32 cents situated in Patta No. 143, R S No 12/1. Bibikulam Village, Madurai Dt.

K. V. RAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 3-12-73.

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1973

Ref. No. F. X/12/21/73-74 --- Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at T.S. No. 886 (Part), T.S. No. 884-1-A (Part) at Chinnachokkukulam, Madurai Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam on 21-6-1973 for an apparent considertion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of

Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Power Agent, Sri M. Annamalai, No. 38 & 39 Chokkappa Naicken St., Madurai Town.

(Transferor)

(2) Smt. K. Manonmani, W/o M. Kannappan, No. 60, Navmathkana Court St., Madurai Town,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the requisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who had made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building measuring about 2811 sq. ft. in Old Survey Ward 10, New Ward 7, Block 27, Old T.S. No. 886 (Part), New Town Survey No. 875 (Part) and 3891 sq. ft. in Old Town Survey No. 884/1A (Part) Plot No. 3, New Survey No. 990/3 (Part) situated at Tank Bund Road, Chinna Chokkikulam, Madurai Dt.

K. V. RAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax

Acquisition Range-1. Madras-6

Date: 3-12-73.

UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOTICE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1973

Ref. No. F. X/10/14/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 4, situated at West Marret St., Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam on 19-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Sri M. P. Abdul Hameed. S/o Usman, 4, West Marret St., Madurai. (Transferor)

(2) Sri K. G. Rajan, S/o K. Gopalaswamy, 54, Eluthanikkaran St., Madurai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to avery person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land and building measuring about 3683 sq. ft. in Old Survey Ward No. 5, New Ward No. 14, T.S. No. 474-1. situated at No. 4. West Marret Street, Madurai.

K. V. RAJAN

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 3-12-73.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 4th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, kei. No IAC/Acq.II//3-/4/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/14 situated at Kalkajee, New Delhi (and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 25-6-1973, for an apparent consideration,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shii Lajpat Rai Khanna s/o Shii Dharam Chand Khanna, 1/0 4/7, Kalkajee, New Delhi, (Transferor), 27--356 GI/73

(2) Smt. Kailash Rani w/o Shri Ram Dhan c/o M/s. Rajendra Steel Corporation, Loha Mandi. Khan, Delhi. (Transferee). Motia

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the (b) by any Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Expianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 11/14, measuring 300 sq. yards and situated at Kalkajce, New Delhi,

> C. V. GUPTE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date · 4th December, 1973

#### Scal:

"Strike off where not applicable,

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ

New Delhi, the 5th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II-0/34A situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

officer at Delhi on 20-6-1973,

for an apparent consideration which  $i_8$  less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings tor the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Somavanti w/o Shri Sunder Dass c/o President Hotel, 4/23-B, Asaf Ali Road, New Delhi (Trans feror).
- (2) Shri V. D. Malhotra s/o Shri C. D. Malhotra, r/o H. No. 97, Chhotta Mohalla, inside Delhi Gate, Ghaziabad, (U.P.).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearin the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A leasehold plot of land measuring 299 sq. yards situated at II-0/34A, Lajpat Nagar, New Delhi and bounded as under:-

North : Open space. South: Road. East: C-II/34. West: C-II/34A.

C. V. GUPTE

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 5th December, 1973

Seal:

'Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/63 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 19-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) S/Shri Gopal Dass (ii) Vas Dev & (iii) Iswar Chand, sons of late Shri Parma Nand 1/0 H. No. 6/63, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferor).
- (2) S/Shri Kasturilal Tandon, (ii) Banarsilal, (iii) Manoharlal Tandon and (iv) Joginder Lal Tandon, sons of late Shri Hans Raj r/o 3959/29, Rehgarpura Karol Bagh, New Delhi. (Transferce).
- (3) S/Shri Gopal Dass (ii) Vas Dev, (iii) Iswar Chand, sons of late Shri Parma Nand and S/Shri Kasturilal Tandon (ii) Banarsilal Tandon, (iii) Manohar Lal Tandon, & (iv) Joginder Lal Tandon, son of late Shri Hans Raj Tandon. [Porson(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 6/63, W.E.A., Karol Bagh, bearing Municipal No. XVI/10267, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North: Road South: Lane.

East: Property No. 6/62, W.E.A. West: Property No. 6/64, W.E.A.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 5th December, 1973

Seal:

"Strike off where not applicable.

#### FORM 1TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1973

Ref. No IAC/Acq.ll/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Sec. 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1/96 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 6-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Lok Nath Dhawan s/o Shri Uttani Chand Dhawan, r/o D-1/121, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee) (2) Shri Surrinder S. Babar s/o Shri Sanghi Ram Babar r/o B-1/96, Lajpat Nagar, New Delhi, (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property bearing No. B-1/96, Lajpat Nagar, New Delhi built upon a leasehold plot of land measuring 100 sq. yards with all leasehold, ownership, possession & other rights.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 5th December, 1973

Scal:

\*Strike off where not applicable.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 Block No. 53 situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-6-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dalip Singh Chandok s/o Shri Beant Singh Chandhok, (Special attorney of his brother Shri Amar Singh Chandhok and his brother Shri Surjit Singh and his mother Smt. Prem Kaur Chandhok, r/o 336. V.P. Road, Bombay. (Transferor).
- (2) (i) Smt. Gurcharan Kaur w/o Shri Lal Singh, (ii) Shri Bhupinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh, (iii) Shri Rajinder Pal Singh s/o Shri Lal Singh, residents of H. No. 5648, Gali No. 79, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi. Transferec).
- (3) (i) Shri Lal Singh Gurcharan Singh, (ii) S. Lal Singh, shop, (iii) M/s, Kohli Cycle Co, shop. (iv) Shri S. N. Mukherjee, (v) Shri Ram Murti, (vi) Ajanta Shoe Co., (vii) Shri A. D. Chaudhry, (viii) R. Syam Gupta & Co., (ix) T. S. Kakar & Co., (x) S. C. Bhagat & Co. and (xi) Easter Handicrafts Anand Enterprises. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 6, Block No. 53, with a 24-storeyed building built thereupon on an area measuring 268 sq. yards situated at Desh Bandhu Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi.

C. V. GUPTE Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 5th December, 1973

Seal :

"Strike off where not applicable.

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6012.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. F-17 situated at Kalkajee, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—-

- (1) Ram Lal Madan s/o Shri Munshi Ram Madan, r/o B-III/1368, Rohtak City, Haryana. (Transferor).
- (2) Shri Ram Piara Gulati s/o Shri Sa(ram Dass Gulati r/o F-93, Karbala Aliganj, New Delhi (B. K.) Dutt Colony), New F-17, Kalkajee, New Delhi (Transferee).
- (3) Shri Ram Piara Gulati s/o late Shri Satram Dass Gulati, r/o F-17, Kalkajee, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

G.B.P. No. F-17, measuring 300 sq. yards situated in Block-'F' in Kalkajee, New Delhi

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 5th December, 1973

Seal:

\*Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th November 1973

Ref. No. F. 1(Acq) (3396)/Meetut/73-74/1972.--Whoreas, I, Y. KHOKHAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kasha Meerut, Pargana, Tehsil and Distr. Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut city on 22-6-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely to

S/Shri Brahma Singh Harnarnin Singh and Hari Singh Ss/O Th Palle Singh, R/O Moh. Brahmapuri,

(Transferor)

2. Smt. Shukuntah Davi W/O Raj Kumpi R/O Sheesh Mahat, Meerut,

(Fransferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

18 Biswas pakki land; of Khasia 1069 M. 12 biswas and 1069M, 6 biswas (1 share) situated at Kasha Meerut, Pargana, Ishsil and District Meetut.

> Y. KHOKHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-11-73

Scal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

6574

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION** 

RANGE-I, CENTRAL REVENUE BUILDING 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1973

No. IAC/ACQ.I/SR-I/June-1/235(130)/73-74.—Whereas I. D. B. LAL,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/54 (1/4th share) situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Joginder Singh S/o Sh Dalip Singh 2/54, Roop Nagar, Delbi. (Transferor).
- (2) Shri Sucha Singh S/o Shri Joglader Singh, 2/54, Roop Nagar, Delhi. (Transferee).
- (3) Shii Sukh Dayal Khurana, 2/54, Roop Nagar, Delhi (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable properly will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share of property No. 2/54, Roop Nagar, Delhi bounded as under:

North: Property No. 2/53.

South: Road. East: Road. West Road.

D. B. LAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-l
Delhi/New Delhi

Date: 3rd December, 1973.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE I (ENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1973

No. IAC/ACQ.I/SR-I/July-II/329(28)/73-74.--Whereas I. D. B. LAL

being the Competent Authority under section 2691) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/54 (1/4th share) situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the In Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). which have not Indian the

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice underub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

(1) Shri Toginder Singh S/o Shri Dalip Singh 2/54, Roop Nagar, Delhi. (Transferor). 28 -356 G1/73

- (2) Shri Sucha Singh S/o Shri Joginder Singh, 2/51, Roop Nagar, Delhi, (Fransferor).
- (3) Shri Sukh Dayal Khurana, 2/54, Roop Delhi (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

1/4th share of property No. 2/54, Roop Nagar, Delhi and bounded as under-:-

North Property No. 2/53.

South: Road. East: Road. West Road.

> D. B. LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-T Delhi/New Dellin

Date: 3rd December, 1973.

Seal:

"Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIJOPAL

Bhopal the 4th December 1973

No. SR/Dewas/15-6 73.-Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 84, 3rd storied building situated at Subash Chouk situated at D.was, M.P. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dewas on 11-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor being the competent authority under section 269B of aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shi Shimant Yeswant Rao Alias Bhaw Saheb R/o Satasiv-120 Pawar Chairman, Shri Sheelnath Dhuni Sansthan, Malhar, Dewas MP.

(Transferor)

(2) Shri Ahmed Ali S/o Haji Mulla Akber Ali Bohra r/o Pectha Road, Dewas, M P.

(Transferce)

- '(3) 1. Shri Hassan Ali, 2. Shri Safuddin, 3. Mohd. Hussain, 4. Nazar Hussain, 5. Shri Ibrahim Bhai, 6. Shri Nazar Ali, 7 Principal Primary School, r/o House No. 84, Ward No. 11 Subash Chouk Dewas (Persons in occupation of the property).
- (4) As mentioned in Col. No. 3 above. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publis cation of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, it any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3 storied building, House No. 84 situated at Subash Chouk, Ward No. 11, City Dewas MP Part of house sold measuring area 1839 sq ft

> M, F, MUNSHI Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Bhopal.

Scal -

\*Strike off where not applicable.

Date: 4-12-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BRIOPAL

Bhopal, the 4th December 1973

No. SR/Dewas/15-6-73.—Whereas, 1, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. House No. 84, 3 storied building situated at Subash Chouk situated at Dewas, M.P. (and more fully described in the Schedule annovaed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dewas on 14-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value off the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfered(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the second consideration with the object of the said instrument of transfer with the object of the second consideration and the transferor(s) and the transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the second consideration the said instrument of transfer with the object of the second consideration the said instrument of transfer with the object of the second consideration the second consider

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Yeswant Rao Alias Bhaw Saheb s/o Satasivrao Pawai Chairman, Shri Sheclnath Dhuni Sans than Malhar, Dewas, M.P.

(Transferor)

- (2) Shu Haji Mulla Akbei Ali Bohra, s/o Haji Tayab Bhai Bohra, r/o Peetha Road, Dewas, M.P. (Transferee)
- (3) I Shii Hassan Al., 2 Shii Saituddin, 3, Mohd. Hussain, 4 Nazar Hussain, 5 Shri Ibiahim Bhai, 6 Shii Nazai Ali, 7 Piincipal Primary School, r/o House No. 84, Watd No. 11 Subash Chouk Dewas (Person in occupation of the property)
- (4) As mentioned in Col. No. 3 above (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3 storied building, House No. 84 situated at Subash Chouk, Ward No. 11 City Dewas MP Part of house sold measuring area 1902 sq. ft

M, F MUNSHI,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date · 4-12-1973

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th December 1973

No. SR/Dewas/15-6-73,—Whereas, J. M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 84, 3 storied building situated at Subash Chouk situated at Dewas, M.P. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Office at Dewas on 11-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at itoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings to the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Yeswant Rao Alias Bhaw Saheb s/o Satasivrao Pawar, Chairman, Shri Sheelnath Dhuni Sansthan, Malhar, Dewas, M.P.

  (Transferor)
- (2) Shri Hyder Ali s/o Haji Mulla Akbar Ali Bohra.
  r/o peetha Road, Dewas, M.P.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Hassan Ali, 2. Shri Saifuddin, 3. Mohd. Hussain, 4. Nazar Hussain, 5. Shri Ibrahim Bhai, 6. Shri Nazar Ali, 7. Principal Primary School r/o House No. 84, Ward No. 11 Subash Chouk Dewas. (Person in occupation of the property)
- (4) As mentioned in Col. No. 3 above, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3 storied building, House No. 84 situated at Subash Chouk, Ward No. 11, City Dewas, MP Part of house sold measuring area 2700 sq. ft.

M. F. MUNSHI,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Bhopal.

Date: 4-12-1973

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ,
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1973

No. 35-B/Acq—Whereas, I.S. C. Bahl, IAC, Acq Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act. 1961. (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 53, 56 to 59 65, 105, 106, 107, 108, 109 situated at Bhadarsa. (and

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the lucome Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, y hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh

(Transferor)

(2) Shri Bahadur Singh,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EMPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 85 Acres 73 Dc situated at Vill. Bhadarsa, Dist. Pilibhit,

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 3-12-73 Seal :

(1) Gurbux Singh & others

(Twinsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lakhbir Singh & others

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1973

No. 8-1./Acq.—Whereas, I S. C. Bahl, IAC Acq. Range Lucknow.

being the Competent Authority under sec, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, 92 situated at Bubapur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur on 29-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 26 Acre 73 Dc. with Tube Well situated at Vill. Balsaçur Dist. Lakhimpur.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 3-12-73

Sen1:

tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri Madam Pedda Ramaiah S/o. Venkatachalam R/o Kallur village, Kumool Dist. (Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Geeta Laxmi Traders, Kurnool,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

Hyderabad, the 1st December 1973

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

RAC No. 112/73-74.—Whereas, I S. Balasubramaniam being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 135, 155 to 157 situated at Kallur village, Kurnool Dist. (and more fully

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kurnool Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning agiven in that Chapter

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

### THE SCHEDULE

Property:—Lands Survey Nos. 135, 155, 156 & 157 at Kallur village, Kurnool Dist, area 2.50 cents

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-

### S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-12-1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,

### BHOPAL

Bhopal, the 4th December 1973

N. SR/Dewas/15-6-73 —Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 84, 3 storned building situated at Subash Chouk situated at Dewas, M.P.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Dewas on 11-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Yeswant Rao Alias Bhaw Saheb s/o Satasiv-rao Pawar, Chairman, Shri Sheelnath Dhuni Sansthan, Malhar, Dewas, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Fakhruddin S/o Haji Mulla Aqbar Ali Bohra. r/o Peetha Road, Dewas, M.P.

(Transferee)

- (3) 1 Shri Hassan Ali, 2. Shri Saifuddin, 3. Mohd.
   Hussain, 4. Nazar Hussain, 5. Shri Ibrahim Bhai,
   6 Shri Nazar Ali, 7. Principal Primary School, r/o
   House No. 84, Ward No. 11 Subash Chouk Dewas
   (Person in occupation of the property)
- (4) As mentioned in Col. No. 3 above. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is therby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3 storied building, House No. 84 situated at Subash Chouk Ward No. 11, City Dewas, MP Part of house sold measuring area 1891 sq. ft.

M. F. MUNSHI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhopar

Date: 4-12-1973

1961) to the following persons, namely -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Sri Madam Pedda Ramaiah S/o. Venkatachalam, R/o Kallur village, Kurnool Dist.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Gceta Laxmi Traders, Kurnool,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

perty may be made in writing to the undersigned...

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

Hyderabad, the 1st December 1973

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

RAC No. 111/73-74.—Whereas, I. S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear-No. 135, 155 to 157 situated at Kallur village, Kurnool Dist. more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kurnool on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Property:—Lands Survey Nos. 135 155, 156 & 157 at Kallur village, Kurnool Dist. area 2.50 acres.

And wherears the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

### S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-12-1973

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 29-356 GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 195 in Block 'S' situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 18-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) A. K. Bhatia s/o Shri Dewan Chand Bhatia c/o Dr. R. N. Bhatia, Distt. Hospital, Moradabad, UP.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transfered of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 195 in Block No. 'S' and measuring 300 sq yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at village Babarpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 6-12-1973

Seal

\*Strike off where not applicable

### FORM 1TNS-

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-58 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 18-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(2) Shri Rajendra Prasad Khaitan s/o Shri Hari Narain Khaitan r/o 12, Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. W-58 measuring 990 sq. yards in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territor of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 6-12-1973

šeal:

### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. M/152 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s, D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Rajender Singh s/o Shri Narain Singh c/o Burmah Shell House, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 152 measuring 400 sq. yard in Block No. M, in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi, and bounded as under:—

East: Road West: S. Lane

North: Plot No. M-150 South: Plot No. M-154

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-12-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delbi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.-Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-158 situated at Greater Kailash-II. New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-ta<sub>X</sub> Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

New, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/5 D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Ram Sarup Chugh s/o Shri Ram lal Chugh, r/o 25/75. West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. M-158, measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road West: S. Lane

North: Plot No. M/156 South: Plot No. M/160

C. V. GUPTE,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 6-12-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-235 situated at Greater Kadash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Dolhi on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Durga Devi w/o late Shri Partap Singh Saraf Ram Gali Chowk Pasian, Amritsar, Punjab. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. M-235 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under;

East: S. Lane

North: Plot No. M/233 South: Plot No. M/237

West: Road

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 6-12-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pashori Lal s/o Shri Amrit Sarya village & P.O. Bandala, Distt. Jullandur (Punjab).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delbi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-64 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 8-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealh-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s, D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place New Delhi,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Picce and parcel of land bearing No. M-64 (for shop) measuring 195 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road West: Road

North: shop plot No. M/63 South: Shop plot No. M/65

C. V. GUPTE.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 6-12-1973

(2) Lt Subhash Chopra 5/0 Shri Kanwar Sain Chopra, L-29 Kailash Colony, New Delhi-48.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-253 situated at Greater Kallash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 8-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per-cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the been object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) M/s. D.L.F United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

Date: 6-12-1973

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. S-253 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :-

C. V. GUPTE,

of Income-tax.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner

Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

East: Road West: S. Lane North: Plot No. S/251 South: Plot No. S/255

(2) Shri Surinder Kumar s/o Shri Har Kiishan Lal Talwai r/o K-27, Jangpuia Extension, New Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6076.--Whereas I, C V. Gupte. of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and caring No. M-299 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preparty and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the asoresaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2691) of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely .-

(1) M/s. D L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place. New Delhi

(Transferor)

Date: 6-12-1973

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. M-299 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Babarpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :---

East: Road

West: Road North: Plot No. M/297 South: Plot No. M/301

C. V. GUPTF, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Seal:

30-356GI/73

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-292 situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Delhi on 11-6-1973, for an appaofficer аĹ rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the fellowing persons, namely:—

- M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transcfror).
- (2) Smt. Shashi Mehra w/o Shri Raj Kishore Mehra r/o 434, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi, (Transferee),

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that n date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 292 in Block No. S measuring 308 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Ferritory of Delhi and bounded as under:—

East: S. Lane West: Road

North: Plot No. S/290 South: Plot No. S/294

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

(2) Devindra Dass Sood s/o L. Faquirchand Sood, P.O. 434 Kuchha Brij Nath Chandni Chowk Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFF. 'CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIA DNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No. L 1C/A cq.II, 173-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Co mpeter 't Autho, 'ty under Section 269B of the Income-tax Ac 1, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that · market value exceeding the immovable property, having a fair Rs. 25,000/- and bearing No. S-66 situated at Greater Kailash-II, New D. `~!hi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans ferred as per deed registe '-red under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefrer).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property be fixed, and notice thereof shall be given to person who has made such objection, and the every of the property.

transferee ther notified that every person to under the preceding paragraph whom notice is given shall have a right to be in objections.

"sed herc-

EXPLANATION:—The terms and expressions L in as are defined in Chapter XA the Income-tax Act, 1961 (43 6, 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards & bearing No. S-66 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.11/73-74/6076.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M/89 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Dethi on 7 6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as arread to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transcfror). (2) Smt. Kamala Gujral wife of Shri Dharam Paul Gujral r/o A-1, Sainak Sadan, Narayana, Residential Area, New Delhi-28. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquilition of the immovable property will be fixed, and notice thereof thall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing Plot No. 89 in Block No. 'M' and measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road West: Road

North: Plot No. M/87 South: Plot No. M/91

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No IAC/Acq II/73-74/6076.—Whereas I, C V. Gupte, being the competent authority under

Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. M 71 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the

Schedule an exed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 29-6-1973,

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfercer(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the tansferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi, (Transefror).
- (2) Shri H. L. Sharma s/o Shri Gurdass Ram r/o 4 CC-A, Upper Anand Parbat, Delhi-5.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards and bearing No. M-71 in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

Objec tions, if any, to the acquisition of one said premy be made in writing to the undersignedperty m

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte,

being the Competent

authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. M-121 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed Amereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :--

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefrer).
- (2) Smt. Sushila Devi w/o Shri Fatch Chand Adlakha, S-432, Greater Kailash-I, New Delhi, (Transferce).

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notic on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dare of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearin the objections, if any, made in response to this notic against the acquisition of the immovable property wil be fix ed, and notice thereof shall be given to ever persor , who has made such objection, and the transfere of the 3 property.

It is hereby further notified that every person : whom notice is given under the preceding paragrap shall have right to be heard at the hearing of the objections

Expla NATION: - The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA o the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) shall have the same meaning a given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards and bearing No. M-121, in a residential colony known as Greater  $K_{\rm F}$  allash II situated at yillage Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delh

Date 1: 6th Dece mber, 1973

Scol:

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.11/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte. eing the Competent Authority under Section 269D) if the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to blieve that the immovable property, having a fair market alue exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-173 situated t Greater Kailash-II, New Delhi (and nore fully described in the Schedule annexed hereto). has een transferred as per deed registered under the Indian egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the egistering Office, at Delhi on 29-6-1973, for an appaent consideration which is less than the fair market value of no aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds than pparent consideration therefor by more than fifteen per cent, such apparent consideration and that the consideration for ich transfer as agreed to between the transferor(s) and the: ansferec(s) has not been truly stated in the said instrument. f transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) imrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for ne acquisition of the aforesaid property in terms of hapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) ave been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby sitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid roperty by the issue of this notice under sub-section (1) section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the following persons, namely:—

- M/s D.L.F. United Ltd, 40-F. Connaught Place, New Delhi. (Transefror).
- (2) Shri J. K. Chaudhry 'ASHIANA', 357, Nepic Town, Jabalpur. (Transferce),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. M-173 measuring 400 sq. yards in a residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

Soal , 1

(2) Smt. I. Dass Gupta w/o Shri M. M. Dass Gupta, 7/11, Central Revenue, Durgapur-4, (West Bengal), (Transferee).

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 6th December 1973

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961

objection, and the transferee of the property.

(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

bearing No.
No. E-526 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

A freehold plot of land measuring 550 sq. yards bearing No. E-526 in the residential colony known as Greater Kailash II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 6th December, 1973

 M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefror).

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s D.L.F. United Ltd, 40-F, Connaught Place New Delhi (Transefror)
- (2) Shu Inderbhushan Das Gupta 5/0 Shri M. M. Das Gupta, r/0 7/11, Central Avenue, Durgapur-4, West Bengal (Transferce).

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ref. No IAC 'Acq.II/73-74/6076 -Whereas L. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. No. E-48 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, the efore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

31-356GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferree of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

FXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. E-48 measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:--

East: Road West. S. Lane North Plot No. E/50 South: Plot No. E/46

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

(1) M/s D.L.F. United Ltd. 40-F, Connaught Place, New Delhi (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrawati w/o Pt. Devendra Nath. D-14/ 16, Model Town, Delbi-9. (Transferee).

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 6th December 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

It is hereby notified that a data and place for hearing the

No. E-40 situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property shall be fixed, and notice thereof shall be given to every such person who has made such objection, and the transferee of the property

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 5-6-1973 for an apparent consideration which is

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A freehold plot of land measuring 250 sq yards bearing No. E-40 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Dathi

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:

Date: 6th December, 1973

(2) Shri Gurbachan Lal, E14, N.D.S.E., Part-I, New (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Rel. No. IAC/Acq.11/13-74/6076.-Whereas I, C. V. Gupte, Rel. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. M-28 situated at Greater Kailash-II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Delhi on 19-6-1973.

Delhi on 19-6-1973,

May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) M/s D.L.F. Umted Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing Plot No. 28 in Block No. 'M' and measuring 195 sq. yards situated in a residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: Road West: Road North: Shop Plot No. M-27 South: Shop Plot No. M-29

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II.

Delhi/New Delhi

Dat : 6th December, 1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

Ret. No. IAC/Acq.II/73-74/6076.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-511 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 18-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd, 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefror).
- (2) Shri Om Parkash Handa s/o Shri Jagan Nath Handa 1/o 40-Park Road, Laxman Chawk, Dehradun, U.P. (Transferee).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 4S days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 511 in Block No. 'S' measuring 550 sq. yds. in a residential colony known as Greater Kailash-Il, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6th December, 1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Dolhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-91 situated at Greater Kailash-II, New Delhi. (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfereo(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transofror).
- (2) Shri Ashok Rumar Jain s/o Shri Shriri Pal Jain, r/o 6, Rohtak Road, New Delhi, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX 4 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHADULE

A plot of land measuring 1057 sq. yards and bearing No. W-97 in a residential colony known as Greater Gailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7th December, 1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq II/73-74/6120 —Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. M—190 situated at Greater Kailash-II, New Deim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Defin on 16-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Itd., 40-F Connaught Place, New Delhi (Transeftor)
- (2) Smt Maina Sundii Jain w/o 1. Shiii Paul, r/o 6, Rohtal Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards & bearing No. M-190 in a residential colony known as Greater Kallash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi,

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7th December 1973

Scal .

FORM-ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
NEW DEI HI

New Delhi the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6120—Whereas I, C. V. Gupte. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-73 situated at Greater Kailush-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on 16-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of only income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

- (4) M/s D.I. F. United Ltd 40-F, Connaught Place, New D. Ph. (Franschot).
- (2) Shir Shambhu Ram s/o Shir Ascharaj Ram c/o M/s Ascharaj Ram Sham Bhu Ram Cloth Market, Chandni Chowk Delhi-6 (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning a given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 73 in Block No. S and measuring 300 sq. yards situated in the residential colony known as Greater Kailash-II at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V GUPTE

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date 7th December, 1973

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent

authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M-175 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefror). (2) Shri (1) Wg. Cdr. Nagina Singh, s/o late S. Bhagwan Singh, (ii) Kuldip Singh s/o Wg. Cdr. Nagina Singh (Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and purcel of land bearing plot No. 175 in Block No. M, and measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 7th December, 1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref No IAC/Acq.II/73-74/6120—Whereas I, C, V, Gupte, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. M-84 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfero(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—32-356GI/73

- (1) M/s D.L.F. United Ltd, 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transefron).
- (2) Shu Danlat Ram s/o Shu Ghansham Dass, Shop No 42, Rajinder Nagar, New Delhi, (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 84 in Block No. M and measuring 195 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7th Dec.mber 1973

Scal:

FORM ITNS.....

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas 1, C, V, Gupte,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated No. M-293 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-6-1973, for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds' the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place. New Delhi. (Transefror).
- (2) Shri Gita Parkash s/o Shri Thakar Dass c/o Bharat Jewellers Main Bazar, Paharganj, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 293 in block No. M, and measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 7th December, 1973 (Seal)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6120,—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-448 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 2-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Amar Nath Verma s/o Shri Dhut Ram Verma R/o 36/7, H-Block Connaught Place, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 550 sq yards bearing No. S-448 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delbi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER O INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas 1, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-591 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 15-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Khanna c/o Shri Sukupat waquera Advocate, Sukh Bhawan, College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yards and bearing No. E-591 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Babarpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Oate: 7-12-1973

Scal:

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii K. P. Nigam 5/0 Shii P. G. Nigam, 1/0 I-914, Sarojini Nagar, New Delhi-23,

(Fransferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

No IAC/Acq.11/73-74/6120.—Whereas I, C. V Guple, being the competent authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. M-117 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(8) and the transferee(8) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the income-tax
   Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
  ausing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 260C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namedly:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 309 sq. yards bearing No. M-117 in the residential colony known as Greater Karlash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhis

C. V. GUPIE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

Seal:

\*Strike off where not applicable

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973.

No. IAC/Acq.11/73-74/6120,--Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-358 situated at Greater Kailash-Π, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 5-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Shri Gurpershad Chopra, (2) Km. Indu Bala, 25
Mukherjee Nagar, Siriganganagar, (Rajasthan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 250 sq. yards bearing No. E-358 in the residential chlony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-U. Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

Seal:

Strike off where not applicable.

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value expeeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-302 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in

the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 15-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the respect of a transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

- (1) M/s D.L.F United Ltd., 40-F, Connaught Place. New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Mohan Singh Ahluwalia s/o Shri Gurcharan Singh Ahluwalia, 17-A/18, W.E.A., Kaiol Bagh, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It  $j_S$  hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

A freehold plot of land measuring 250 sq yards bearing No E-302 in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V GUPTI,

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

Seal:

\*Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOMF TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Dolhi, the 7th December 1973

No IAC/Acq.II/73-74/6120.—Whereas I. C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason 269B reason to believe that the immovable property, having market value exceeding Rs. 25,000/- and a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. S-277 situated at Greater Kailash-II, New Delhi bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the tiansferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place New Delhi.

(Tidasteror)

(2) Shri B L. Taneja r/o I/247, Ashok Niketan, D.D.A. Flats. Naraina, New Delhi-110038.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece & parcel of land bearing Plot No. S-277 measuring 300 sq. yards in a freehold residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C V GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

Seal:

'Strike off where not applicable.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th December 1973

No. JAC/Acq.II/73-74/6120,-Whereas J. C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-159 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Delhi on 16-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

33---356GI/73

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Krishan Dev Khosla s/o Shi Harnarain Khosla, (ii) Smt, Saraf Khosla, w/o Shri Krishan Devi Khosla, r/o A-61, N.D.S.E., Part-I, New Delhi-110049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 159 in Block No. S, measuring 306 sq. yards situated in a residential colony known as Greater Kailash-II at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 7-12-1973

FORM ITNS ----

(2) Shri Manjit Singh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th November 1973

Ref. No. 37-M/Acq.—Whereas, I, S C. BAHL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 281 to 380 situated at Umedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kashpur on 16-6-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid transfer and I have received to the aforesident and I have rec said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trans-
- (b) facilitating the concealment of any income orany moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:-

(1) Shri Nirmal Singh

Date: 27-11-73.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 23 Bighas 10-1/4 Biswas situated at Umedpur Dist. Nainital.

> S. C. BAHL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Lucknow

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli, the 30th November 1973

Ref. No. 41/(73-74)/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 2988/Ward No. 1 and C.T.S. No.2986/

Ward No. I, situated at Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :-

- (1) 1. Shrimati Kanchan Dattanand Koppikar, "Sri Sai Lane No 2, Madhavpur, Dajibanpeth,
  - 2. Kumari Padmini Dattanand Koppikar, C/o Smt. Kanchan Dattanand Koppikar, Dajibanpeth, Hubli.
  - 3. Kumari Surekha Dattanand Koppikar, minor by guardian and mother Smt. Kanchan Dattanand Koppikar, Dajibanpeth, Hubli-20.

(Transferors)

- Shri Jwalakumar Padmanabhaiah Javali, Partner, M/s. New Mysore Stores, Hubli.
  - Shri Nirmalkumar Padmanabhaiah Javali, Partner, M/s. New Mysore Stores, Hubli.
  - 3. Shri D. S. Kantarajaiah, Partner, M/s D. S. Kantarajaiah & Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tumkur.
  - 4. Shri G. N. Padmanabhaiah, Partner M/s. D. S. Kantarajaiah & Co., P.B. No. 22 Mandipeth, Tumkur.

(Transferees)

- (3) 1. Kumar Vinay Jwalakumar Javali.
  - Kumar Anıl Jwalakumar Javali,
  - 3. Kumar Suhas Jwalakumar Javali,

(Minors by guardian and mother Smt. Shakuntala J. Javali, Club Road, Hubli.)

- 4. Kumar Sunil Nirmalkumar Javali.
- 5. Kumar Ajit Nirmalkumar Javali,

(Minors by guardian and mother Smt. Nalini N. Javali Club Road, Hubli.)

6. Shri M. P. Sunmathikumar, Partner, M/s D. S. Kantarajaiah & Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Mandipeth, Tumkur.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication (a) by any of the aforesaid of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(1) Mangalore Tiled Houses and open Space at C.T.S. No. 2988, Ward No. 1 measuring 100 sq. yards situated at Hubli City—opposite to Hahsildar Office and bounded by:—

On the East: K.C.C. Bank
On the West: Shri Krishna Temple.
On the North: Property Previously owned by Shri G. R.
Koppikar but now owned by J. P. Javali and others.
On the South: Property Previously owned by Smt.
Krishnabai Rammohan Koppikar but now owned by J. P. Javali and others,

2. Ward No. 1, C.T.S. No. 2986, 1176 square yards out of this middle part i.e. East and North side's open space measuring 444 square yards and bounded by :---

On the East: K.C.C Bank.

On the West: Shri Krishna Temple.

- On the North: Property Previously owned by Shri Gourlshankar R. Koppikar but now owned by J. P. Javali and others.
- On the South: C.T.S. No. 2987 including two Latrines, one Bath Room, one Bore-well and one Special Tap and Trees.

R. PARTHASARATHY, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax. Acquisition Range Hubli.

Date: 30-11-1973

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HUBLI-21

Hubli-21, the 30th November 1973

Ref. No. 42/(73/74)/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Hubli, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 2985, Ward No. I and C.T.S. No. 2986, Ward No. I, situated at Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 7-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquilition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:--

(1) (i) Shri Vishwanath Rammohan Koppikar, Asst. Drug. Controller, B/13, Karnatak Buildings, Moghul Lane, Bombay-16. (ii) Shri Ajit Vishwanath Koppikar, C/o Shri Vishwanath Rammohan Koppi kar, Retd Assistant Drug Controller, B/13, Karnatak Buildings, Moghul Lane, Bombay-16. (iii) Shri Dilip Vishwanath Koppikar, C/o Vishwanath Rammohan Koppikar, Retired Assistant Drug Controller, B/13, Karnatak Buildings, Moghul Lane, Bombay-16.

"(Transferors)

(2) (i) Shri Jwalakumar Padmanabhaiah Javali, Partner, (1) Shri Jwalakumar Paomanabhaian Javan, Partner, Messrs. New Mysore Stores, Hubli. (ii) Shri Nirmalkumar Padmanabhaiah Javall, Partner, M/s. New Mysore Stores, Hubli. (iii) Shri D. S. Kantarajalah, Partner, M/s. D. S. Kantarajalah & Co., P.B. No. 22. Mandipeth, Tumkur, (iv) Shri G. N. Padmanabhaiah, Partner, M/s D. S. Kantarajalah & Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tumkur. (Transferees) (3) (i) Kumar Vinay Jwalakumar Javali, (ii) Kumar Anil Jwalakumar Javali, (iii) Kumar Suhas Jwala-Kumar Javali, (Minors by guardian & mother Smt. Shakuntala J. Javali, Club Road, Hubli.) (iv) Kumar Sunil Nirmalkumar Javali, (v) Kumar Ajit Nirmalkumar, Javali; (Minors by guardian and mother Smt. Nalini N. Javali, Club Road, Hubli.) (vi) Shri M. P. Suumathikumar, Partner, Messrs. D. S. Kantarajaiah & Co., P.B. No. 22, Mandipeth, Tunkur.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(1) Ward No. 1. C.T.S. No. 2985, Area 204 Square Yards situated at Hubli City opposite to Tahsildar's Office and bounded by :

On the East: K. C. C. Bank. On the West: Shri Krishna Temple.

On the North: Road.
On the South: C.T.S. No. 2986 (Property as written in No. 2)

(2) Ward No. 1 C.T.S. No. 2986, 1176 Square Yards, out of this house at North side and bounded by :-

On the East: K. C. C. Bank.

On the West: Shri Krishna Temple,

On the North: Property as shown in No. 1.

On the South: Property previously owned by Shri Gourishankar, R. Koppikar and now owned by J. P. Javali & others. (Area of both properties: East-West: 58'. North-South: 65').

#### R. PARTHASARATHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Hubli.

Date: 30-11-73.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-II, CALCUTTA-1

Calcutta, the 5th December 1973

Ref. No. Ac-71/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2F situated at Alipur Avenue, Calcutta-27 (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 9-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Dr. Nirode Bijoli Roy, 19, Harrington Mansions, Harrington Street, Calcutta. (Transferor) (Transferor) (2) Shri Subhas Chandra Ghosh, 22B, Nalini Sarkar Street, Calcutta (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) I y any other person interested in the said immedable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 cottahs 8 sq. ft. in premises no. 2F Alipur Avenue, Calcutta.

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1,

Date: 5-12-73.

(1) Justice K. Madhava Reddy, 254, Maredpally, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Smt. Nerella Sobhavathi, W/o Nerella Venumadhav. M.I (., Watangal. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) Sri K. Vishveshwer Reddy, (Minor) H. No. 3-6-395, Himayatnagar, Hyderabad. (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Hyderabad, the 6th December 1973

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. RAC. No. 117/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. value exceeding Rs. 25.000/- and 3-6-395, situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the bearing Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at DRO, Hyderabad on 25-6-73 apparent consideration which is on 29-5-1973, for an appless than the fair market valu*e* of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income

arising from the transfer; and/or

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by nie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid

### THE SCHEDULE

Property: House No. 3-6-395, Himayatnagar, Hyderabad. Adjacent to Husain Sagar surplus water canal, R.C.C. Double storied, Brick & limes walls.

### S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to

Date: 6-12-1973.

the following persons, namely:-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th December 1973

Ref. No. AC-73/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33 situated at Dr. Rajendra Road, Bhawnipur, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Office of the Registering Officer at Registral of Assurances, Calcutta on 22-6-73 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri Amritlal Jagannath Parkhain, 34A, Dr. Rajendra Road, Bhawanipur, Calcutta.
   (Transferor)
- (2) Anamika Builders (P) Ltd., 20, Ganesh Chandra Avenue. Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 33, Dr. Rajendra Road, Bhawanipur, Calcutta having vacant land measuring 5 cottahs 14 chattacks 4 sq. ft.

M. N. TIWARY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,

Calcutta-1.

Date: 5-12-73,

Scal:

TORM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECT-ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 5th December 1973

Ref. No. AC-24/R-IV/Cal/73-74,—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6 situated at Calculta Improvement Trust Scheme VI-M, 104, Narikeldanga Main Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed here to), has been transferred as per deed registered and the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of The Registering Officer The Registering Officer sub-Registering Officer of 24-Pargana, on 23-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferor(s) and the transferor(s) has not been truly stated in feror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :--

- (1) Sho Biswanath Tulshan, 43, Su Hariram Goenka Sticet, Calcutta, (Transferor )
- (2) Shri Om Piakash Saraf, 22, Burtolla Stieet, Calcinta-7. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is thereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph hall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:-The terms and expressions used herein as 'are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No 6 of C.I.T. Scheme VI-M situated at No. 104. Narikeldanga Main Road, Calcutta, Dist. 24-Parganas having an area of 5.68 cottahs.

> M. N. TIWARY Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV P-13, Chowringhee Square, Calcutta.

Date: 5-12-73.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1973

Ref. No. RAC. No. 116/73-74. Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-4-8 situated at Kattalmandi, J. N Road, Hyderabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 22-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the 1 casons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;—34—356 GI/73

- Sri Tarmakdas, 2. Sri Rajendra Kumar, and 3. Sti Arvindkumar, all at once place House No. 4-3-428, Bank Street, Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Mitta Jaipal, House No. 5-4-8 (Kattalmandi) J. N. Road, Hyderabad-1. (Transferee)
- "(3) Transferee only.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House No. 5-4-8 (Kattalmandi) J. N. Road, Hyderabad-1.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 5-12-1973.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1973

Ref. No. RAC. No. 118/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 situated at Malakpet. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Azampura, Hyderabad on 25-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sii Paivatha Reddy Prabhakar Reddy, S/o Sri Babul Reddy, Advocate, House No. 3-4-863, Barkatputa, Hyderabad (Transfetor)
- (2) Smt Umrao Kavar, W/o Sti Umedmal Kothæri, R/o House No 16-2-170, Malakpet Mæhajan Building, Hyderabad (Transferee)
- 21(3) Transferce only

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Plot No. 5 in a sanctoned layout No. 71 at Judges 'Colony' Malakpet, Hyderabad, admeasuring 1179 Sq Yds

S. BAI ASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date 5-12-1973.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1973

Ref. No. RAC. No. 119/73-74.—Whereas, I. S. Balasubra-manian.

being the Computent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000<sub>t</sub>, and bearing

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 16-3-990 stuated at New Malakpet, Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad
on 27-6-73 for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which quight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Col Habech Ali, S/o Col. Habbeeb Yar Jung, R/o H. No. 16-3-990. New Malakpet, Hyderabad. (Transferor)

- (2) Sri Mohd. Azmath Ali, S/o Mohd. Fayaz Ali, R/o H No 16-3-990, New Malakpet, Hyderabad. (Transferee)
- \*(3) Transferee only.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expression used here n as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House No 16-3-990, New Malakpet, Hyderabad. (Part of the house).

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-12-1973.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-1

Calcutta, the 5th December 1973

Ref. No. Ac-72/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2F situated at Alipur Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances. Calcutta on 9-6-73 for an apparent consideration which 19 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Dr. Nirode Bijali Roy, 19, Harrington Mansion, Harrington Street, Calcutta. (Transferor), (2) Tapan Ghosh, Kuthir Math, Chandernagore, Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 cottahs 3 chattacks and 4 sq. ft. at No 21 Alipur Avenue, Calcutta.

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition
Range-II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1.

Date: 5-12-73.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1973

No IAC/Acq.II/73-74/6076 -- Whereas I, C. V. Guptc, being the competent authority under section of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing value No. S-236 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income- Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

pcity by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd, 40-F, Connaught Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Avasthy w/o Shri Suresh Kumar Avasthy, N-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the force id persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections it any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a tight to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 300 sq. yards and bearing No S-236, in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE,

Competent Authority.
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date · 6-12-1973 ·

Seal:

'Strike off where not applicable

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

#### ENGINEERING SERVICES (ELECTRONICS) **EXAMINATION 1974**

#### F. 3/4/73-E.I.(B)

New Delhi, the 8th December, 1973

A combined competitive examination for recruitment to the A combined competitive examination for rectaining to the posts mentioned in para 2 below will be held by the UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION at ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR. MADRAS, SHILLONG AND TRIVANDRUM, commencing on the 18th June 1974 in accordance with the gales published by the Ministry of Communication. dance with the rules published by the Ministry of Communications in the Gazette of India, dated the 8th December, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annoxure II, para 10).

2. The posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below :-

1

1

#### CLASS I

- 1. Engineer in the Wireless Planning and Co-ordination Wing/ Monitoring Organisation, Ministry of Communications.
- 2. Deputy Engineer-in-Charge in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.
- 6 (Includes 2 vacancies reserved for Schoduled Castes Candidates)
- 3. Assistant Station Engineer in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting,
- 4. Technical Officer in the Civil Avjation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.
- Communication Officer in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation,
- 6. Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Dovelopment.
- 7. Deputy Armament Supply Officer, Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.

#### CLASS II

1. Assistant Engineer in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- 2. Assistant Engineer in the Over- 34 (Includes 8 vacancies seas Communications Service, Ministry of Communications.
- 3. Technical Assistant (Class II- 21 (Includes 6 vacancies non-Gazetted) in 1the Overseas Communications Service, Ministry of Communications.
- reserved for Schuduled Castes and 4\ vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates).
  - reserved for Scheduled Castes candidates and 3 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates).
- \*Vacancies not intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Noif 1.—In the event of the required number of Scheduled Castes and/or Scheduled Tribes candidates not being available to fill all the vacancies reserved for them, the vacancy/vacancies remaining unfilled may be filled by appointment of general candidate(s) after dereservation of such vacancy/vacancies.

Note 2 .-- A proportion of vacancies in the above mentioned posts has been reserved for graduate engineers who were commissioned in the Armed Forces on a temporary basis during the emergency and who are later released; such reserved vacancies are not included in the numbers of vacancies indi-The reserved vacancies, to the extent these recated above. main unfilled by the selection of released officers of the the Armed Forces, may be filled on the basis of this competitive examination.

- 3. Candidates who quality in the Examination may also be considered for other posts under the Central Government (vide para 7 of Appendix III to the aforesaid Notification of the Ministry of Communications) requiring similar educational qualifications.
- 4. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one post, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the pos(s) for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments. They may include in the order of preference, also the other posts under the Central Government, viz. Class I posts and Class II posts (vide paragraph 3 above) if they wish to be considered for appointment thereto.

CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY WILL NOT BE CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO POSTS NOT SPECIFIED BY THEM IN THE APPLICATION.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011). The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded,

NOTE: CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICAIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING

SERVICES (ELECTRONICS) EXAMINATION, 1974. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES (ELECTRONICS) FAAMINATION, 1974 WILL NOT BE ENTERTAINED.

- 6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission. Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 4th February 1974 (18th February 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to 4th February 1974), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.
- 7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS RE-QUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE J.

- 8. If any candidate who took the Engineering Services (Flectronics) Examination held in 1973 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1973 examination, his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure 1
- 9 NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Deputy Secretary

Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

1 Candidates seeking admission to the Examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise a except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

- 2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a hona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971 or is a hona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a hona fide repatriate of Indian origin from Si<sub>1</sub> Lapka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee
- A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate sceking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 of the Notice, not can the fee be held in reserve for only other examination or selection.

### ANNEXURE II

#### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice, Before filling in the application form the Candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH 1 IE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SEI FCTED WILL BE ENTERTAINED.

- 2. (i) The application form, the attestation form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.
- (ii) The completed application form, the attestation form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered,

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands and I akshadweep from a date prior to 4th February, 1974

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual as daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Serice Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be entertained.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure 1)
  - (ii) Copy of Certificate of Age.
  - (iii) Copy of Certificate of Educational qualification.
  - (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm, approx.) photograph of the candidate.
  - (v) Copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
  - (vi) Copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See para 5 below).

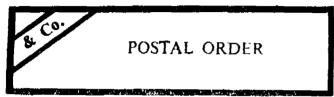
NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii) (iii) (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE

WRITTEN FXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN FXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF OCT, 1974. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION ON DEMAND AT THAT TIME

Details of the documents mentioned in items (1) to (vi) are given below;—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below:—



and completed as follows:---

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

Nori.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI—Miscellaneous Departments Examination fees—Receipts of the Union Public Service Commission" The candidates should forward the receipt from that office with the application

(ii) CERTIFICATE OF AGE.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which entract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Fxamination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the copy of the Matriculation/Higher Secondary Framination Certificate a copy of a certificate from the Headmastei/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/ Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Registerof the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is incomeditent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Fxamination. Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit a copy of only the page containing entries relating to age,

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BELN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.—A candidate must submit a copy of certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If a copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, may apply for admission to the eximination, a candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided that the qualifying examination including the Practical training/Project work, is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination including the Practical training/Project work, in the form pre-cribed below as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

Certificates showing proof of passing qualifying Examination.

"1. Certified that Shri/Smt./Km."		_,.,	 	
son/daughter* of-			been	а
student in this college has passed the-				
examination and completed the prac-				
work* in order to become eligible for t				
degree, and that he/she has been place	ed in	1	 	
division				

Certified also that all the requirements for the award of degree including Practical/training/project work were completed by him/her\*on ......

"2. Certified that Shri/Smt./Km	
son/daughter" ofappear/has appeared" at	
conducted by in the mor	th of
19 and that the above exampractical training/project work* which wo	ination including
cligible for the award of degree completed on 19.	
	ure

19	
	Signature
	Designation-
Name o	of Institution———
W	nere situated

"Strike out whichever is not applicable.

Note 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in Rule 6(e) must submit a copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned, showing that he has pas ed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) THREE COPIES OF PHOTOGRAPH.—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one each of which should be pasted on the first page of the application form and the first page of the attestation form respectively, and the third copy should be firmly attached with the application form Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned mater paragraph 3.ii), 3(iii) and 3(iv) above without a trasonable explanation for its absence having been given, the application is hable to be rejected and no appeal against its ryllicine will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submit storn of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Sche-Juled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim a copy of a certificate in the form given from the Destrict Officer or the Sub Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his patents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government conceined as competent to obside such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:—

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*

son/daughter\* of of village/
town\* in District/Division\*

of the State/Union Territory\* of Caste/Tribe\*
which is recognised a, a Scheduled Caste/Scheduled Tribos under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966.\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Con titution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,

the Constituiton (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order. 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order  $1968 \, ^{w}$ 

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_ and/or\* his/her\*family ordinarily reside(') in village/town\* \_\_\_\_ of \_\_\_\_ District/Division\* of the State/Union Territory\*

\*\*Designation
(with seal of Office)
State/Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

None—The term "ordinarily reside(s) used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act. 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Supendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divi ional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extta Assistant Commissioner.
  †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate,
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5(c)(ii) or 5(c)(iii) should produce a copy of a certificate from one of the following authorities to show that he 13 a bonn tide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrared to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranva Project or of Relief Camps in various States:
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be re ident;
  - Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from a Di trict Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5(c)(v) or 5(c)(vi) should produce a copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Butma claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(iπ), should produce a copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he i an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(c)(iv) should produce a copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.
- (v) A candidate who has migrated from Kenya Uganda or the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(c)(vii)

should produce a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(x) or 5(c)(x) should produce a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate Certified that Rank No.

Of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

- (vii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5 (c) (xii) should produce a copy of a certificate, from one of the following authorities in support of his claim:
  - (1) Director of Civil Administration.
  - (2) Administrators of the Concelhos.
  - (3) Mamlatdars.
- (viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(c)(xiii) or 5(c) (xiv) sould produce, a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.

Shri

of Unit

was disabled while in the Border
Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of
1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation......
Date......

- 6. A per on in whose case a certificate of eligiblity is required should apply to the Government of India Ministry of Tourism and Civil Aviation/Information and Broadcasting/Communications/Defence/Industrial Development for issue of the required certificate of eligibility in his favour.
- 7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

- 10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines. Delhi (110006) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitah Mahal 14, Janpath Barracks, 'A'. New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofus it towns.
- 12. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-11 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.

N.B.~-COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

13. Change in address.—A CANDIDATE MUST SPE FIGAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE FARLIFST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION ADVERTISEMENT NO. 49

Applications are invited for undermentioned posts. Agas on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable up to 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhite East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shabjahan Road. New Dellvi-110011. Requests for forms must specify name of post advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indication thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to

repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 7th January, 1974 (21st January, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

One post at S. No. 12 and posts at S. Nos. 5, 7 and 13 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 9 and 14 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 2, 3, 4, 15 and 16 temporary but likely to continue indefinitely Post at S. No. 10 temporary but likely to continue on long term basis. Posts at S. Nos. 1, 6, 8 and 11 temporary but likely to continue. One post at S. No. 12 temporary.

2 posts at S. No. 3 and one post at S. No. 6 reserved for Scheduled Castes candidates. One post at S. No. 3 reserved for Scheduled Tribos candidates. Post at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates, if available otherwise to be treated as reserved for Scheduled Tribos candidates and candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribos only need apply. Post at S. No. 9 reserved for Scheduled Tribos candidates failing which reserved for Scheduled Tribos candidates and failing both to be treated as untreserved.

Two posts at S. No. 3 and post of S. No. 7 reserved for Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military service/due to be released, if available, otherwise to be treated as unreserved.

- 1. One Marine Engineer, Pelagic Fishery Project, Cochin. Pay.—R., 700—50—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—B.O.T./M.O.T. Certificate of Competency as 1st Class or 2nd Class Engineer (Motor) issued by the Mercantile Marine Department. OR Certificate of Competency as Engineer of Fishing Vessels (Motor) issued by Mercantile Marine Department or equivalent.
- 2. One Senior Scientific Officer Grade 1, Directorate of Aeronautics, Research and Development Organisation, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 700—50—1250. Age.—Preferably pelow 40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Classed Orgree in Telecommunication Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in Research, Design and Development in the fields of Radar, Communication and/or Navigation.
- 3. Eleven Assistant Directors (Grade I) (Mechanical). Small Scale Inclustries Organisation Ministry of Industrial Development, Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—Degree in Mechanical Engineering from a recognised University/Institution or equivalent.
- 4. Three Senior Scientific Officers Grade II, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research and Development Organisation, Ministry of Defence, Pay.—Rs. 400—40—800—50. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—For Category I (1 post):—(i) Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in the study and analysis of electrical control systems. For Category II (1 post):—(i) Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (fi) About two years' experience in the field of machine design in the following areas:—(a) Design and development of rotary machines, (b) Analysis of complex mechanisms, (c) Design of gears and power drives. For Category III (1 post:—(i) Second Class Degree in Electrical Communication Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in the Design of Digital circuits and sound knowledge of digital computer hardware.

- 5. One Senior Lecturer in Textile Designs, Indian Institute of standoom Technology, Varanasi, Office of the Textile Commissioner, Ministry of Commerce, Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications,—Essenial,—(i) A Degree in Textile manufacture, preferably specialised in weaving and textile designing of a recognised University or equivalent (ii) About 3 years' teaching experience in textile designing or in the industry.
- 6. Two Assistant Directors Grade 1 (Dyeing) Officer of the Textile Commissioner, Ministry of Commerce, Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit—35 years. Qualifications,—Essential.—(i) Degree in Textile Chemistry or Chemical Technology or Master's Degree in Chemistry from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in a responsible capacity in a textile, woollen or artificial fabrics mill as a Dyer, Bleacher or Finisher or in a Government or Semi-Government Organisation dealing with processing of fabrics or with dyes and chemicals.
- 7. One Lecturer in Civil Engineering, Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration. Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—At least Second Class degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent with at least 3 years teaching/research/professional experience OR At least Second Class Master's degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent.
- 8. One Skipper, Pelagic Fishery Project, Cochin. Pay.—Rs. 725—25—900. Age limit.—35 years. Qualifications—Essential.—Certificate of Competency as Skipper for Fish of Vessels issued by the Mercantile Marine Department.
- 9. One Assistant Engineer (Workshop), Integrated Fisherics Project, Ernakulan, Ministry of Agriculture, Pay,—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Mechanical or Marine Engineering of a recognised University or equivalent, (ii) Experience in maintenance and repair in a marine workshop.
- 10. One Assistant Soil Chemist, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture). Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Agriculture—30 years. Qualifications,—Essential.—(i) Masteric degree in Chemistry or Soil Science or Agricultural Chemistry of Agriculture with Soil Science and Agricultural Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' research experience in Soil Chemistry (evidence to be furnished).
- 11. One Assistant Director of Archives (Records and Publications), National Archives of India, Ministry of Education & Social Welfare. Pay.—Rs. 590—30—740—40—1100—50/2—1150. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's degree in Modern Indian History of a recognised University or equivalent. (ii) Knowledge of Archival Science.
- 12. Two Assistant Directors, Grade 1 (Designs), Office of the Textile Commissioner. Bombay. Ministry of Commerce.—Plays.—Rs. 400—400—450—30—600—36—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree or Diploma in fine or applied art of recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 3 years' training and experience in Textile Designing or about 3 year's experience in teaching fine arts.
- 13. One Assistant Director, Grade I (Costing), Office of the Textile Commissioner, Ministry of Commerce.—Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications!—Essential.—(I) Associate of the Institute of Chartered Accountants of India OR Institute of Cost and Works Accountants of India or equivalent.

  (ii) Some experience of dealing with costing and financial problems.
- 14. One Lecturer in Political Science, National Defence Academy, Kharakvasla. Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 (with special allowance of Rs. 150/p.m.). Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Good Academic record with at least Second Class Master's

Degree in Political Science from a recognised University/ Institution or equivalent. (ii) About 2 years' teaching/research experience.

- 15. One Assistant Employment Officer, Directorate General of Employment and Training, Department of Labour and Employment, Ministry of Labour and Rehabilitation. Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Economics or Statistics or Psychology or Education of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience of Socio-economic investigation or Research preferably in relation to demography, employment and unemployment and/or manpower problems. (iii) Knowledge of Employment service work.
- 16. One Swimming Coach, Sports Department, Chandigarh Administration, Chandigarh. Pay.—Rs. 300—25—700. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Matriculation or equivalent. (ii) Certificate of having qualified as a Coach in swimming from the National Institute of Sports. Patiala.

# ENGINEERING SERVICES (ELECTRONICS) EXAMINATION, 1974

The Union Public Service Commission will hold a combined competitive examination commencing on 18th June, 1974, for recruitment to Class I and Class II posts, requiring qualifications in Electronics, in certain Organisations/Department of Government of India, including All India Radio, Overseas Communications Service, Civil Aviation Department, Directorate General of Technical Development, Indian Navy (Deputy Armament Supply Officer).

- 2. Age Limits.—On 1-1-1974: 20—30 years, i.e. candidates must have been born not carlier than 2nd January, 1944 and not later than 1st January, 1954. (Candidates who were born later than 1st January, 1954 but not later than 1st August, 1954, also eligible as a special case). Upper age limit relaxable in favour of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories specified in the Rules for the Examination.
- 3. Qualifications.—Degree in Engineering; or/pass in Sections A and B of Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or Graduate Membership Examination of enstitution of Electronics and Tele-Communication Engineers (India); or M.Sc. Degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as special subject; or certain other qualifications recognised for the purpose.
- 4. Full particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Deihi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in the Commission's Office. Candidates must clearly state on money order coupons "Engineering Services (Electronics) Examination 1974" and also given their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders.

Completed applications must reach Union Public Service Commission by 4th February, 1974 (18th February, 1974 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).

A. C. BANDYOPADHYAY

Sec etary

Union Public Service Commission